24 जनवरी 2025
शुक्रवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

जीविकोपार्जन योजना के लाभुकों को सीएम नीतीश ने दिया 11.7 करोड़ का चेक 2

भारत को विकसित बनाने के लिए हमें अपने आराम के दायरे से बाहर निकलना होगा: मोदी

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 128वीं जयंती

एजेंसी/नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को लोगों से 'विकसित भारत' के लिए एकजुट रहने का आह्वान किया और देश को कमजोर करने और इसकी एकता को तोड़ने की कोशिश करने वाली ताकतों के खिलाफ चेतावनी दी। सुभाष चंद्र बोस की 128वीं जयंती के उपलक्ष्य में कटक में आयोजित 'पराक्रम दिवस' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि प्रतिष्ठित स्वतंत्रता सेनानी का जीवन लोगों के लिए निरंतर प्रेरणा का स्रोत है। अपने भाषण में पीएम मोदी ने कहा कि नेताजी ने आराम के दायरे से बाहर निकलकर देश की आजादी के लिए संघर्ष करना पसंद किया। पीएम ने आगे कहा, 'वे कभी भी आराम के दायरे में नहीं फंसे। इसी तरह, हम सभी को एक विकसित भारत बनाने के लिए अपने आराम के दायरे से बाहर निकलना होगा। हमें खुद को वैश्विक स्तर पर सर्वश्रेष्ठ बनाना होगा। हमें उत्कृष्टता को चुनना होगा और दक्षता पर ध्यान केंद्रित करना होगा। उन्होंने कहा कि बोस देश के 'स्वराज' पर पूरी तरह केंद्रित थे और कई पृष्ठभूमि के लोग इस उद्देश्य के लिए एकजुट हुए। उन्होंने कहा, 'अब हमें विकसित भारत के लिए एकजुट रहना होगा।' उन्होंने कहा कि लोगों को भारत की एकता के लिए बोस के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'हमें उन लोगों से सावधान रहना होगा जो देश को कमजोर करना चाहते हैं और इसकी एकता को तोड़ना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि भारत वैश्विक स्तर पर एक मजबूत आवाज के रूप में उभरा है।

इससे पहले पीएम मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में एक वीडियो साझा करते हुए लिखा- आज पराक्रम दिवस पर मैं नेताजी सुभाष चंद्र बोस को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में उनका योगदान अद्वितीय है। वे साहस और धैर्य के प्रतीक थे। उनका विजन हमें प्रेरित करता रहता है, क्योंकि हम उनके सपनों का भारत बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं।

पीएम ने संसद के सेंट्रल हॉल में छात्र-छात्राओं से की बात

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार को नई दिल्ली में संसद के सेंट्रल हॉल में छात्र-छात्राओं से विशेष बातचीत की। प्रधानमंत्री ने विद्यार्थियों से पूछा कि 2047 तक देश का लक्ष्य क्या है, इस पर एक विद्यार्थी ने पूरे आत्मविश्वास के साथ कहा कि भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाना है। प्रधानमंत्री ने जब यह पूछा कि 2047 तक ही क्यों तब एक अन्य विद्यार्थी ने उत्तर दिया कि जब भारत अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी मना रहा होगा तब हमारी मौजूदा पीढ़ी राष्ट्र की सेवा के लिए तैयार हो जाएगी। पीएम मोदी ने विद्यार्थियों से आज के दिन के महत्व के बारे में पूछा, तो उन्होंने बताया कि आज नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती है, जिनका जन्म ओडिशा के कटक में हुआ था। इसके बाद उन्होंने एक अन्य छात्रा से पूछा कि नेताजी का कौन सा नारा आपको सबसे अधिक प्रेरित करता है, तो उसने जवाब दिया, तुम मुझे खून दो और मैं तुम्हें आजादी दूंगा। उसने आगे कहा कि नेताजी बोस ने हर चीज से ऊपर अपने देश को रखकर सच्चे नेतृत्व का प्रदर्शन किया और यह समर्पण हमें बहुत प्रेरित करता है।

आय से अधिक संपत्ति मामले में विजिलेंस ने की कार्रवाई, सात ठिकानों पर रेड

शिकंजे में बेतिया डीईओ, छापेमारी में घर से मिले दो करोड़ से अधिक रुपए

- जिला शिक्षा पदाधिकारी रजनीकांत प्रवीण के बेतिया के बसंत विहार कॉलोनी स्थित उनके आवास पर हुई छापेमारी में भारी मात्रा में नकदी और गहने बरामद हुए

केटी न्यूज/पटना

बिहार के बेतिया जिले में जिला शिक्षा पदाधिकारी रजनीकांत प्रवीण के घर पर विजिलेंस विभाग ने गुरुवार को बड़ी कार्रवाई की। बेतिया के बसंत विहार कॉलोनी स्थित उनके आवास पर हुई छापेमारी में भारी मात्रा में नकदी और गहने बरामद हुए। पटना से आई टीम ने उनके घर की तलाशी ली। इस दौरान इतनी पांच-पांच सौ रुपए के नोटों की गड्डी मिली कि नोट गिनने के लिए मशीन मंगानी पड़ी। इस दौरान तलाशी में 2 करोड़ से ज्यादा नकद बरामद किया गया है। यह कार्रवाई सुबह शुरू हुई और देर शाम तक जारी रही। विशेष निगरानी इकाई की छापेमारी के बाद शिक्षा विभाग ने डीईओ रजनीकांत प्रवीण को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

विजिलेंस टीम ने रजनीकांत प्रवीण के बेतिया स्थित घर के अलावा बगहा, समस्तीपुर, दरभंगा, और मधुबनी में भी उनके सात ठिकानों पर छापेमारी की। समस्तीपुर में उनके ससुराल और अन्य रिश्तेदारों के ठिकानों की भी जांच हुई। बताया जा रहा है कि प्रवीण की पत्नी और साली भी शिक्षण कार्य से जुड़ी हैं और कई निजी स्कूल चलाती हैं। इन स्कूलों के रजिस्टर और दस्तावेज भी खंगाले जा रहे हैं।

इतनी गड्डी मिली कि नोट गिनने के लिए मंगानी पड़ी मशीन

1.87 करोड़ रुपए की अवैध संपत्ति अर्जित की: विजिलेंस के मुताबिक, रजनीकांत प्रवीण के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज है। जांच में पाया गया कि 2005 में नौकरी शुरू करने के बाद से अब तक उन्होंने करीब 1.87 करोड़ रुपए की अवैध संपत्ति अर्जित की है। उनके घर से मिले दस्तावेजों से कई अनियमितताएं सामने आई हैं। रजनीकांत प्रवीण पर कई शिक्षकों ने भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। हाल ही में स्कूलों में बेंच-डेस्क और समरसेबल पाइप लगाने में भी गड़बड़ी की शिकायत मिली थी। कहा जा रहा है कि मानक के विपरीत फिटिंग लगाई गई। स्कूल के प्रधान शिक्षकों ने नाम न छापने की शर्त पर यह जानकारी दी। आरोप है कि रजनीकांत प्रवीण ने अपने चहेते ठेकेदारों को काम दिया। जिला शिक्षा पदाधिकारी रजनीकांत प्रवीण हमेशा विवादों में रहे हैं।

स्कूलों की भी चल रही जांच

रजनीकांत प्रवीण की पत्नी और साली द्वारा संचालित स्कूलों पर भी जांच चल रही है। दरभंगा में बिरला ओपन माइंड स्कूल और बगहा के वाल्मीकि नगर में उनके प्रबंधन वाले स्कूलों की जांच हो रही है। विजिलेंस टीम इन स्कूलों के खातों और रजिस्टर को खंगाल रही है।

रजनी कांत प्रवीण बिहार शिक्षा विभाग के 45वें बैच के अधिकारी हैं। वे 2005 से सेवा में हैं। उन्होंने दरभंगा, समस्तीपुर और बिहार के अन्य जिलों में शिक्षा पदाधिकारी के रूप में काम किया है। उनका सेवाकाल लगभग 19-20 साल का है। एसवीयू की टीम अब बरामद नकदी और दस्तावेजों की जांच कर रही है। इससे प्रवीण की अवैध संपत्ति के बारे में और जानकारी मिलने की उम्मीद है। एसवीयू की जांच अभी जारी है। आगे और खुलासे होने की संभावना है। ये छापेमारी बिहार में भ्रष्टाचार के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है। नए अपर मुख्य सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ ने स्कूलों में बेंच-डेस्क की खरीदारी में हुई गड़बड़ियों पर सख्त रुख अपनाया है। इससे पहले किशनगंज और पूर्वी चंपारण जिलों में भी डीईओ और अन्य अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई हो चुकी है।

वाहनों की रफ्तार रोकने के लिए जुलाई से लागू होंगे नए नियम

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने तेज रफ्तार से वाहन चलाने वालों पर लगाम कसने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है। सरकार ने वाहनों की गति मापने के लिए रडार उपकरण नियम अधिसूचित किए हैं। ये नियम 1 जुलाई से लागू होंगे। नए नियमों के आने के बाद तेज रफ्तार गाड़ी चलाने वालों पर शिंकजा कसेगा। उपभोक्ता मामलों के विधिक माप विज्ञान प्रभाग ने विधिक माप विज्ञान (सामान्य) नियम, 2011 के अंतर्गत वाहनों की गति मापने के लिए रडार उपकरण के नियमों को अधिसूचित किया है। सरकार की ओर से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया कि नए नियम 1 जुलाई, 2025 से प्रभावी होंगे।

नियमों के प्रावधानों का पालन करने के लिए उद्योग जगत को पर्याप्त समय दिया गया है। मसौदा नियमों को तैयार करने के लिए रांची स्थित भारतीय विधिक माप विज्ञान संस्थान के निदेशक की अध्यक्षता में एक समिति बनाई गई थी। समिति ने ओआईएमएल आर-91 के आधार पर प्रारंभिक मसौदा पेश किया। नियमों की जरूरतों को समझाने के लिए राज्य विधिक माप विज्ञान विभागों, आरआरएसएल अधिकारियों, निर्माताओं और वीसीओ के लिए मसौदा नियमों पर प्रस्तुति दी गई।

आप नेताओं के घर से बांग्लादेशियों को बांटे जाते हैं आधार कार्ड: योगी

उप्र के सीएम ने दिल्ली जनसभा को किया संबोधित

केटी न्यूज/नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को दिल्ली विधानसभा चुनाव के रण में उतरे। उनकी पहली जनसभा किराड़ी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार बजरंग शुक्ला, दूसरी करोल बाग से दुष्यंत गौतम व तीसरी जनसभा जनकपुरी से प्रत्याशी आशीष सूद के पक्ष में हुई। यहां आम आदमी पार्टी व अरविंद केजरीवाल उनके निशाने पर रहे। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यमुना मैया को गंदे नाले के रूप में बदलने का अपराध करने वाले को जनता-जनार्दन की अदालत में माफी नहीं दी जानी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली की दुर्गति करने का सबसे बड़ा अपराधी अरविंद केजरीवाल नाम का जीव है। एमडीएमसी के क्षेत्र को छोड़ दें तो शेष दिल्ली में सड़क, सीवर, स्वच्छता व पेयजल की स्थिति बदतर है। पता नहीं चल रहा कि यहां सड़क पर गड्ढा है या गड्ढे में सड़क। कूड़ा, गंदगी का ढेर पड़ा है, सीवर सड़कों पर बह रहा है। पेयजल के भीषण संकट आने पर टैंकर माफिया हावी हो जाते हैं। सीएम योगी ने कहा कि आम आदमी पार्टी सुबह होते ही सोशल मीडिया पर झूठे पोस्ट, झूठी फिल्मों का प्रदर्शन, झूठे वक्तव्य देते हैं। आम आदमी पार्टी व उसके नेता जितना समय झूठ बोलने के एटीएम के रूप में बर्बाद करते हैं, उतना यदि जनसुविधा व विकास के बारे में सोचते तो दस वर्ष में दिल्ली बदल गई होती, लेकिन इन लोगों ने दिल्ली को कूड़ा घर बना दिया है। सीएम योगी ने आरोप लगाया कि आप के नेताओं के घर से बांग्लादेशी घुसपैठियों का आधार कार्ड बनाया जा रहा है। कहा कि इन लोगों ने राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ भी खिलवाड़ किया। 2020 में दिल्ली के अंदर दंगे कराए गए। इसमें आम आदमी पार्टी के विधायकों व पार्षदों की संलिप्तता आई थी। शाहीनबाग में भी इन्होंने दंगा कराया। जिसने अपने गुरु अन्ना हजारे को धोखा दिया, वह जनता-देश को भी धोखा दे रहा है। केजरीवाल समेत कई मंत्रियों को जेल जाना पड़ा।

भारत-बांग्लादेश सीमा पर तेज किए गए गश्त और अन्य ऑपरेशन

एजेंसी/कोलकाता

देश के 76वें गणतंत्र दिवस से पहले भारत ने भारत-बाग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा और सीमा चौकियों की कड़ी सुरक्षा के लिए बीएसएफ ने अपने सभी क्षेत्रीय संरचनाओं में 'ऑप्स अलर्ट' शुरू कर दिया है। इस दौरान भारत-बांग्लादेश सीमा पर गश्त और अन्य ऑपरेशन को और मजबूत कर दिया है। उल्लेखनीय है कि भारत बांग्लादेश के साथ बंगाल से लेकर मेघालय तक 4,096 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करता है। बीएसएफ के मुख्य विशेष महानिदेश (पूर्वी कमान) के जनसंपर्क अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि इस संबंध में रवि गांधी, अतिरिक्त महानिदेशक और सभी अधिकारियों ने पूर्वी कमान के क्षेत्र में प्रभुत्व की समीक्षा की। गांधी खुद भी बीएसएफ की परिचालन तैयारियों और रणनीतिक तैनाती की निगरानी के लिए दक्षिण बंगाल फ्रंटियर के सीमावर्ती क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं। अतिरिक्त महानिदेशक ने सभी क्षेत्रीय संरचनाओं को निगरानी बढ़ाने और विशेष रूप से नदी की सीमाओं और बिना बाड़ वाली सीमाओं पर सतर्क रहने का निर्देश दिया है। हाल के दिनों में बांग्लादेश के साथ तल्ख होते रिश्तों के बाद सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की जा रही है।

मोदी सरकार की गलत नीतियों के कारण बढ़ रही महंगाई: कांग्रेस

एजेंसी/नई दिल्ली

कांग्रेस ने गुरुवार को बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी को लेकर मोदी सरकार को घेरा। पार्टी नेता जयराम रमेश ने बताया कि मोदी सरकार की गलत नीतियों के कारण लगातार बढ़ती बेरोजगारी और महंगाई ने निम्न और मध्यम वर्ग के परिवारों के लिए जीवन को को बहुत कठिन कर दिया है।

उन्होंने कहा कि देश को अब ऐसे बजट की जरूरत है जो बढ़ती महंगाई से राहत दे। कांग्रेस नेता ने सोशल मीडिया पर दावा किया कि पिछले 10 वर्षों में महंगाई ने आम लोगों की जेबें खाली कर दी। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा, "मोडानी सरकार ने पिछले दस सालों में केवल अपने अमीर मित्रों का ध्यान रखा है। सरकार की गलत नीतियों के कारण लगातार बढ़ रही बेरोजगारी और महंगाई ने निम्न और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए जीवन बेहद मुश्किल बना दिया है। दूध, आटा, दाल, पेट्रोल, डीजल और सब्जियों की कीमतें आसमान छू रही हैं। ईएमआई और रोजमर्रा की जरूरतों का बोझ हर घर पर बढ़ता जा रहा है। आम आदमी परेशान है। देश को अब महंगाई से राहत देने वाला बजट चाहिए। क्या सरकार जनता की तकलीफें सुनकर कोई ठोस कदम उठाएगी?

राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने समाज को जागरूक करने का किया आह्वान

महाकुंभ में दहेज प्रथा के खिलाफ उठी आवाज

- राज्यपाल ने बालिकाओं के सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए वैक्सीनेशन पर दिया जोर
- उन्होंने बेटियों के स्वास्थ्य और शिक्षा को प्राथमिकता देने की अपील की

केटी न्यूज/प्रयागराज

महाकुम्भ-2025 के पावन अवसर पर तीर्थराज प्रयाग में आयोजित परमार्थ निकेतन शिविर में गुरुवार को उत्तर प्रदेश की राज्यपाल, आनंदी बेन पटेल ने उपस्थिति दर्ज कराई। उन्होंने यहां राष्ट्रसंत पूज्य मोरारी बापू जी के श्रीमुख से हो रही श्रीरामचरित मानस कथा का भी श्रवण किया। इस अवसर पर आनंदी बेन पटेल ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर उनके पराक्रम और साधना को नमन किया। उन्होंने कहा कि महापुरुष अपने कार्यों और विचारों से सदैव जीवंत रहते हैं। राज्यपाल ने बालिकाओं के सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए वैक्सीनेशन पर जोर दिया। उन्होंने बेटियों के स्वास्थ्य और शिक्षा को प्राथमिकता देने की अपील की। साथ ही, दहेज प्रथा के खिलाफ समाज को जागरूक करने का आह्वान किया।

राष्ट्रसंत मोरारी बापू ने श्रीरामचरित मानस के माध्यम से श्रद्धा और आस्था का महत्व समझाया। उन्होंने कहा कि कथा, धर्म और परमार्थ का गूढ़ अर्थ प्रदान करती है। मलूकपीठाधीश्वर श्री राजेंद्र दास जी महाराज ने कहा कि श्रीरामचरित मानस, श्रीराम का सजीव चरित्र है। उन्होंने पूज्य बापू की कथा को सत्य, प्रेम और करुणा का संगम बताया। स्वामी चिदानंद सरस्वती जी ने नेताजी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि सत्संग और कथा मन की गुलामी से आजादी प्रदान करती है।

सीएम नीतीश ने सहरसा को दी 210 करोड़ से अधिक की सौगात, 52 योजनाओं का किया उद्घाटन

जीविकोपार्जन योजना के लाभुकों को मिले 11.7 करोड़

♦ मेनहा में पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग की छात्राओं के लिए स्वीकृत विद्यालय का किया उद्घाटन

केटी न्यूज/पटना

प्रगति यात्रा के दौरान गुरुवार को सीएम नीतीश कुमार सहरसा जिले में पहुंचे। सीएम ने प्रगति यात्रा के तीसरे चरण में सहरसा के सत्तर कटैया प्रखंड स्थित प्लस उच्च विद्यालय, मेनहा के परिसर से 210 करोड़ रुपये से अधिक की कुल 52 विकासात्मक योजनाओं का रिमोट के माध्यम से उद्घाटन और शिलान्यास किया।

सीएम नीतीश कुमार प्रगति यात्रा के दौरान सहरसा जिले के सत्तर कट्टैया प्रखंड क्षेत्र के ग्राम मेनहा पहुंचे। जहां सदर भाजपा विधायक डॉ. आलोक रंजन सहित अन्य ने पुष्प गुच्छ देकर अभिवादन किया। सीएम प्लस उच्च विद्यालय, मेनहा परिसर में स्थित विद्यालय का उद्घाटन, विभिन्न विभागों के स्टॉल का निरीक्षण, लाभुकों के बीच लाभ का वितरण, खेल मैदान एवं अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाई का निरीक्षण, विभिन्न विभागों की योजनाओं का रिमोट के माध्यम से शिलान्यास और उद्घाटन तथा राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल हेतु चिह्नित भूमि का अवलोकन किए। बता दें कि प्रगति यात्रा के क्रम में गुरुवार को सहरसा पहुंचे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सत्तर कट्टैया प्रखंड क्षेत्र के मेनहा में पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग के छात्राओं के लिए स्वीकृत अन्य पिछड़ा वर्ग विद्यालय का उद्घाटन किया। उन्होंने जीविका दीदी के द्वारा लगाए गए स्टॉल का भी निरीक्षण किया। मौके पर उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, मंत्री विजय चौधरी, विधायक डॉ. आलोक रंजन, गुंजेश्वर साह, आयुक्त राजेश कुमार, डीआईजी मनोज कुमार, डीएम वैभव चौधरी, एसपी हिमांशु सहित अन्य मौजूद रहे।

प्रगति यात्रा अंतर्गत नीतीश कुमार मुख्यमंत्री ने कई स्टालों का निरीक्षण किया। स्टॉल प्रदर्शनी में जीविका द्वारा लगाए गए समुदाय आधारित संगठनों को परियोजना की तरफ से 144 करोड़ रुपये का वित्त पोषण, कौशिकी महिला दुग्ध उत्पादन द्वारा 17 हजार पशुपालकों को आठ करोड़ का भुगतान एवं दुग्ध प्रसंस्करण संयंत्रों का प्रदर्शन, सतत जीविकोपार्जन योजना के लाभुकों को 11.7 करोड़ की सहायता राशि का वितरण, आईसीएफ एवं आरएफ योजना अंतर्गत 25.6 करोड़ की राशि का वितरण, जीविका महिला एफपीओ के कृषि उत्पादों का प्रदर्शन का निरीक्षण किया।

120 लाभुकों को दिया 2.40 करोड़ का चेक

मुख्यमंत्री समेकित चौर विकास योजना एवं मुख्यमंत्री तालाब मात्स्यिकी विशेष सहायता योजना अंतर्गत 10 लाभुकों के लिए 24.09 लाख रुपये अनुदान का वितरण किया गया। मत्स्य पालन के तहत सहरसा मत्स्य प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड द्वारा मछली दाना, दवा, बीज आदि का प्रदर्शन एवं समेकित मत्स्य पालन का मॉडल प्रदर्शन का अवलोकन किया गया। मुख्यमंत्री बाल हृदय योजना अंतर्गत चिकित्सा सहायता प्राप्त दो लाभुकों द्वारा मुख्यमंत्री को धन्यवाद ज्ञापन दिया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगाए गए हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर तथा टेली मेडिसीन योजना अंतर्गत दी जाने वाली चिकित्सा सेवाओं का प्रदर्शन का अवलोकन किया गया। निरीक्षण के दौरान उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन मंत्री तथा सहरसा जिले के प्रभारी मंत्री रत्नेश सादा, सांसद दिनेश चंद्र यादव, विधायक आलोक रंजन, विधायक गुंजेश्वर साह अन्य जनप्रतिनिधिगण, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, पूर्णिया प्रमंडल के आयुक्त राजेश कुमार, कोसी प्रक्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक मनोज कुमार, सहरसा जिला के जिलाधिकारी वैभव चौधरी, सहरसा के पुलिस अधीक्षक हिमांशु सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित रहे। दो लाभुकों को मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना अंतर्गत आयुष्मान कार्ड का वितरण किया गया। मुख्यमंत्री उद्यमी योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में अंतिम रूप से चयनित एवं प्रशिक्षणोपरांत प्रथम किस्त के रूप में 120 लाभुकों के बीच कुल 2.40 करोड़ रुपये का सांकेतिक चेक वितरण किया गया।

सीतामढ़ी के पूर्व डीईओ के पेंशन पर विभाग ने आजीवन लगाया रोक

केटी न्यूज/दरभंगा

बिहार के शिक्षा विभाग से जुड़े कई अधिकारियों के लिए काला दिन रहा। पहला मामला बेतिया के जिला शिक्षा पदाधिकारी से जुड़ा हुआ था। बताया जाता है कि बिना घूस लिए बेतिया के जिला शिक्षा पदाधिकारी एक घूंट पानी नहीं पीते थे। नोटों के बिस्तर पर सोते थे। आय से अधिक संपत्ति मिलने के बाद उस भ्रष्ट अधिकारी को निलंबित कर दिया गया। खाद के बोरे में रखे हुए नोट बरामद हुए हैं। बेड के नीचे से दो करोड़ रुपये की बरामदगी हुई है।वहीं दूसरी ओर सीतामढ़ी के पूर्व जिला शिक्षा पदाधिकारी संजय प्रसाद देव उर्फ कन्हैया प्रसाद देव से जुड़ा एक मामला भी सामने आया। संजय प्रसाद को 2023 में निगरानी विभाग की टीम ने 50 हजार रुपये घूस लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया था। उसके बाद शिक्षा विभाग के निदेशक सुबोध कुमार चौधरी ने बड़ी कार्रवाई करते हुए आरोपी संजय प्रसाद देव के पेंशन पर आजीवन रोक लगा दिया है। इससे विभागीय अधिकारियों में हड़कंप मच गया है। ध्यान रहे कि आरोपी अधिकारी संजय कुमार देव दरभंगा में डीपीओ के पद पर तैनात हुआ करते थे। वहां से शिक्षा विभाग ने उन्हें प्रमोशन देकर सीतामढ़ी का डीईओ बनाया था। सीतामढ़ी में 16 मार्च, 2023 को पटना से आई निगरानी की टीम ने उन्हें 50 हजार रुपये घूस लेते हुए दबोच लिया। उसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। काफी दिनों बाद अधिकारी को जमानत मिल गई। उसके बाद विभाग ने फिर से तैनात कर दिया। फिलहाल, आरोपी अधिकारी अवकाश प्राप्त कर चुके हैं। उसके बाद शिक्षा विभाग ने कार्रवाई करते हुए उन्हें मिलने वाले पेंशन पर रोक लगाने का ऐलान किया है।

मद्य निषेध थाने में शराब पार्टी करते तीन पुलिसकर्मी गिरफ्तार

कार्रवाई

केटी न्यूज/छपरा

छपरा में उत्पाद विभाग के अधिकारियों ने मद्य निषेध थाने में शराब पार्टी किया जा रहा था। हालांकि, इसकी सूचना किसी ने सारण पुलिस अधीक्षक डॉ. कुमार आशीष को दे दिया। फिर क्या था पुलिस अधीक्षक द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए मढ़ौरा अनुमंडल के पुलिस पदाधिकारी नरेश पासवान के नेतृत्व में टीम गठित कर देर रात्रि को छापेमारी करवा दिए। शराब पार्टी में शामिल उत्पाद विभाग के सभी पुलिस अधिकारियों को शराब अधिनियम उल्लंघन मामले को लेकर हिरासत में ले लिया गया है।

किसी भी तरह से बिहार में शराब पीना या बिक्री पर पूर्ण रूप से बंदी किया गया है, जिसके लिए उत्पाद विभाग को जिम्मेदारी सौंपी गई है। मतलब उत्पाद करने वालों पर नकेल कसने के लिए उत्पाद विभाग को राज्य के सभी जिला मुख्यालयों सहित सीमावर्ती या कुछ चयनित स्थलों पर कार्यालय बनाया गया है। जहां जन्मदिन की पार्टी में शराब पार्टी चल रही थी। लेकिन किसी ने जिले के वरीय पुलिस अधिकारियों तक इसकी सूचना दे दी। उसके बाद सारण पुलिस अधीक्षक के दिशा-निर्देश में मशरक में स्थापित मद्य निषेध थाने पर देर रात्रि को मढ़ौरा डीएसपी नरेश पासवान, मशरख के अंचल पुलिस निरीक्षक और स्थानीय थाने के थानाध्यक्ष ने संयुक्त रूप से छापेमारी करते हुए उत्पाद विभाग अधिनियम का उल्लंघन के मामले में मद्य निषेध थाने के पुलिस निरीक्षक सुनील कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक कुंदन कुमार और सिपाही संतोष कुमार को हिरासत में लिया गया। हालांकि, अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि सारण के पुलिस अधीक्षक डॉ. कुमार आशीष द्वारा नहीं की गई है। मशरक उत्पाद थाना में नर्तकियों के साथ शराब पार्टी मना रहे उत्पाद थाना के तीन पदाधिकारी सहित कर्मी गिरफ्तार किये गये है। इस संबंध में सारण के पुलिस अधीक्षक डॉ. कुमार आशीष ने बताया कि मशरक थाना को गुप्त सूचना मिली कि उत्पाद थाना मसरख के कर्मियों द्वारा शराब पीकर उत्पाद थाना पर नाच-गान का कार्यक्रम चलाया जा रहा है। उक्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम द्वारा त्वरित कारवाई करते हुए मशरक उत्पाद थाना में छापामारी की गई और छापामारी के दौरान कर्मियों के पास से एवं उनके कमरे से अंग्रेजी शराब बरामद कर तीन पुलिस पदाधिकारी यथा पुलिस निरीक्षक सह मद्यनिषेध थाने के थानाध्यक्ष सुनील कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक कुंदन कुमार, सिपाही संतोष कुमार को हिरासत में लिया गया। हिरासत में लिए पुलिस अवर निरीक्षक कुंदन कुमार और सिपाही संतोष कुमार के शराब पीने की वैज्ञानिक पुष्टि की गई।

सीएम नीतीश की यात्रा आतंक और अहंकार की यात्रा : दीपांकर

गया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा आतंक और अहंकार की यात्रा है। 20 साल से सत्ता में काबिज नीतीश सरकार अब जनता के मुद्दों से पूरी तरह कट चुके हैं। यह बातें गुरुवार को गया शहर के धर्मसभा भवन में सीपीआईएम के बदलो बिहार समागम कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए पार्टी के महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य ने कही। उन्होंने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा नहीं आतंक यात्रा और अहंकार यात्रा है। दीपंकर भट्टाचार्य ने कहा कि करीब 20 वर्षों से बिहार की सत्ता पर काबिज नीतीश कुमार अब आम जनता के मुद्दों से पूरी तरह कट चुके हैं। प्रदेश में हर वर्ग के लोग अत्याचार से त्रस्त है। उन्होंने बीपीएससी अभ्यर्थियों पर हुए लाठीचार्ज और माले नेताओं की गिरफ्तारी को सरकार की तानाशाही का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार अपने चरम पर है। जनता को राहत देने वाले कोई भी कदम नहीं उठाया जा रहा। वहीं, दीपांकर भट्टाचार्य ने घोषणा किया कि नौ मार्च को पटना के गांधी मैदान में ह्यबदलो बिहार समागमह्न का आयोजन किया जा रहा है। उक्त कार्यक्रम में आंदोलनकारी ताकतें एकजुट होकर सरकार और सिस्टम के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करेंगे।

दिल्ली में भाजपा विरोधी ताकतों को करेंगे मदद: दिल्ली चुनाव के सवाल पर उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी दो सीटों पर प्रत्याशी उतार रही है। बाकी सीटों पर भाजपा विरोधी पार्टियों का समर्थन करेंगे। महागठबंधन के सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि दिल्ली चुनाव को देखते हुए कोई औपचारिक गठबंधन नहीं हुआ था। हालांकि, भाजपा के खिलाफ महागठबंधन अब भी कायम है। उन्होंने कहा कि बदलो बिहार समागम का लक्ष्य सरकार बदलना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी लड़ाई दोनों के खिलाफ है। बिहार को भ्रष्टाचार, तानाशाही और प्रशासनिक आतंक से मुक्त करना ही इस आंदोलन का मुख्य उद्देश्य है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में माले कार्यकर्ता, समर्थक और पदाधिकारी मौजूद रहे।

मुंगेर में टला रेल हादसा , बेपटरी होकर दीवार से टकराई मालगाड़ी

केटी न्यूज/पटना

मुंगेर में गुरुवार एक बड़ा रेल हादसा होने से बच गया। रेल कारखाना के भीतर संटिंग के दौरान मालगाड़ी की वैगन डीरेल होकर रेलवे ट्रैक के पास स्थित दीवार से टकरा गया। बिहार के मुंगेर में आज एक बड़ा रेल हादसा होते-होते टल गया। रेल कारखाना के भीतर मालगाड़ी का वैगन डीरेल हो गया और दीवार से जा टकराया लेकिन गनीमत रही कि हादसे के वक्त कोई ट्रेन वहां से नहीं गुजर रही थी। दरअसल, मुंगेर में उस समय एक बड़ा रेल हादसा होते होते बचा, जब जमालपुर रेल कारखाना के अंदर एक वैगन बेपटरी होकर कारखाना के बाहरी दीवार से टकरा गया और दीवाल का एक बड़ा भाग जमालपुर-धरहरा रेलखंड के अप लाइन पर गिर पड़ा। जिसके बाद इसकी सूचना रेल प्रशासन को मिलते ही तीव्र गति से कार्य करते हुए दीवार के मलबा को दो घंटे के बाद हटाकर परिचालन शुरू कराया। जमालपुर रेल स्टेशन के लोको गेट के करीब एक एक तेज आवाज के साथ एक दिवार का एक बड़ा भाग अप लाइन पर आकर गिर गया। जमालपुर कारखाने के अंदर जब एक मालगाड़ी को सेंटिंग किया जा रहा था तो उसका एक वैगन बेपटरी हो गया और कारखाना के चारदीवार से टकरा गया। गनीमत थी कि जब यह हादसा हुआ, उस वक्त कोई ट्रेन नहीं गुजर रही थी। घटना के बाद रेलवे की टीम पहुंची और रेलवे ट्रैक से मलबा हटाकर परिचालन शुरू कराया। करीब दो घंटे तक अप मार्ग पर ट्रेनों का आवगमन बंद रहा। लगभग दो घंटे के कड़ी मेहनत के बाद रेल परिचालन उस आप लाइन में शुरू करवाया गया और पैसेंजर और एक्सप्रेस ट्रेन को रवाना किया गया।

भारी विरोध के बाद भी बीपीएससी ने जारी किया 70 वीं प्री का रिजल्ट

केटी न्यूज/पटना

बीपीएससी ने 70वीं प्रारंभिक परीक्षा के नतीजे जारी कर दिए हैं। बीपीएससी 70वीं प्रारंभिक परीक्षा का आयोजन 13 दिसंबर, 2024 और पुनः परीक्षा का आयोजन 4 जनवरी को किया गया। इस परीक्षा में कुल 3,28,990 अभ्यर्थियों ने भाग लिया था, जिनमें से 21581 अभ्यर्थियों को योग्य घोषित किया गया है। बीपीएससी 70वीं प्रारंभिक परीक्षा 13 दिंसबंर को राज्य के 911 केंद्रो पर और 4 जनवरी को पटना में 22 केंद्रों पर आयोजित की गई। आयोग ने एकीकृत 70वीं संयुक्त (प्रा.) प्रतियोगिता परीक्षा का परिणाम पूर्व की भांति 45 दिनों के भीतर प्रकाशित किया है। जो भी उम्मीदवार परीक्षा में शामिल हुए थे। बीपीएससी ने 13 दिसंबर 2024 को 70वीं एकीकृत प्राथमिक परीक्षा राज्य के 911 केन्द्रों पर आयोजित की।

04 जनवरी 2025 को पटना में 22 केन्द्रों पर एकीकृत 70वीं संयुक्त प्रतियोगिता (प्रा.) परीक्षा का आयोजन किया गया था। अब पूरे बीपीएससी ने पूरे परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया है। इस परीक्षा में कुल 3,28,990 अभ्यर्थी शामिल हुए थे, जिनमें सामान्य श्रेणी के कुल 9017, अनुसूचित जाति श्रेणी के कुल 3295, अनुसूचित जनजाति श्रेणी के कुल 211, पिछड़ा वर्ग श्रेणी के कुल 2793 और अत्यन्त पिछड़ा वर्ग श्रेणी के कुल 3515 अभ्यर्थी सफल हुए। साथ ही पिछड़ा वर्ग महिला श्रेणी की कुल 601, दिव्यांग श्रेणी के कुल 561, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग श्रेणी की कुल 2149 एवम स्वतंत्रता सेनानी कोटा श्रेणी की कुल 280 महिला अभ्यर्थी सफल हुईं। इस प्रकार कुल 21581 अभ्यर्थी सफल घोषित किये गये हैं। आयोग की प्रक्रिया के अनुसार इस परीक्षा की औपबंधिक उत्तर-कुंजी विशेषज्ञों के समिति द्वारा तैयार करने के बाद 08 जनवरी 2025 को आयोग के वेबसाईट पर प्रदर्शित करते हुए 16 जनवरी 2025 तक छात्रों से दावा आपत्ति की मांग की गयी थी।

पटना स्थित श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में मनायी गई कर्पूरी ठाकुर की जयंती

पूर्व एमएलसी ने थामा राष्ट्रीय लोक मोर्चा का दामन

केटी न्यूज/पटना

पटना के श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा के द्वारा भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर की 101 वीं जयंती समारोह सह मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान जदयू के पूर्व विधानपरिषद रामेश्वर कुमार महतो ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेन्द्र कुशवाहा की उपस्थिति में राष्ट्रीय लोक मोर्चा का दामन थाम लिया। महतो के नेतृत्व में मुख्य रूप से सुनीता कुमारी, मधुरेंद्र कुशवाहा, रघुनाथ कुशवाहा, पप्पू प्रवीण, अख्तर अली समेत सैकड़ों लोग भी राष्ट्रीय लोक मोर्चा में शामिल हो गए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपेंद्र कुशवाहा ने कहा की रामेश्वर कुमार महतो जी ने पार्टी में शामिल होने का निर्णय बहुत पहले लिया था मगर किन्हीं कारणों से तारीख आगे बढ़ रही थी। आज एक अच्छा संजोग भी है की जहां हम महामानव जननायक कर्पूरी ठाकुर जी की जयंती समारोह मना रहे हैं वही रामेश्वर जी को पार्टी में स्वागत करने का भी हमारे लिए अवसर है। साथ हीं इनके साथ जो भी लोग पार्टी की सदस्यता के रहे हैं। पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रामेश्वर कुमार महतो ने कहा कि भारत रत्न मिलने के बाद हम पहली बार कर्पूरी ठाकुर की जयंती मना रहे है। इस महान विभूति को श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूं। उन्होंने कहा कि केंद्र में मंत्री रहते हुए उपेन्द्र कुशवाहा देश के पहले शख्स है जिन्होंने कॉलेजियम सिस्टम के बारे में बात किया था। उनका यह बात संसद में रखना जोखिम भरा था मगर उन्होंने जोखिम उठाया. आज उनकी बात रंग लाई और सरकार ने उस पर कमेटी बनाई और उसे पर काम हो रहा है और उस से बदलाव होना तय है। जब उपेंद्र कुशवाहा के भाषणों को सुनता था तो मुझे लगता था सीएम नीतीश के सिद्धांतों पर चलने वाले बिहार में एक मात्र नेता उपेन्द्र कुशवाहा हैं। उन्होंने कहा कि बिहार में भी शिक्षा में सुधार, जन जन का अधिकार का इन्होंने नारा दिया। मानव श्रृंखला लगाई. इन सभी चीजों से मैं प्रभावित हुआ। आज आम लोगों को अच्छी शिक्षा और स्वास्थ्य की जरूरत है। मुफ्त में कुछ भी देने की जरूरत नहीं है। अच्छी शिक्षा से लोग कमा लेंगे और अच्छे स्वास्थ से मेहनत कर लेंगे। महतो ने कहा कि पिछले कुछ समय से बिहार में शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में काफी तेजी से काम हो रहा है। सीएम नीतीश कुर्मी समाज से आते है उनकी भी 20 साल राज देखी, और उन 20 साल को आगे बढ़ाने के लिए कुशवाहा समाज का बेटा उपेन्द्र कुशवाहा की बिहार की राजनीत में आगे बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने सीएम नीतीश कुमार को लेकर कहा कि हमने बहुत वर्षों तक उनके साथ काम किया है। उनका आशीर्वाद हमेशा की तरह मिलता रहा है।

जिले में पहली बार आयोजित एसपी के जनता दरबार में पहुंची मझवारी की राजमुनी देवी, बताया अपना दर्द

ए साहेब... हमार बेटा-पतोहू हमरा के मार के घर से निकाल देले बा, अब हम कहां जाईं

- एसपी शुभम आर्य के जन संवाद में शामिल हुए सैकड़ों ग्रामीण
- फरियादियों को एसपी ने न्याय दिलाने का दिया आश्वासन

केटी न्यूज/सिमरी

जिले के कई ऐसे सुदुर इलाके हैं जहां के लोग न्याय की गुहार लगाने एसपी कार्यालय जाने में सक्षम नहीं होते हैं। कुछ बुजुर्ग, दिव्यांग तथा आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को न्याय पाने के लिए कई परेशानियों को सह कार्यालयों का चक्कर लगाना पड़ता हैं, इसी को ध्यान में रख अब थानों में जन संवाद कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। उक्त बातें बक्सर एसपी शुभम आर्य ने गुरूवार को सिमरी थाने में कही। अवसर था, थाना परिसर में आयोजित एसपी के जनता दरबार कार्यक्रम का।

इस जनता दरबार में प्रखंड के विभिन्न पंचायतों के जन प्रतिनिधियों के साथ ही थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों से दर्जनों फरियादी शामिल हुए तथा अपना दुखड़ा एसपी के सामने सुनाया। एसपी ने उनकी शिकायतों को ध्यान से सुनने के साथ ही कुछ मामलों का ऑन द स्पॉट निपटारा किया तो कुछ मामलों को संबंधित अधिकारी के पास फारवर्ड करते हुए न्याय दिलाने का आश्वासन दिया। एसपी के इस पहल से वहां मौजूद सैकड़ो की संख्या में लोग काफी खुश नजर आ रहे थे।

ग्रामीणों ने एसपी के इस पहल की जमकर सराहना की तथा कह कि थाना में एसपी का जनता दरबार आयोजित होने से अब क्षेत्र की जनता को एसपी से गुहार लगाने के लिए जिला मुख्यायल जाने की तोहमत नहीं उठानी पड़ेगी। जनता दरबार में एसपी के साथ डुमरांव डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी, सिमरी बीडीओ शशिकांत शर्मा, सीओ भगवती शंकर पांडेय, ब्रह्मपुर सर्किल इंस्पेक्टर, सिमरी थानाध्यक्ष के अलावे दर्जनों पंचायत प्रतिनधि, गणमान्य, फरियादी व ग्रामीण मौजूद थे।

जनता दरबार में छाया रहा जमीन विवाद का मामला : जनता दरबार में सबसे अधिक जमीन विवाद के मामले आए। वहीं, आपसी विवाद, पति पत्नी के झगड़े जैसे मसलों के अलावे कुछ लोगों ने एसपी के समक्ष अपने सुझाव भी रखे, जिसका जबाव एसपी ने बखूबी दिया तथा मामलों के अवलोकन के बाद उसके निष्पादन का प्रयास भी किया। वहीं, मझवारी के संजय कुमार व उनकी पत्नी ने जनता दरबार में एसपी को आवेदन दे बताया कि उसके पड़ोसी रास्ता बंद कर दे है, जिससे बच्चों की पढ़ाई बाधित हो रही हैं।

सिमरी के चंद्रभूषण पांडेय ने शिक्षाविद् तिलकधारी पांडेय तथा उनके बच्चों के साथ सरेराह हुई मारपीट की घटना में अबतक सभी आरोपितों की गिरफ्तारी नहीं होने पर एसपी से फरियाद लगाई तथा कहा कि आरोपित छुट्टे घुम रहे है। वही, रामोपट्टी के मो. इशा ने भी मारपीट की एक घटना में न्याय नहीं मिलने की शिकायत की। एसपी ने उन्हें आश्वस्त किया कि उन्हें न्याय मिलेगा। जनता दरबार में सिमरी के मंगल राम, खरहाटांड़ के मदन गोंड, अर्जुनपुर के उमलेश पांडेय, नगवा बिंदडेरा के जर्नादन बिंद, दुबौली के अंजय यादव आदि ने भी अपनी-अपनी फरियाद लगाई, जिस पर एसपी ने न्याय दिलाने का भरोसा दिया।

जनप्रतिनिधियों ने की पहल की सराहना : जनता दरबार में मौजूद सिमरी मध्य के जिप सदस्य केदार यादव ने एसपी के इस पहल की जमकर सराहना की तथा कहा कि एसपी द्वारा थाना में आकर जनता दरबार लगाने से आम जनता को काफी राहत मिलेगी। उन्होंने इस पहले के लिए एसपी शुभम आर्य को धन्यवाद भी दिया।

युवा ग्रामीण ने उठाया नशाखोरी का मुद्दा : वही, सिमरी दुधीपट्टी निवासी युवा सोनू दूबे ने एसपी से कहा कि क्षेत्र में युवा नशोखोरी के चपेट में आ रहे है, जिससे छोटे मोटे अपराध भी बढ़ रहे है। वही, उन्होंने गरीब व मेधावी छात्रों के कैरियर मार्गदर्शन के लिए पहल करने की अपील की। एसपी ने कहा कि पुलिस शराब तथा मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान चला रही है। वहीं, उन्होंने कहा कि उनका प्रयास रहेगा कि प्रतिभावान छात्रों की सहायता के लिए कैरियर काउंसलिंग आयोजित कर उन्हें मार्गदर्शन दिया जाए। वहां मौजूद लोगों ने करतल ध्वनियों से एसपी के इस बात का जोरदार स्वागत किया। अंत में डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी ने जनता दरबार में शमिल होने वाले फरियादियों तथा आम जनता को धन्यवाद दिया।

मझवारी की राजमुनी बनी पहली फरियादी...

इस जनता दरबार में मझवारी की राजमुनी देवी पहली फरियादी बनी। उन्होंने शिकायत की कि उसका छोटा बेटा तथा बहू मारपीट करती है तथा अक्सर घर से निकाल कमरे में ताला बंद कर देती है। हालांकि, मौके पर मौजूद उसके छोटे बेटे व बहू ने इन आरोपों का खंडन किया। थानाध्यक्ष ने बताया कि इनके बीच मौखिक बंटवारा हुआ था, मामला एसडीएम सर के पास लंबित है। एसपी ने दोनों पक्षों को मारपीट नहीं करने की हिदायत दी।

साहेब मेरी पत्नी पिछले साल 25 नवंबर को बक्सर रेलवे स्टेशन से दोस्त के साथ हुई है फरार, अब तक नहीं चला पता...

वहीं, मझवारी से ही आए धर्मेन्द्र राम ने बताया कि उसकी पत्नी 25 नवंबर 2024 से ही बक्सर रेलवे स्टेशन से गायब हो गई है। उसने बताया कि वह गुजरात में काम करता है। उसके साथ काम करने वाला एक युवक ही उसकी पत्नी को भगा ले गया है, पुलिस उसे अभी तक बरामद नहीं कर सकी है। एसपी ने तत्काल उसकी पत्नी को बरामद कर उसे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। कुछ इसी तरह की शिकायत नगरपुरा के अक्षय मिश्र ने भी किया।

जनता दरबार की झलकियां...

जन संवाद में पुलिस अधिकारियों के साथ बैठे एसपी।

जन संवाद में लोगों की समस्याएं सुनते एसपी।

जनसंवाद में मौजूद पुलिस पदाधिकारी व अन्य।

रामरेखा घाट पर लावारिश हालत में मिला मुसाफिर गंज के युवक का शव

केटी न्यूज/बक्सर

नगर थाना क्षेत्र के रामरेखा घाट के पूर्वी छोर पर गुरुवार की सुबह एक युवक का शव मिला। देखते ही देखते लोगों की भीड़ जमा हो गयी। लोगों द्वारा शव की पहचान की कोशिश की जा रही थी। इसी बीच किसी ने नगर थाने को सूचनो दी। मौके पर नगर थानाध्यक्ष एसएफएल की टीम के साथ पहुंच जांचे पड़ताल शुरू कर दिए। हालांकि, तत्काल शव की पहचान भी कर ली गई।

मृतक की पहचान नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत मुसाफिर गंज निवासी बबन राय के पुत्र नवीन कुमार राय के रूप में हुई है। वह बुधवार की देर शाम कहीं पार्टी में जाने की बात घर से निकला था। जो देर रात लगभग दस बजे तक घर नहीं पहुंचा, जिसके बाद परिजन फोन करने लगे, लेकिन दो तीन रिंग होने के बाद मोबाइल बंद हो गया। वही सुबह अज्ञात शव मिलने की जानकारी पर मृतक नवीन कुमार राय के भाई राकेश कुमार राय ने रामरेखा घाट पहुंच शव की पहचान की। वहीं उन्होंने बताया की कल शाम से ही वह घर से निकला था। यहा उसका शव मिला। उन्होंने बताया कि नवीन शादीशुदा है और एक पुत्र भी है।

घटना की सूचनो पर नगर थाना पुलिस के साथ डीएसपी धीरज कुमार भी एसएफएल टीम के साथ पहुंच घटना स्थल का जायजा लिया।

नगर थानाध्यक्ष मनोज कुमार ने बताया की प्रथम द्दष्टया हार्ट अटैक लग रहा है। वैसे शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ स्पष्ट हो पायेगा।

सिमरी बीडीओ का ग्रामीणों ने किया घेराव लगाया आवास योजना में घुसखोरी का अरोप

केटी न्यूज/सिमरी

आवास योजना में घुसखोरी का अरोप लगा सिमरी प्रखंड कार्यालय का घेराव किया। इस दौरान स्थानीय लोगों ने जोरदार नारेबाजी करते हुए बीडीओ कार्यालय का घेराव के साथ ही उन्हें हटाने की मांग की।

इसके पूर्व स्थानीय लोगों ने सिमरी खैरापट्टी स्कूल के पास एकजुट होने के बाद बाजार में रैली निकाली। इसके बाद बीडीओ कार्यालय का घेराव किया। करीब दो घंटे से अधिक समय तक भीम आर्मी समर्थक बीडीओ कार्यालय को घेरकर खड़े रहे। इस दौरान कार्यालय परिसर में अफरा-तफरी का माहौल कायम रहा। कार्यालय का घेराव किए जाने से कर्मी भी खूब परेशान हुए। हालांकि बाद में बीडीओ शशिकांत शर्मा व अन्य पदाधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद मामला शांत हुआ।

आवास योजना में गड़बड़ी का लगा रहे थे आरोप : ग्रामीणों का कहना था कि आवास योजना के दौरान बड़े पैमाने पर गड़बड़ी की जा रही है। जो भी घूस दे रहे है। उन्हें ही आवास योजना का लाभ मिल रहा है। जबकि सबकुछ जानते हुए भी बीडीओ उनपर कार्रवाई नहीं करते है। उनलोगों की मांग थी कि बीडीओ व घूस लेने वाले कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। यदि कार्रवाई नहीं हुई तब मुख्यमंत्री जब जिले में यात्रा करेंगे। तब उनके समक्ष भी प्रदर्शन किया जाएगा।

एक ही लाभुकों को बार-बार लाभ देने का लगा रहे थे आरोप : लोगों का कहना था कि वर्ष 2008 में जिन्हें आवास योजना का लाभ मिला था, उन्हें फिर से 2024 में इस योजना का लाभ दिया गया है। जबकि महादलित परिवार के सदस्यों को इसका लाभ नहीं मिल रहा है। यदि एक वित्तीय वर्ष में 20 लाभुकों को योजना का लाभ देने के लिए सरकार चयनित करती है, जिनमें चार-पांच को ही आवास योजना का लाभ मिल पाता है।

36 वाहन चालकों के नेत्रों की हुई जांच

बक्सर। सड़क सुरक्षा सप्ताह के तहत बस स्टैंड परिसर में नेत्र जांच एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य शिविर में कुल 39 वाहन चालकों का नेत्र एवं स्वास्थ्य जांच की गई। स्वास्थ्य शिविर में सदर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. तौहीद आलम, सदर अस्पताल के नेत्र सहायक बृजनंदन कुमार एवं एएनम के द्वारा वाहन चालकों का नेत्र एवं स्वास्थ्य जांच की गई। साथ ही, उचित परामर्श के साथ वाहन चालाकों को नि:शुल्क दवाएं उपलब्ध कराई गई। प्रभारी जिला परिवहन पदाधिकारी ने बताया कि परिवहन विभाग से प्राप्त निर्देश के आलोक में दिनांक एक से 31 जनवरी तक सड़क सुरक्षा माह मनाया जा रहा है। सड़क सुरक्षा माह के अवधि में जागरूकता रथ के माध्यम से जिला मुख्यालय, सभी अनुमंडल एवं प्रखंडों में आमजनों को यातायात नियमों के अनुपालन यथा सीट बेल्ट लगाने, हेलमेट पहनने एवं सड़क सुरक्षा संबंधी नियमों से जागरूक किया जा रहा है।

डुमरांव के ओमप्रकाश भुवन बने बक्सर भाजपा के जिलाध्यक्ष, बोले...

वर्ष 2025 में एक बार फिर पूर्ण बहुमत से बिहार में खिलेगा एनडीए का कमल

- पूर्व अध्यक्ष ने सौंपा पदभार, मौजूद रहे भाजपा के कई दिग्गज

केटी न्यूज/बक्सर

डुमरांव निवासी और वरिष्ठ भाजपा नेता ओम प्रकाश भुवन को बक्सर भाजपा का जिला अध्यक्ष बनाया गया है। उन्हें जिलाध्यक्ष बनाए जाने से भाजपा कार्यकताओं में खुशी की लहर दौड़ गई है तथा कार्यकताओं ने इस पुनीत कार्य के लिए प्रदेश और राष्ट्रीय नेतृत्व के प्रति आभार जताया है और कहा है कि ओमप्रकाश भुवन को पार्टी का जिला अध्यक्ष बनाए जाने से बक्सर में भाजपा सहित एनडीए के तमाम सहयोगी दलों को मजबूती मिलेगी।

बता दें कि श्री भुवन को संगठन का काफी गहरा अनुभव है तथा वे पिछले कई दशक से भाजपा में विभिन्न पदों का सफलता पूर्वक निर्वहन करते आए हैं। जिला अध्यक्ष के पहले तक वे भाजपा पंचायती राज मंच के प्रदेश संयोजक भी थे।

उन्हें भाजपा का जिलाध्यक्ष बनाए जाने से सबसे अधिक खुशी भाजपा कार्यकताओं को है। कार्यकताओं का कहना है कि उन्हें जिलाध्यक्ष बना पार्टी ने कार्यकताओं का मान बढ़ाया है। वहीं भुवन ने केशव टाइम्स से बातचीत के दौरान कहा कि उनका प्रयास कार्यकताओं में जोश भर संगठन को मजबूत करना तथा आगामी विधानसभा चुनाव में जिले के सभी सीटों पर एनडीए का परचम लहराना होगा। उन्होंने कहा कि 2025 में एक बार फिर से पूर्ण बहुमत से बिहार में एनडीए का कमल खिलेगा।

दूसरी तरफ उन्हें जिलाध्यक्ष बनाए जाने पर गुरुवार को बक्सर भाजपा कार्यालय में आयोजित बैठक में मुख्य अतिथि सह बिहार विधान परिषद सदस्य राजेन्द्र गुप्ता, प्रदेश महामंत्री मिथिलेश तिवारी, शम्भू सिद्धार्थ प्रदेश उपाध्यक्ष, अशोक भट्ट, शाहाबाद क्षेत्रिए पदाधिकारी, संतोष पटेल जिला अध्यक्ष रोहतास, मनोज कुमार सिंह प्रदेश अध्यक्ष किसान मोर्चा आदि की मौजूदगी में निवर्तमान अध्यक्ष विजय कुमार सिंह उर्फ भोला सिंह ने नव चयनित जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश भुवन को अंगवस्त्र एवं माला पहनाकर स्वागत किया और उन्हें अध्यक्ष की कुर्सी पर स्वागत के साथ बैठाकर भारतीय जनता पार्टी के अगले अध्यक्ष के रूप में पार्टी का पदभार दिया।

लापरवाही बरतने वाले आधा दर्जन शिक्षकों का अगले आदेश तक वेतन बंद

- मध्य विद्यालय दंगौली व केसठ दक्षिण डेरा प्राथमिक विद्यालय के है सभी शिक्षक
- जांच के दौरान उजागर हुई शिक्षण कार्य में शिक्षकों की लापरवाही

ग्रामीणों की शिकायत पर बीडीओ ने की जांच

केटी न्यूज/केसठ

एक तरफ राज्य सरकार व शिक्षा विभाग गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिशन को धरातल पर उतारने के लिए पूरजोर कोशिश कर रही है तो दूसरी तरफ विभाग व सरकार के इस प्रयास पर शिक्षक पानी फेर रहे हैं। कुछ ऐसा ही मामला प्रखंड के मध्य विद्यालय दंगौली में सामने आया है, जहां शिक्षण कार्य में लापरवाही करने, छात्रों की उपस्थिति नहीं सुधारने सहित कई अन्य आरोपों से नाराज बीडीओ मिथिलेश बिहारी वर्मा ने प्रधानाध्यापक समेत कुल आधा दर्जन शिक्षकों से स्पष्टीकरण पूछने के साथ ही अगले आदेश तक उनका वेतन रोक दिया है। बीडीओ के इस तेवर के प्रखंड के शिक्षकों में हड़कंप मच गया हैं।

वहीं केसठ दक्षिण डेरा स्थित प्राथमिक विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक नीरू कुमारी से कार्य में लापरवाही बरतने समेत अन्य कारणों को ले स्पष्टीकरण के साथ-साथ अगले आदेश तक वेतन बंद करने का निर्देश जारी किया है। बता दें कि उपमुखिया दीपक सिंह सहित ग्रामीण रामतपस्या साह, विजय यादव, रौशन शर्मा सहित दर्जनों लोगों ने बीडीओ से शिकायत किया था कि उपस्थिति बनाकर शिक्षक वर्ग में बच्चों को नहीं पढ़ाते हैं, बल्कि इधर-उधर घूमते रहते हैं। इस जांच के दौरान शिक्षकों में हड़कंप मचा रहा।

बीडीओ के निरीक्षण में उजागर हुई खामियां

ग्रामीणों की शिकायत पर गुरुवार को मध्य विद्यालय दंगौली का बीडीओ ने निरीक्षण किया। इस दौरान काफी खामियां उजागर हुई। ज्ञात हो कि दंगौली के ग्रामीणों ने शिक्षकों पर पठन पाठन में लापरवाही बरतने, बच्चों की उपस्थिति कम रहने सहित अन्य मामलों की शिकायत की थी। बीडीओ ने सात दिन के बच्चों की उपस्थिति के आधार पर जांच की। जिसमें बच्चों की उपस्थिति काफी कम पाई गई। वहीं, शौचालय की सफाई भी नहीं की गई थी। जबकि पूछताछ में बच्चों ने भी बीडीओ से शिक्षकों पर नहीं पढ़ाने के आरोप लगाए। बीडीओ ने सभी शिक्षकों को फटकार लगाते हुए गुणवतापूर्ण शिक्षा देने के साथ ही साफ सफाई के प्रति सजग रहने का निर्देश दिया। वहीं, बीडीओ ने विद्यालय के प्रधानाध्यापक अरुण कुमार, शिक्षिका पूजा यादव कुमारी विनीता, मीना दास, शिक्षक रामानुजन से शो कॉज पूछने के साथ ही अगले आदेश तक वेतन स्थगित कर दिया है।

एक नजर

सात दिवासीय श्रीमद् भागवत कथा का समापन, भंडारे में लोगों ने ग्रहण किया प्रसाद

इटाढ़ी। प्रखंड मुख्यालय में आयोजित सात दिवासीय श्रीमद् भागवत कथा का समापन गुरुवार को विशाल भंडारे के साथ किया गया। इस दौरान काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। सुबह में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन पूजन के बाद भंडारे की शुरूआत की गई। कथा व्यास के रूप में आचार्य रणधीर ओझा जी मौजूद थे। कथा के समापन पर आचार्य श्री ने आगे बताया कि भागवत पुराण में कहा गया है कि जो कोई भी ईमानदारी से रास लीला को सुनता है या उसका वर्णन करता है वह कृष्ण की शुद्ध प्रेमपूर्ण भक्ति को प्राप्त करता है। कथा व्यास जी ने कहा कि भागवत के चार अक्षर इसका तात्पर्य यह है कि भा से भक्ति, ग से ज्ञान, व से वैराग्य और त त्याग जो हमारे जीवन में प्रदान करें, उसे हम भागवत कहते है। इसके साथ साथ भागवत के छह प्रश्न, निष्काम भक्ति, 24 अवतार श्री नारद जी का पूर्व जन्म, परीक्षित जन्म, कुन्ती देवी के सुख के अवसर में भी विपत्ति की याचना करती है। क्योंकि दुःख में ही तो गोविन्द का दर्शन होता है। जीवन की अन्तिम बेला में दादा भीष्म गोपाल का दर्शन करते हुये अद्भुत देह त्याग का वर्णन किया। साथ साथ परीक्षित को श्राप कैसे लगा तथा भगवान श्री शुकदेव उन्हे मुक्ति प्रदान करने के लिये कैसे प्रगट हुये इत्यादि कथाओं का भावपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने कहा की भागवत कथा श्रवण करने वाले का जीवन हमेशा सुख में बना रहता है। साथ ही, जीवन में सुख शांति और समृद्धि ट है मौके पर श्याम बिहारी पाठक, पूर्व मंत्री संतोष कुमार निराला, विधायक विश्वनाथ राम, चेयरमैन संजय पाठक, मनोज त्रिगुण, ब्रजेश पाठक, कीर्तन पाठक, सतपाल पाठक, राजेन्द्र पाठक, जितेंद्र पाठक, धर्मेन्द्र पाठक, राघवेंद्र पाठक, मनभरन पाठक, राममूर्ति पाठक, राहुल पाठक, सोनल पाठक, दीपू पाठक समेत अन्य मौजूद थे।

सम्मेलन में महिलाओं की रहेगी भागीदारी: प्रीति

डुमरांव। स्थानीय शहर के पटेल कॉलोनी स्थित जदयू के महिला प्रकोष्ठ की जिलाध्यक्ष प्रीति पटेल के निवास पर गुरुवार को जदयू कार्यकताओं ने एक बैठक आयोजित कर आगामी 28 जनवरी को एनडीए के सम्मेलन की सफलता को लेकर अपनी रणनीति बनायी। इस बैठक में डुमरांव विधानसभा प्रभारी रवि उज्ज्वल कुशवाहा ने कार्यकताओं से सम्मेलन को सफल बनाने की अपील की तथा कहा कि यह कार्यक्रम एनडीए संगठन को और मजबूत करेगा। जदयू नेत्री सह महिला प्रकोष्ठ की जिलाध्यक्ष प्रीति पटेल ने कहा कि इस सम्मेलन में महिलाओं की अधिक भागीदारी रहेगी। इसके लिए विधानसभा के दर्जनों गांवों का दौरा किया। विधानसभा से हजारों की संख्या में महिलाओं की टीम सम्मेलन में शिरकत करेगी। यह कार्यक्रम एनडीए को नई ऊर्जा और दिशा प्रदान करेगा। यह सम्मेलन आने वाले चुनावों को ध्यान में रखते हुए कार्यकताओं और नेताओं को एक मंच पर लाने का प्रयास हैं। मौके पर जदयू नेता नथुनी खरवार, वीरेंद्र कुशवाहा, गोपाल गुप्ता, अजयचंद लोदी, विशोका चंद, धीरज मिश्रा, कमल चौरसिया सहित अन्य मौजूद थे।

स्वास्थ्य केंद्रों के कई चिकित्सकों द्वारा रोस्टर का पालन नहीं करने पर भड़के डीएम, बोले...

रोस्टर की समीक्षा करें व ओपीडी के लिए पर्याप्त संख्या में डॉक्टर करें प्रतिनियुक्त

- जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य समिति के अधिकारियों के साथ की बैठक

केटी न्यूज/बक्सर

जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल की अध्यक्षता में गुरुवार को स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। समीक्षा के क्रम में पाया गया कि जिले में माह दिसंबर 2023 में संस्थागत प्रसव का आंकड़ा 41 प्रतिशत था जो एक साल में यानी माह दिसंबर 2024 में 47 प्रतिशत तक बढ़ा। वहीं, बक्सर सदर अस्पताल में प्रसव के मामलों में गिरावट हुई है, जिस पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताते हुए सिविल सर्जन शिव प्रसाद चर्कवर्ती को कार्य योजना बनाते हुए प्रगति प्राप्त करने का निर्देश दिया।

वहीं, निजी स्वास्थ्य संस्थानों द्वारा संस्थागत प्रसव में शून्य प्रतिवेदन समर्पित किया जाने पर जिलाधिकारी ने संदेह व्यक्त करते हुए सिविल सर्जन को पंजीकृत निजी स्वास्थ्य संस्थानों के साथ अविलंब बैठक कर प्रसव आंकड़ों को जल्द से जल्द अपडेट करने का फरमान जारी किया।

जन उपयोगी योजनाओं का फेसबुक लाईव करें : सिविल सर्जन को निर्देश दिया गया कि टेली कंसलटेंसी सेवाओं को उपलब्ध कराने में जिन सामुदायिक व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की उपलब्धि 20 से कम अथवा संतोषजनक नहीं है। वैसे केंद्रों की जांच करते हुए कार्रवाई करेंगे। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रत्येक सामुदायिक/प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के लिए महिला बंध्याकरण हेतु 120 का लक्ष्य दिया गया है। निर्देश दिया गया कि कार्य योजना बनाकर लक्ष्य के अनुरूप चिकित्सकों के कार्य की निरंतर समीक्षा करने, जन उपयोगी योजनाओं का फेसबुक लाईव के माध्यम से प्रसारित करने का निर्देश दिया गया।

टीबी मुक्त पंचायत पहल कार्यक्रम का नियमित अनुश्रवण करें : टीबी मुक्त पंचायत की समीक्षा के क्रम में जिला गैर संचारी रोग पदाधिकारी बक्सर द्वारा बताया गया कि कुल 136 पंचायतों में से लगभग 55 पंचायत को टीबी मुक्त करने की कार्य योजना तैयार की गई है। निर्देशित किया गया कि नियमित रूप से अनुश्रवण करते हुए लक्ष्य की प्राप्ति करें। दूसरी ओर, कुपोषित बच्चों को पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) की समीक्षा के क्रम में पाया गया कि माह दिसंबर में 09 कुपोषित बच्चों को सुविधा प्रदान की गई है, जिस पर जिलाधिकारी द्वारा खेद व्यक्त किया गया। जिला कार्यक्रम समन्वयक द्वारा बताया गया कि प्रगति लाने हेतु आरबीएसके की टीम का गठन किया गया है। निर्देश दिया गया कि आंगनबाड़ी केंद्रों, विद्यालयों एवं अन्य संस्थाओं में भ्रमण करते हुए निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध प्रगति लाना सुनिश्चित करेंगे।

प्रत्येक सप्ताह सभी मापदंडों पर बैठक करें

जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल ने सिविल सर्जन को निर्देश दिया गया कि अपने स्तर से सदर अस्पताल बक्सर एवं अनुमंडलीय अस्पताल डुमरांव के चिकित्सकों के साथ बैठक करना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही, उन्होंने सिविल सर्जन को प्रत्येक सप्ताह सभी मापदंडों पर बैठक करते हुए बैठक से संबंधित कार्यवाही उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे। सदर अस्पताल बक्सर एवं अनुमंडलीय अस्पताल डुमरांव में बायो मेडिकल वेस्ट, अन्य वेस्ट संग्रहण हेतु कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद बक्सर एवं डुमरांव से समन्वय स्थापित करते हुए कार्रवाई करेंगे। इसके अलावा सिविल सर्जन एनक्वास, लक्ष्य व कायाकल्प सर्टिफिकेशन प्राप्त करने हेतु कार्य योजना बनाते हुए सभी अवयवों में प्रगति प्राप्त करेंगे।

कई चिकित्सक द्वारा नहीं किया जा रहा है रोस्टर का पालन

चिकित्सक रोस्टर की समीक्षा के क्रम में पाया गया कि स्वास्थ्य केंद्रों के कई चिकित्सक द्वारा रोस्टर का पालन नहीं किया जा रहा है। सिविल सर्जन बक्सर को अपने स्तर से रोस्टर की समीक्षा करेंगे एवं निर्बाध ओपीडी संचालन के लिए पर्याप्त संख्या में चिकित्सक की प्रतिनियुक्ति करेंगे। साथ ही, सदर अस्पताल अंतर्गत स्पेशल न्यू बोर्न केयर यूनिट (एसएनसीयू) की समीक्षा में पाया गया एसएनसीयू में 71 मामलों में से 85 प्रतिशत मामले में शिशु मरीजों को डिस्चार्ज किया गया है। वहीं, जिलाधिकारी ने 15 प्रतिशत रेफरल एवं मृत्यु दर में सुधार की कारवाई करते हुए शून्य करने का निर्देश दिया गया।

सामाजिक संस्थान ने किया जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरण

केसठ। पछुआ हवा के साथ लगातार ठंड में हो रहे इजाफा को देखते हुए क्षेत्र में सामाजिक कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाने वाली समाजिक संस्थान तुलसी अतुल्य सेवा संस्थान की ओर से गुरुवार को मां भवानी मंदिर परिसर में सैकड़ों असहाय निर्धन गरीबों के बीच कंबल वितरण किया गया। कम्बल वितरण कार्य संस्थान के सदस्यों के हाथों से किया गया।

संस्थान के संस्थापक कुंवर भीम सिंह ने बताया कि हमारी संस्थान के सभी सदस्यों के सहयोग से सामाजिक कार्यों को करते है। हम सब इस समाज से बहुत कुछ लेते है और हमारा फर्ज है कि हमे जितना मिला है उसका कुछ अंश इस समाज के जरूरतमंदों को जरूर लौटाए। ताकि गरीब आशाहायो को यह अहसास हो की समाज से मानवता अभी खत्म नहीं हुआ है। वही कंबल वितरण की शुभारंभ मुख्य अतिथि बीडीओ मिथिलेश बिहारी वर्मा के द्वारा किया गया। मौके पर संस्था के सचिव ब्यासमुनी सिंह, सनी कुमार, भीम सिंह, अशोक कुमार, कृष्ण कुमार उर्फ नकुल सहित अन्य उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री समग्र शहरी विकास योजना के तहत डुमरांव नप क्षेत्र के लिये ली गई आठ योजनाएं

- जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य समिति के अधिकारियों के साथ की बैठक

केटी न्यूज/डुमरांव

मुख्यमंत्री समग्र विकास योजना के कार्यान्वयन के लिये आवंटित राशि को डीएम को समर्पित किया गया है। इस राशि से नगर परिषद डुमरांव के कुल आठ योजनाओं पर कार्य होगा। वैसे कार्य होंगे जिसका लोगों को वर्षों से इंतजार था। इसमें नगर सहित विस्तारित क्षेत्र की योजना भी ली गई है। मिली जानकारी के अनुसार जिले विभिन्न नगर परिषद नगर पंचायत के लिये भी राशि आवंटित हुई है।

नगर परिषद के आठ योजनाओं में जो कार्य होंगे, उसमें नया भोजपुर एनएच-922 से महावीर मंदिर तक पेवर ब्लॉक के साथ पीसीसी निर्माण कार्य पर कुल 9351492 रुपए खर्च होंगे। उसी तरह से लोहा यादव के घर से शिवमंदिर तक पीसीसी व पेवर ब्लॉक का कार्य किया जाएगा, जिसकी प्राक्लित राशि 6247730 रुपये है। फिर सिमरी मेन रोड से गजरावां तक पीसीसी रोड के साथ पेवर ब्लॉक से काम होगा, जिस पर कुल 6402359 रुपये खर्च होंगे। डुमरांव के पश्चिमी गुमटी से नया थाना तक पीसीसी रोड के साथ आरसीसी ड्रेन के साथ कवर बनेगा, जिसकी प्राक्कलन राशि 20494966 है। उसी तरह से नया भोजपुर चौक एनएचए-122 तक पीसीसी रोड के साथ आईसीसी ड्रेन बनेगा। जिसकी लागत 13218213 रुपए आएगी।

वहीं पीसीसी रोड और आरसीसी ड्रेन भोजपुर राजवाहा नहर से प्रेमसागर राय के घर तक निर्माण होगा, जो वार्ड नंबर 16 का अंग है। पूर्वी रेलवे गुमटी से बड़ाबाग तक पीसीसी रोड, आरसीसी ड्रेन के साथ पेवर ब्लॉक से रोड व नाली का नर्माण कराया जाएगा। उसी तरह से जर्जर हो चुके शहर के सफाखाना रोड का भी भाग्य बदलने वाला है। इस रोड को स्टेशन रोड से सफाखाना रोड होते हुए नहर पुल तक पेवर ब्लॉक और पीसीसी रोड का निर्माण 13959344 रुपए खर्च होंगे।

होल्डिंग टैक्स को लेकर फूटा लोगों का गुस्सा, पुराना भोजपुर में किया प्रदर्शन

केटी न्यूज/डुमरांव

होल्डिंग टैक्स को लेकर विरोध शुरू हो गया है, गुरूवार को नगर परिषद के विस्तारित क्षेत्र पुराना भोजपुर में लोगों ने एकत्रित होकर इसका जमकर विरोध किया।

विरोध प्रदर्शन कर रहे लोगों ने होल्डिंग टैक्स के नियमों को मनमाना बताकर नप को गरीब जनता पर आर्थिक बोझ लादने की बात कर रहे हैं। पुराना भोजपुर के लोगों का कहना है कि होल्डिंग टैक्स वसूलने वाली कंपनी को निर्धारित दर पर टैक्स देना लोगों के बलबूते के बाहर है। वहीं लोगों ने यह भी बताया कि 2023 में नप में चुनाव हुआ, इसी साल बोर्ड का गठन भी हुआ, सिर्फ सफाई को छोड़कर बाकी विकास की योजनाएं 2023 के बाद से ही विस्तारित क्षेत्र को मिलनी शुरू हुई तो हम 2021 से होल्डिंग टैक्स आखिर क्यों दे? बता दें कि गुरुवार को नगर परिषद के कर्मियों ने लोगों के बीच होल्डिंग टैक्स को लेकर जागरूकता शिविर का आयोजन किया था, लेकिन स्थानीय लोगों ने इसका विरोध करना शुरू कर दिया।

बड़ी संगत मठिया में कथा के दौरान कथावाचिका दीदी सुदीक्षा कृष्णा जी ने कहा...

श्रीमद्भागवत कथा सुनने मात्र से मिलता है मोक्ष

- कथावाचिका ने भागवत की विभिन्न महिमा का किया वर्णन

केटी न्यूज/डुमरांव

इस कलयुग में श्रीमद् भागवत कथा के श्रवण से मोक्ष की प्राप्त होती है। भागवत कथा के सुनने और सुनाने मात्र से व्यक्ति भवसागर से पार हो जाता है। श्रीमद् भागवत कथा के श्रवण से ही गोकर्ण के भाई धुंधकारी को प्रेत योनी से मुक्ति मिली थी। पितृ व प्रेतों की मुक्ति का भागवत ही सशक्त माध्यम है। प्राणी मात्र के प्रति प्रेम, करुणा, दया व मैत्री भाव रखने से परमात्मा शीघ्र प्रसन्न होते हैं। परमात्मा को प्रसन्न करने का सहज उपाय भागवत में बताया गया है। उक्त बातें शहर के शक्ति द्वार के समीप बड़ी संगत उदासीन मठिया में गुरुवार को कथावाचिका दीदी सुदीक्षा कृष्णा जी ने कही।

उन्होंने कहा कि भगवान की लीला अपरंपार है। वे अपनी लीलाओं के माध्यम से मनुष्य व देवताओं के धमार्नुसार आचरण करने के लिए प्रेरित करते हैं। भागवत कथा में जीवन का सार तत्व मौजूद है आवश्यकता निर्मल मन और स्थिर चित्त के साथ कथा श्रवण करने की है। भागवत श्रवण से मनुष्य को परमानंद की प्राप्ति होती है। भागवत श्रवण प्रेतयोनि से मुक्ति मिलती है। उन्होंने कहा कि भागवत भाव प्रधान और भक्ति प्रधान ग्रंथ है। भगवान पदार्थ से परे है, प्रेम के अधीन है। प्रभु को मात्र प्रेम ही चाहिए। अगर भगवान की कृपा दृष्टि चाहते हैं तो उसको सच्चाई की राह पर चलना चाहिए। भगवान का दूसरा नाम ही सत्य है। सत्यनिष्ठ प्रेम के पुजारी भक्त भगवान के अति प्रिय होते हैं। कलयुग में कथा का आश्रय ही सच्चा सुख प्रदान करता है। इस आयोजन से शहर में भक्तिरस की अविरल धारा प्रवाहित हो रही है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु हर दिन कथामृत का पान करने पहुंच रहे है।

मौके पर आयोजन समिति के अध्यक्ष विकास ठाकुर, बब्लू जायसवाल, अरविंद श्रीवास्तव, विनोद केशरी, कन्हैया तिवारी, सचिन कुमार, मुन्ना जी, बिहारी यादव, मनीष मिश्रा, राजेश यादव, मनीष यादव, अमित मिश्रा, देवेंद्र सिंह, राजेंद्र केशरी, डब्लू मिश्रा, सोनू ठाकुर, सुड्डू प्रसाद, मो. एकराम, रामजी प्रसाद, सुनील मिश्रा सहित अन्य उपस्थित थे।

आदिम जनजाति बिरहोर के मौत मामले में अब एसटी-एससी आयोग में मामला दर्ज,

रांची, एजेंसी। हज़ारीबाग़ जिले के केरेडारी प्रखंड में भारत सरकार की महारत्न कंपनी एनटीपीसी की चट्टी बरियातू कोल परियोजना में खनन के दुष्प्रभाव से आदिम जनजाति समुदाय के किरणी बिरहोर और बहादुर बिरहोर की मौत के मामले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग को जवाब नहीं मिला है। हज़ारीबाग़ जिला प्रशासन ने अभी तक जवाब नहीं भेजा है। उधर राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग ने मामला दर्ज कर लिया है।

एक्टिविस्ट मंटु सोनी की शिकायत एवं आपत्तियों के बाद मामला दर्ज : एक्टिविस्ट मंटु सोनी की शिकायत एवं आपत्तियों के बाद मामला दर्ज किया गया है। इसकी जानकारी आयोग ने शिकायत कर्ता को दी है। इसके पूर्व आयोग ने हज़ारीबाग़ डीसी-एसपी से जवाब मांगा था। जवाब मिलने पर शिकायत कर्ता से आयोग ने आपत्ति दर्ज करने को कहा था। इसके बाद आयोग को पूरी जानकारी देते हुए षड्यंत्र की जानकारी दी गयी थी।

हजारीबाग डीसी-एसपी के जवाब से आयोग असंतुष्ट : एनटीपीसी के चट्टी बरियातू कोल खनन परियोजना के खनन स्थल के समीप आदिम जनजाति समुदाय के बिरहोर टोला निवासी नाबालिग किरणी बिरहोर और बहादुर उर्फ दुर्गा बिरहोर की मौत के मामले में मंटु सोनी की शिकायत पर राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग ने हज़ारीबाग़ डीसी-एसपी से जवाब मांगा था। डीसी-एसपी द्वारा आयोग को भेजे गये जवाब पर शिकायत कर्ता ने प्रश्न खड़ा किया। कहा कि खनन से पूर्व वन अधिकार अधिनियम के तहत बिरहोर परिवारों को उनके लिए उपयुक्त जगह पर क्यों नही बसाया गया फॉरेस्ट क्लियरेंस में वनाधिकार अधिनियम के अनुपालन की गलत रिपोर्ट क्यों दी गयी

खनन से पूर्व बिरहोर परिवारों ने उन्हें बसाने का आवेदन डीसी को दिया : खनन से पूर्व बिरहोर परिवारों ने बसाने का आवेदन डीसी को दिया। उसे क्यों इग्नोर किया गया सदर अनुमंडल पदाधिकारी की अध्यक्षता में गठित पांच सदस्यीय जांच दल की रिपोर्ट पर कार्रवाई क्यों नही हुई।

उनकी मौत पर खनन एजेंसियों द्वारा किस आधार पर 40 हजार मुआवजा दिया गया दो मौत होने पर शवों का पोस्टमार्टम क्यों नही कराया गया इस पूरे प्रकरण के पीछे की कहानी आयोग को बतायी गयी कि कोयला मंत्रालय द्वारा समय और लक्ष्य के मुताबिक चट्टी बरियातू कोयला परियोजना से उत्पादन,खनन और परिवहन में विलंब के लिए बैंक गारंटी का तीस प्रतिशत जब्त कर लिया गया था। इसलिए जिला प्रशासन से मिलीभगत कर प्रयोक्ता एजेंसी द्वारा आनन-फानन में आदिम जनजाति समुदाय पर आने वाले खतरे को दरकिनार कर खनन कार्य चालू किया गया था।

जेएसएससी सीजीएल परिणाम के लिए अब 26 मार्च तक करना होगा इंतजार

रांची, एजेंसी। जेएसएससी सीजीएल पेपर लीक और परीक्षा परिणाम जारी करने के मामले पर आज झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। सरकार के वकील की ओर से 4 हफ्ते की मोहलत मांगी गई, और चीफ जस्टिस ने अगली सुनवाई की तारीख 26 मार्च निर्धारित की। सरकार की ओर से झारखंड के महाधिवक्ता राजीव रंजन ने कोर्ट में सरकार का पक्ष रखते हुए कहा कि सीआईडी फिलहाल शिकायतों की जांच कर रही है और जांच की रिपोर्ट सौंपने के लिए 4 हफ्ते का समय मांगा।

परीक्षार्थियों और अन्य शिकायतकर्ताओं द्वारा दिए गए प्रमाणों को सीआईडी की टीम ने जांच के लिए फॉरेंसिक साइंस लैब में भेजा है। जांच रिपोर्ट आने में अभी समय लगेगा। अब इस मामले पर अगली सुनवाई 26 मार्च को होगी, और उसके बाद ही परीक्षा परिणामों के बारे में कोई अपडेट या निर्णय लिया जाएगा।

जेएसएससी सीजीएल पेपर लीक मामले को लेकर सितंबर से ही विवाद जारी है। अभ्यर्थी लंबे समय से परिणाम के इंतजार में हैं लेकिन हर बार कोर्ट में सुनवाई की नई तारीखें आती जा रही हैं। हालांकि जेएसएससी द्वारा फाइनल आंसर की जारी किया जा चुका है और उन्होंने चयनित उम्मीद्वारों की एक सूची भी डॉक्युमेंट वेरिफिकेशन के लिए जारी की थी। 16 से 20 दिसंबर तक रांची के नामकुम स्थित जेएसएससी ऑफिस में 16 से 20 दिसंबर तक डॉक्युमेंट वेरिफिकेशन हुआ जहां पर कुछ छात्रों ने विपक्षी दलों के नेताओं के नेतृत्व में जमकर हंगामा किया और डॉक्युमेंट वेरिफिकेशन को बाधित करने की कोशिश भी की, लेकिन प्रशासन ने वहां मामले को बिगड़ने नहीं दिया।

पारा शिक्षकों के मानदेय में 4 फीसदी की वृद्धि, अब मिलेंगे अधिकतम 25200 रुपए

रांची, एजेंसी। प्रदेश के करीब 60 हजार पारा शिक्षकों (सहायक अध्यापक) के मानदेय में चार फीसदी की बढ़ोत्तरी की गयी है। इन्हें अधिकतम 25,200 रुपए मिलेंगे। मानदेय में बढ़ोत्तरी एक जनवरी से प्रभावी है। मानदेय बढ़ोत्तरी के बाद किस कोटि के शिक्षक को कितना मानदेय मिलेगा, इसका निर्धारण कर जिलों को पत्र भेज दिया गया है। झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद ने इस संबंध में सभी जिलों को पत्र भेज गया है। शिक्षा परियोजना द्वारा मानदेय निर्धारण के आधार पर ही अब जिलों के द्वारा शिक्षकों के मानदेय की रिपोर्ट मुख्यालय को भेजा जायेगा। शिक्षकों के मानदेय में एक जनवरी 2025 से 900 से लेकर न्यूनतम 672 रुपए तक की मासिक वृद्धि की गयी है।

झारखंड में अब शिक्षक पात्रता परीक्षा (टेट) सफल कक्षा छह से आठ तक के शिक्षकों को 25200 रुपए मानदेय मिलेगा। शिक्षकों को न्यूनतम 10500 रुपए मानदेय मिलेगा। झारखंड सहायक अध्यापक सेवा शर्त नियमावली 2022 के अनुसार अप्रशिक्षित शिक्षकों के मानदेय में कोई बढ़ोत्तरी नहीं होगी। इस कारण अप्रशिक्षित शिक्षकों के मानदेय में कोई बढ़ोत्तरी नहीं हुई है। जिलों को भेजे गये पत्र में वैसे शिक्षक जो टेट सफल नहीं हैं, उनके आकलन परीक्षा पास करने पर मानदेय में 10 फीसदी की बढ़ोत्तरी के बाद मिलने वाली राशि की भी जानकारी दी गयी है।

सहायक अध्यापक सेवा शर्त नियमावली 2022 के अनुरूप शिक्षकों के मानदेय में जनवरी 2023 से बढ़ोत्तरी होनी थी। शिक्षकों के मानदेय में बढ़ोत्तरी प्रति वर्ष मूल मानदेय के आधार पर होगा या फिर बढ़ोत्तरी के बाद मिलने वाले मानदेय पर, इस संबंध में शिक्षा विभाग ने वित्त विभाग से मार्गदर्शन मांगा था। वित्त विभाग के मार्गदर्शन के आधार पर प्रति वर्ष मूल मानदेय के आधार पर बढ़ोत्तरी होगी। इस कारण शिक्षकों को पिछले वर्ष की मानदेय बढ़ोत्तरी की राशि नहीं मिली थी। अब जिन शिक्षकों के मानदेय बढ़ोत्तरी के अनुरूप राशि नहीं मिली थी, उन्हें जनवरी 2023 से दिसंबर 2024 तक के बकाया मानदेय का एरियर मिलेगा।

साइबर फ्रॉड, धोखाधड़ी व रोजगार के नाम पर ठगी सहित 222 मामले आये, 26 का हुआ निष्पादन

धनबाद, एजेंसी। डीजीपी के निर्देश पर धनबाद के छह केंद्रों में बुधवार को पुलिस जन शिकायत समाधान कार्यक्रम के तहत शिविर लगाये गये। कतरास में शिविर का उद्घाटन कोयलांचल के डीआइजी सुरेंद्र झा, धनबाद के लुबी सर्कुलर रोड में एसएसपी एचपी जनार्दनन ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस दौरान सिटी एसपी अजीत कुमार, ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी समेत सभी डीएसपी व एसडीपीओ मौजूद थे। जिले के छह स्थानों पर आयोजित शिविर में कुल 222 मामले आये। इसमें 26 मामलों का त्वरित निष्पादन किया गया।

डीआइजी सुरेंद्र कुमार झा ने कहा कि डीजीपी के निर्देश पर पुलिस को आम जनता से जोड़ने के उद्देश्य से राज्य के सभी जिलों में तीसरी बार शिविर लगाये गये। अभियान के तहत इसमें लोगों की शिकायतों का निष्पादन किया जा रहा है। शिविरों में शिकायतों के निष्पादन के लिए पुलिस पदाधिकारी के साथ बीडीओ, सीओ, बिजली विभाग, जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डीएलएसए), पारा लीगल वॉलेंटियर व निगम के अधिकारी मौजूद थे। पीड़ितों को जल्द न्याय दिलाने का प्रयास -एसएसपी एसएसपी हृदीप पी जनार्दनन ने कहा कि शिविर के माध्यम से पीड़ितों को जल्द न्याय दिलाने की प्रक्रिया में तेजी लाने का प्रयास किया जा रहा है।

शिविर में ये मामलों के निष्पादन के लिए संबंधित विभाग को प्रेषित किया गया है। पुलिस से जुड़ी जिन शिकायतों का तत्काल निष्पादन नहीं हुआ, वैसे मामलों के निस्तारण के लिए एक समय सीमा निर्धारित करते हुए शिकायतकर्ता को सूचित किया जायेगा। शिकायतों के निवारण के लिए जिला स्तरीय विशेष सेल का गठन किया गया है। शिविरों में कहां-कितने मामले आये बाघमारा अनुमंडल के थानों के लिए कतरास स्थित राजस्थानी धर्मशाला स्थित शिविर में कुल 55 आवेदन आये। इसमें पुलिस विभाग से संबंधित 16 तथा अन्य 39 आवेदन प्राप्त हुए। सिंदरी अनुमंडल के लिए जोरापोखर स्थित टाटा कम्युनिटी सेंटर के शिविर में 22 आवेदन पहुंचे। पुलिस विभाग से संबंधित 11 व अन्य विभागों के 11 आवेदन शामिल है।

एलसी रोड कला भवन में शिविर में 51 आवेदन आये। इसमें पुलिस विभाग से 17 व अन्य 34 आवेदन। निरसा पॉलिटेक्निक में 27 आवेदन प्राप्त हुए। पुलिस विभाग से 15 एवं अन्य विभाग से संबंधित 12 आवेदन आये। हरदेव धर्मशाला गोविंदपुर में आयोजित शिविर में 56 आवेदन प्राप्त हुए। इसमें पुलिस विभाग से 16 एवं अन्य विभाग से जुड़े 40 आवेदन शामिल है। टुंडी स्थित मॉडल स्कूल पथुरिया में 11 आवेदन प्राप्त हुए। कला भवन के शिविर में सबसे ज्यादा जमीन संबंधी मामले आये कला भवन के शिविर में ज्यादातर जमीन संबंधी मामले आये। इसके अलावा धनबाद थाना क्षेत्र के रहने वाले आरपीएसएफ जवान से साइबर ठगी, बैंक मोड़ थाना क्षेत्र स्थित निजी कंपनी द्वारा छात्रों के साथ धोखाधड़ी, फर्जी कंपनी द्वारा बीसीसीएल के सेवानिवृत्त कर्मी से एफडी के नाम पर लाखों रुपये की ठगी करने, धनसार के बरमसिया की युवती से रोजगार दिलाने के नाम पर साढ़े छह लाख रुपये की ठगी के मामले आये। इसके अलावा बैंक मोड़ थाना अंतर्गत ऊपर मोहल्ला निवासी शबीना खातून ने दूसरी बार जन शिकायत समाधान शिविर में अपने पति के खिलाफ दर्ज शिकायत पर अबतक कार्रवाई नहीं होने का आवेदन लेकर पहुंची थीं।

देवघर में जन शिकायत समाधान कार्यक्रम, आईजी ने ने दिया समस्याओं के जल्द समाधान के निर्देश

देवघर, एजेंसी। देवघर प्रखंड के मसनजोरा में बुधवार को जिला पुलिस की ओर से जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन दुमका प्रक्षेत्र के आईजी क्रांति कुमार गढ़देशी ने किया। उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि अगर थानों में आपकी समस्याओं का समाधान नहीं होता है, तो आप वरीय अधिकारियों के पास जाएं। समारोह में पुलिस उप महानिरीक्षक सह देवघर एसपह अजीत पीटर डुंगडुंग, एसडीएम रवि कुमार सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम में जसीडीह, देवीपुर, मधुपुर, करौं, मारगोमुंडा, पथरोल, कुंडा, सरावां, रिखिया थाना क्षेत्र के लोग पहुंचे थे। 18 लोगों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन दिये। इसमें जमीन विवाद, पेंशन, घरेलू विवाद, सड़क दुघर्टना से संबंधित मामले थे।

देवघर एसपी शिकायतों के समाधान के लिए संबंधित थाना प्रभारियों को तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दिया। कहा कि पहले कार्यक्रम में 41 शिकायतें प्राप्त हुई थीं, जनमें 40 का निष्पादन किया गया है। जबकि दूसरे कार्यक्रम में 39 शिकायतें मिली थीं, जिनमें 38 का निष्पादन कर लिया गया है।

बचे हुए एक शिकायत का निष्पादन करने की प्रकिया जारी है। देवघर एसडीएम ने जमीन व पेंशन से संबंधित शिकायतों को जल्द समाधान का आश्वासन दिया।इस मौके पर रेड क्रॉस सोसाइटी के चेयरमैन जीतेश राजपाल, अंचलाधिकारी अनिल कुमार, देवघर एसडीपीओ अशोक कुमार सिंह, मधुपुर एसडीपीओ सत्येंद्र प्रसाद, ट्रैफिक डीएसपी लक्ष्मण प्रसाद, हेड क्वार्टर डीएसपी वेंकटेश प्रसाद, जसीडीह थाना प्रभारी दीपक कुमार, सार्जेंट मेजर, मुखिया अशोक ठाकुर, पूर्व मुखिया बबलू पासवान, रामसेवक गुंजन सहित छह थाने के थाना प्रभारी मौजूद थे।

गांडेय बजार में गोलगप्पे को लेकर मचा बवाल, आधा दर्जन लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया स्थिति तनावपूर्ण

गांडेय , एजेंसी। गुपचुप व चाट खाने को लेकर बुधवार की देर शाम गांडेय बाजार के ठेला चौक पर ठेला संचालक राजकुमार राम व टोपैया के दो युवकों के बीच विवाद हो गया।

दोनों युवकों ने ठेला वाले की पिटाई कर दी। बीच-बचाव करने पहुंचे रुद्रा संकेत कुमार व विकास पाठक नामक युवक की दोनों मनबढ़ युवकों ने पिटाई कर दी।

दोनों युवक दूसरे समुदाय के हैं। देखते ही देखते दोनों ओर से दर्जनों लोग जमा हो गए जिसके बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गई।

इधर, दोषियों पर कार्रवाई को लेकर ठेला वाले के समर्थन में स्थानीय लोग आक्रोशित हो उठे तथा गिरिडीह-जामताड़ा मुख्य सड़क पर धरने पर बैठ गए।

इसकी सूचना के बाद सीओ मोहम्मद हुसैन, बीडीओ निशात अंजुम, इंस्पेक्टर मोहम्मद कमाल खां, गांडेय थाना प्रभारी आनंद प्रसाद सिंह दलबल के साथ पहुंचे और लोगों को समझा बुझाकर मामला शांत कराया। देर रात दोनों पक्ष से आधा दर्जन लोगों को पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही थी।

स्थानीय लोगों ने बताया कि गांडेय बाजार के अन्नपूर्णा मंदिर परिसर में हटिया लगा हुआ था। गांडेय बाजार में राजकुमार ने हर दिन की तरह ठेला लगाया था। शाम तकरीबन सात बजे टोपैया के दो युवक ठेला वाले के पास चाट खाने पहुंचे थे।

इस दौरान राजकुमार ने समीप खड़ी महिला ग्राहक को गुपचुप खिलाने के लिए दोनों युवकों को बगल से हटने के लिए कहा। इस बात पर दोनों ने उसकी पिटाई कर दी। दोनों युवकों ने अपने गांव से दर्जनों लड़कों को भी बुला लिया।

इससे माहौल तनावपूर्ण हो गया। हालांकि, मौके पर पहुंची पुलिस ने माइकिंग कर हुड़दंगियों को शांत रहने की चेतावनी दी।

मारपीट की यह घटना धीरे-धीरे सांप्रदायिक रूप लेने लगी। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन ने मोर्चा संभाला। इसकी सूचना पर सदर एसडीपीओ जीतवाहन उरांव, बेंगाबाद इंस्पेक्टर ममता कुमारी, अहिल्यापुर थाना प्रभारी गुलाम गौस हुससामी समेत ताराटांड़ व जिला से अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया गया।

गांडेय थाना में प्रशासन ने बुद्धिजीवियों व दोनों पक्षों के साथ बैठक हुई। इसमें पुलिस व प्रशासनिक पदाधिकारी के अलावा प्रमुख राजकुमार पाठक, बीस सूत्री अध्यक्ष ध्रुवदेव पंडित, गांडेय मुखिया अमृतलाल पाठक, श्याम कुमार पाठक, मो अकबर अंसारी, मो शाकिर, हाजी उस्मान, अर्जुन बैठा, इन्द्रदेव पाठक शामिल हुए।

सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि इस मामले को लेकर दोनों पक्ष आवेदन देंगे। इसके आधार पर पुलिस मामला दर्ज कर दोषी पर कार्रवाई करेगी।

सर्दी में टूटने लगा गर्मी का रिकॉर्ड, जनवरी में ही चाईबासा का पारा 33.8 डिग्री

रांची, एजेंसी। सर्दी के मौसम में झारखंड में गर्मी का रिकॉर्ड टूटने लगा है। कई शहरों का अधिकतम तापमान अभी से 30 डिग्री के पार हो गया है। चाईबासा का उच्चतम पारा 33।8 डिग्री सेंटीग्रेड पहुंच गया है। जमशेदपुर, डाल्टेनगंज, खूंटी का भी तापमान 30 डिग्री से अधिक हो गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के रांची स्थित मौसम केंद्र ने यह जानकारी दी है। आईएमडी ने कहा है कि 20 जनवरी 2024 को रांची का अधिकतम तापमान 17।4 डिग्री सेंटीग्रेड रिकॉर्ड किया गया था, जो इस साल 27 डिग्री रहा। बात जमशेदपुर के अधिकतम तापमान की करें, तो यह पिछले वर्ष यानी 20 जनवरी 2024 को 21 डिग्री सेल्सियस था, जो 20 जनवरी 2025 को 30।5 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग ने कहा है कि इन दिनों जनवरी के महीने में ठंड की बजाय गर्मी का अहसास हो रहा है।

मौसम केंद्र की ओर से गुरुवार (23 जनवरी) को जारी वेदर रिपोर्ट के मुताबिक, जमशेदपुर का उच्चतम तापमान 30।9 डिग्री हो गया है, जो सामान्य से 3।5 डिग्री अधिक है। डाल्टेनगंज का अधिकतम तापमान 30।7 डिग्री सेल्सियस है, जो सामान्य से 4।9 डिग्री अधिक है। चाईबासा का उच्चतम तापमान 1 डिग्री बढ़कर 33।8 डिग्री सेल्सियस हो गया है, जो सामान्य से 7।9 डिग्री अधिक है।

राज्य के प्रमुख शहरों का न्यूनतम तापमान भी सामान्य से अधिक हो गया है। राजधानी रांची समेत अधिकतर जिलों का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से ऊपर चला गया है। रांची के न्यूनमत तापमान में 0।1 डिग्री की मामूली गिरावट आई है, लेकिन यह 12 डिग्री हो गया है, जो सामान्य से 2।2 डिग्री अधिक है।

जमशेदपुर के न्यूनतम तापमान में 1।1 डिग्री की वृद्धि हुई है और यह 12।8 डिग्री सेल्सियस हो गया है। यहां का न्यूनतम तापमान सामान्य से 1।7 डिग्री अधिक है। डाल्टेनगंज का न्यूनतम पारा 0।8 डिग्री सेंटीग्रेड बढ़कर 11।8 डिग्री सेंटीग्रेड हो गया, जो सामान्य से 2।8 डिग्री अधिक है। चाईबासा का न्यूनतम पारा 1।4 डिग्री बढ़कर 11।8 डिग्री रहा और यह सामान्य से 0।2 डिग्री सेल्सियस अधिक है।

रांची, जमशेदपुर, डाल्टेनगंज और चाईबासा के उच्चतम तापमान में वृद्धि दर्ज की गई है। रांची का तापमान 2।2 डिग्री बढ़कर 28।8 डिग्री हो गया है, जो सामान्य से 4।6 डिग्री अधिक है। जमशेदपुर का पारा 0।4 डिग्री बढ़कर 30।9 डिग्री हो गया, जो सामान्य से 3।5 डिग्री अधिक है। डाल्टेनगंज में भी तापमान 0।9 डिग्री बढ़ गया है। यहां का अधिकतम तापमान 30।7 डिग्री रहा, जो सामान्य से 4।9 डिग्री अधिक है।

झारखंड में सबसे कम न्यनतम तापमान गुमला जिले में रिकॉर्ड किया गया। यहां का न्यूनतम पारा 7।8 डिग्री सेल्सियस रहा। चाईबासा का अधिकतम तापमान समूचे झारखंड में सबसे अधिक 33।8 डिग्री सेंटीग्रेड रहा। राजधानी रांची के हिनू में अधिकतम तापमान 28।8 डिग्री और कांके में 25।3 डिग्री दर्ज किया गया। हिनू का न्यूनतम तापमान आज 12 डिग्री और कांके का 10।3 डिग्री सेंटीग्रेड रहा।

संक्षिप्त समाचार

अवैध खनन पर एसडीओ ने की कार्रवाई, चार ट्रैक्टर जब्त

पलामू, एजेंसी। पलामू जिले के सतबरवा थाना क्षेत्र के पोची स्थित औरंगा नदी से अवैध रूप से बालू का उठाव करते चार ट्रैक्टर जब्त किये गये है। सदर एसडीओ सुलोचना मीणा ने गुप्त सूचना पर मेदिनीनगर से स्पेशल फोर्स ले जाकर सभी ट्रैक्टरों को पकड़ा। सतबरवा थाना में सारे ट्रैक्टरों को लगाया गया है। इस संबंध में खनन विभाग को कार्रवाई के लिए जानकारी दी गयी है। जब्त टैक्टरों में दो ट्रैक्टर डालटनगंज विधायक के सतबरवा प्रखंड प्रतिनिधि राणा प्रताप कुशवाहा का है, जबकि एक ट्रैक्टर कांग्रेस कार्यकर्ता दीपक चन्द्रवंशी एवं एक वीरेन्द्र कुशवाहा का बताया गया है। कार्रवाई के क्रम में विधायक प्रतिनिधि के जरिये एसडीओ की बात विधायक से कराने का प्रयास करने पर अनुमंडल पदाधिकारी काफी नाराज हुई। सदर एसडीओ ने मंगलवार को बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि पोची स्थित औरंगा नदी से हर दिन बड़े पैमाने पर बालू का उठाव करके तस्करी की जाती है। इसी सूचना पर मेदिनीनगर से स्पेशल टीम ले जाकर मंगलवार सुबह करीब पांच बजे अचानक छापेमारी की गयी। एसडीओ जब पोची पहुंची तो उन्हें औरंगा नदी से चार ट्रैक्टर बालू लेकर आते दिखे। एसडीओ ने सभी ट्रैक्टरों को पकड़ा और थाने में लगा दिया। एसडीओ की इस कार्रवाई से बालू माफिया में हड़कंप मच गया है। इसके साथ ही विधायक प्रतिनिधि और कांग्रेस नेता की काली कमाई का भी खुलासा हुआ है।

महिला की हत्या मामले का खुलासा, पति गिरफ्तार

बोकारो, एजेंसी। बोकारो पुलिस ने महिला की हत्या की गुत्थी 48 घंटे के अंदर सुलझा लेने का दावा किया है। पुलिस ने महिला के पति को हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर मंगलवार को जेल भेज दिया। हत्या की गुत्थी सुलझाने के लिए रांची से एफएसएल और फिंगर एक्सपर्ट को बुलाना पड़ा। वारदात बालीडीह थाना क्षेत्र में 19 जनवरी को हुई थी। रेलवे कॉलोनी के खंडहरनुमा आवास के बाथरूम से महिला का शव बरामद किया गया था। महिला की गला घोटकर हत्या की गई थी। हत्यारा कोई और नहीं, बल्कि पति ही निकला। दरअसल, उक्त महिला और आरोपी तमिलनाडु की एक कंपनी में काम करते थे। इसी दौरान दोनों में प्यार हुआ और चार महीने पहले दोनों ने शादी कर ली। महिला बार-बार ससुराल जाने की जिद करती थी, इसी बात को लेकर आरोपी पति खफा रहता था। पुलिस के अनुसार, आरोपी अपनी पत्नी के साथ तमिलनाडु से अपने घर बोकारो आ रहा था। बोकारो रेलवे स्टेशन पर ट्रेन से उतरने के बाद उसने स्टेशन के पास ही रेलवे कॉलोनी के खंडहरनुमा मकान में लेजाकर पत्नी की हत्या कर दी और उसके कपड़े इधर-उधर फेंक दिया, जिससे यह लगे कि कोई घटना हुई है। इसके बाद वह अपने चाचा के पास चला गया। पत्नी का मोबाइल भी उसने अपने साथ रख लिया था। बोकारो एसपी ने कहा की पूरे मामले में हत्या की गुत्थी को सुलझा लिया गया है। महिला के आधार कार्ड सहित अन्य सामान बरामद कर लिया गया है।

जमीन विवाद में सदाकत पर हुआ था जानलेवा हमला, एक गिरफ्तार

लातेहार , एजेंसी। जिले के लातेहार थाना क्षेत्र में सोमवार को सदाकत अंसारी के ऊपर जानलेवा हमला हुआ था। एसपी कुमार गौरव के निर्देश पर पुलिस की टीम में कार्रवाई करते हुए इस घटना में शामिल एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए अभियुक्त का नाम सागर शर्मा है। उसके पास से पुलिस ने एक कार और हथियार जब्त किया है। वहीं उसकी निशानदेही पर अन्य हथियार और गोलियां बरामद की गयीं। जमीन विवाद को लेकर सागर ने अपने पिता रमेश शर्मा के साथ मिलकर सदाकत अंसारी के ऊपर जानलेवा हमला किया। दोनों ने मिलकर सदाकत पर छुरा और कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ वार किया और फिर फायरिंग भी की। इस काम में सागर की मां मूर्ती देवी ने भी साथ दिया था। इसको लेकर एसपी कुमार गौरव ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी दी। एसपी ने बताया की सोमवार को सूचना मिली कि करीब साढ़े नौ बजे डुरुआ गांव के घोड़ा करम में एक विवादित जमीन को लेकर विवाद हुआ था। इस घटना में सदाकत अंसारी बेहद जख्मी हो गया है। इसके बाद एसपी ने लातेहार एचडीपीओ के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया। पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए इस घटना में शामिल एक युवक की गिरफ्तार कर लिया। बाकी की तलाश में पुलिस छापेमारी कर रही है।

कन्यादान योजना के लंबित आवेदनों का जल्द निष्पादन करें: डीसी

धनबाद, एजेंसी। धनबाद की डीसी माधवी मिश्रा ने मंगलवार को अपने कार्यालय सभागार में जनता दरबार लगाया। उन्होंने शहरी व दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोगों की फरियाद सुनीं। निरसा के रांगामाटी से आई एक सेविका ने मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के लंबित आवेदनों का मुद्दा उठाया। कहा कि सीडीपीओ की लापरवाही से 11 आवेदन लंबित हैं। इस पर डीसी ने जिला समाज कल्याण पदाधिकारी को शीघ्र कार्रवाई का निर्देश दिया। वहीं राजगंज बाजार की एक महिला ने अपने मकान के बगल में स्थित नए मकान से घुसते पानी की समस्या का मुद्दा उठाया। जनता दरबार में गोविंदपुर के लोगों यशलोक नगर में स्थित शराब दुकान को वहां से हटाने की मांग की। कहा कि शराब दुकान के पास मनचलों का जमावड़ा होने से स्थानीय लोगों व राहगीरों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। जनता दरबार में जमाबंदी, बंदोबस्ती रद्द करने, पेंशन, अवैध कब्जा, भूमि मापी प्रमाणपत्र न मिलने और भूमि अधिग्रहण से संबंधित कई मामले आए। डीसी ने कुछ का निष्पादन किया और बाकी आवेदनो को संबंधित अधिकारियों को अग्रसारित करते हुए जल्द निष्पादन करने का निर्देश दिया। जनता दरबार में सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा नियाज अहमद भी उपस्थित थे।

सुभाषितम्

बिना जोश के आज तक कोई भी महान कार्य नहीं हुआ।

- सुभाष चंद्र बोस

10 लाख तक की आय, कर से मुक्त?

केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण 1 फरवरी को संसद में बजट पेश करेंगी। बजट को लेकर आम लोगों में तरह-तरह की चचाएं हो रही हैं। कारपोरेट जगत में घबराहट फैली हुई है। माना जा रहा है, इस बार सरकार आयकर में राहत देकर मध्यमवर्गीय परिवारों को मलहम लगाने का काम करेगी। सरकार 10 लाख रुपए तक की आय को टैक्स फ्री करने पर विचार कर रही है। छूट के नये स्लेव बनाए जाने को लेकर विचार विमर्श चल रहा है। जिन लोगों की आय 10 लाख तक की होगी, उन्हें टैक्स से छूट मिलेगी। 10 से 20 लाख रुपए तक की आय वालों के लिए टैक्स की दर कम करने पर विचार चल रहा है। वर्तमान में 7.75 लाख रुपए की आय वालों को टैक्स से छूट है। अब इसे बढ़ाकर 10 लाख रुपए करने का प्रावधान इस बजट में आ सकता है। केंद्र सरकार इस बार रेलवे का बजट 3 लाख करोड़ तक ले जा सकती है। इस समय रेलवे पर बड़ा दबाव है। गरीब एवं मध्यम वर्ग के लिए नई नान एसी ट्रेन चलाने तथा रेलवे में कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने को लेकर इस बार बजट में वृद्धि होगी। पिछले बजट में रेलवे को 2.65 लाख करोड़ का प्रावधान बजट में किया गया था। इस बार इसे बढ़ाकर 3 लाख करोड़ से ऊपर ले जाने की कोशिश हो रही है। वित्त मंत्रालय ने रेलवे को 2.52 लाख करोड़ का आवंटन होने के बाद भी रेलवे द्वारा मात्र 76 फीसदी राशि खर्च की गई है। इसको लेकर रेलवे मंत्रालय और वित्त मंत्रालय के अधिकारियों में लगातार बैठकें हो रही हैं। वर्ष 2024-25 में सरकार ने बजट में जो प्रावधान किए थे, उससे कम राशि वित्त मंत्रालय ने विभागों को आवंटित की है। वह राशि भी विभाग खर्च नहीं कर पाए हैं। इसको लेकर तरह-तरह की चचाएं बजट को लेकर हो रहे हैं। मोदी सरकार के 10 सालों में देसी और विदेशी कर्ज 7 लाख मिलियन से अधिक पर पहुंच गया है। मनमोहन सिंह सरकार की समय से यह चार गुना ज्यादा है। भारत के ऊपर इतने बड़े पैमाने पर कभी कर्ज नहीं रहा। केंद्र सरकार के बजट की लगभग 30 फीसदी राशि ब्याज और किस्तों के रूप में खर्च हो रही है। आर्थिक मंदी और शेयर बाजार की लगातार गिरावट के कारण जीएसटी और अन्य माध्यम से सरकार की आय में गिरावट आने की संभावना जताई जा रही है। ऐसी स्थिति में वर्ष 2025-26 का केंद्रीय बजट वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और मोदी सरकार के लिए बड़ी चुनौती है। दिल्ली विधानसभा चुनाव का मतदान 5 फरवरी को है। इसके बाद बिहार का चुनाव इस साल के आखिरी में है। इसके बाद 2 साल तक कोई बड़े चुनाव नहीं हैं। इस स्थिति को देखते हुए यह भी कहा जा रहा है कि सरकार की आर्थिक स्थिति जिस हालत में है उसको देखते हुए बजट से ज्यादा आशा करना व्यर्थ है। सरकार को अपने वित्तीय संतुलन को बनाए रखने के लिए जीएसटी एवं अन्य टैक्स को बढ़ाने का दबाव है। जिस तरह से आर्थिक विकास दर घट रही है, घरेलू उपभोक्ता मांग लगातार कम होती जा रही है। ऐसी स्थिति में सरकार दो पाटों के बीच में फंस गई है। घरेलू मांग बढ़ाने के लिए सरकार को बाजार में ज्यादा से ज्यादा पैसा उपलब्ध कराना होगा। आय की तुलना में खर्च बढ़ने से सरकारी खजाने पर दबाव देखने को मिल रहा है। खर्च की तुलना में राजस्व में कमी होने के कारण सरकार को लगातार कर्ज उठाना पड़ रहा है। केंद्र सरकार का कर्ज भी उच्चतम सीमा पर पहुंच गया है। विश्व बैंक से लगातार चेतावनी आ रही है। रिजर्व बैंक की स्थिति भी बहुत अच्छी नहीं है। बैंकों में नगदी की कमी बनी हुई है। बैंकों का डिपाजिट घट गया है। कर्ज की मांग बढ़ गई है, लेकिन बैंक इसे पूरा नहीं कर पा रही है। निम्न एवं मध्यम वर्ग को दिए कर्ज का एनपीए लगातार बढ़ रहा है। केंद्र सरकार का आयात-निर्यात घाटा लगातार बढ़ रहा है। इसका असर विदेशी मुद्रा पर पड़ रहा है। डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत घटती जा रही है। आयात के मुकाबले निर्यात बहुत कम हो रहा है, जिसके कारण केंद्र सरकार के लिए बजट का संतुलन बनाए रखना काफी चुनौती-पूर्ण है। वित्त मंत्रालय के पुराने अधिकारियों को हटाकर कारपोरेट जगत के कुछ नए अधिकारियों को वित्त मंत्रालय में बजट के लिए लाया गया है, जिसके कारण बजट को लेकर असमंजस बढ़ गया है। बाजार में जिस तरह से मांग घटती जा रही है, उसका असर सरकार के खजाने पर पड़ रहा है। ऐसी स्थिति में अब देखना यह है, कि सरकार किस तरह से बजट तैयार कर रही है। सरकार की प्राथमिकताएं क्या होंगी? बजट में सरकार बेरोजगारी और महंगाई से कैसे आम लोगों को निजात दिलाएगी? इसको लेकर अटकलों का बाजार गर्म है।

चिंतन-मनन

जो हो रहा है उसके जिम्मेदार हम स्वंय हैं

हम मनुष्यों की एक सामान्य सी आदत है कि दुःख की घड़ी में विचलित हो उठते हैं और परिस्थितियों का कसूरवार भगवान को मान लेते हैं। भगवान को कोसते रहते हैं कि हे भगवान हमने आपका क्या बिगाड़ा जो हमें यह दिन देखना पड़ रहा है। गीता में श्री कृष्ण ने कहा है कि जीव बार-बार अपने कर्मों के अनुसार अलग-अलग योनी और शरीर प्राप्त करता है। यह सिलसिला तब तक चलता है जब तक जीवात्मा परमात्मा से साक्षात्कार नहीं कर लेता। इसलिए जो कुछ भी संसार में होता है या व्यक्ति के साथ घटित होता है उसका जिम्मेदार जीव खुद होता है। संसार में कुछ भी अपने आप नहीं होता है। हमें जो कुछ भी प्राप्त होता है वह कर्मों का फल है। इश्वर तो कमल के फूल के समान है जो संसार में होते हुए भी संसार में लिप्त नहीं होता है। ईश्वर न तो किसी को दुःख देता है और न सुख। इस संदर्भ में एक कथा प्रस्तुत है? गौतमी नामक एक वृद्धा ब्राह्मणी थी। जिसका एक मात्र सहारा उसका पुत्र था। ब्राह्मणी अपने पुत्र से अत्यंत स्नेह करती थी। एक दिन एक सर्प ने ब्राह्मणी के पुत्र को डंस लिया। पुत्र की मृत्यु से ब्रह्मणी व्याकुल होकर विलाप करने लगी। पुत्र को डंसने वाले सांप के ऊपर उसे बहुत प्रोध आ रहा था। सर्प को सजा देने के लिए ब्राह्मणी ने एक सपेरे को बुलाया। सपेरे ने सांप को पकड़ कर ब्राह्मणी के सामने लाकर कहा कि इसी सांप ने तुम्हारे पुत्र को डंसा है, इसे मार दो। ब्राह्मणी ने संपरे से कहा कि इसे मारने से मेरा पुत्र जीवित नहीं होगा। सांप को तुम्ही ले जाओ और जो उचित समझो सो करो। संपेरा सांप को जंगल में ले आया।

रामानुजन के समीकरण अभी भी कठिन है

- संजय गोस्वामी

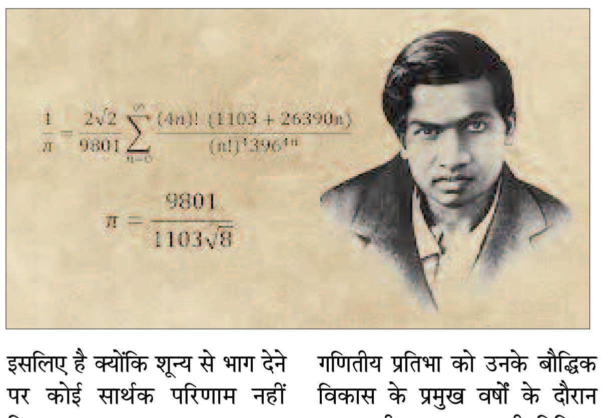

कोई भी रामानुजन की बिना जानकारी के बड़ा लेख लिख देते हैं लेकिन आखिर किया क्या? विज्ञान में वैज्ञानिक के जन्मदिन और पुरस्कार लेने या शिक्षा लेने से अधिक जरुरी है उनके योगदान के बारे में जानना जो उस फील्ड के एक्सपीरियंस पर्सन ही लिख सकते हैं श्रीनिवास रामानुजन एक प्रतिभाशाली गणितज्ञ थे, जिन्हें जॉर्ज हार्डी यूलर, गॉस और जैकोबी के समान मानते थे। बीमारी और दुखद शैक्षणिक घटनाओं से प्रभावित उनका छोटा जीवन गणित के इतिहास में अद्वितीय था। गणितीय खोजों को अभी भी उनकी व्यक्तिगत नोटबुक से प्राप्त किया जा रहा है। कागज एक बड़ी कठिनाई से मिलने वाली वस्तु थी, इसलिए उनकी नोटबुक गणितीय चित्रलिपि पर कलम और पेंसिल का अव्यवस्थित मिश्रण थी। निम्नलिखित हार्डी के संबंध में रामानुजन के जीवन, दीर्घवृत्त के साथ उनके कार्य और विभाजन फंक्शन के साथ उनके कार्य पर प्रकाश डालता है। जैसे आप 0/0 को को गणित में अपरिभाषित माना जाता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि शून्य से भाग देने पर कोई सार्थक परिणाम नहीं मिलता।

यह दरअसल टेंड्स टू जीरो है जो 0के अत्यंत करीब है जैसे0.000001 हो तो विभाज्य तो हो सकता है यही कैलकुलस में डिफ्रेंशियल कैलकुलस यानि कलन शास्त्र में लिमिट के फंक्शन को हल करने पर मिलता है जिसे सूक्ष्म से सूक्ष्म फंक्शन में तोड़ा जाता है रामानुजन का जीवनी रेखाचित्र और गॉडफ्रे हार्डी से उनका संबंध यदि श्रीनिवास रामानुजन से सीखने के लिए केवल एक चीज है, तो हार्डी (1940) और कैनिगेल (1991) दोनों इस बात से सहमत होंगे कि हार्डी ने तर्क दिया कि रामानुजन की गणितीय प्रतिभा को उनके बौद्धिक विकास के प्रमुख वर्षों के दौरान भारत की उस समय की निष्क्रिय शिक्षा प्रणाली द्वारा बुरी तरह से गलत तरीके से संभाला गया था। रामानुजन का जन्म 1887 में एक बहुत ही सामान्य भारतीय दुनिया के बीच हुआ था। उनका पालन-पोषण दक्षिण भारत में एक अपेक्षाकृत गरीब परिवार में हुआ था। निचले स्तर पर उनकी शिक्षा अधिकांशतः सामान्य थी, सिवाय गणित में उनके असामान्य विकास के। रामानुजन के 10 वर्ष के होने से पहले हार्डी (1940) कहते हैं, उन्होंने साइन और कोसाइन के लिए यूलर के प्रमेयों की फिर से खोज की और बाद में यह जानकर निराश हुए कि उन्हें पहले ही खोज लिया गया था।। 13 वर्ष की आयु तक उन्होंने त्रिकोणमिति की एक पुस्तक में पूरी तरह महारत हासिल कर ली थी, मद्रास विश्वविद्यालय की मैट्रिकुलेशन परीक्षा उत्तीर्ण की उसी समय जब वे कॉलेज में दाखिल हुए, रामानुजन की प्रतिभा एक पुस्तक से जागृत हुई जिसका नाम था, ए सिनॉप्सिस ऑफ एलीमेंट्री रिजल्ट्स इन प्योर एंड एप्लाइड मैथमेटिक्स। यह पुस्तक किसी भी तरह से गणित की उत्कृष्ट कृति नहीं थी। इसके बजाय यह कैम्ब्रिज में छात्रों को गणित के लिए ट्रिपोस परीक्षा को उत्तीर्ण करने में सहायता करने के लिए विकसित की गई पुस्तक थी। यह पुस्तक प्रमाणों में भड़ी थी। यह ऐसी जानकारी थी जो याद रखने और दोहराने के लिए गणित के कठिन प्रश्नों को हल करने के लिए थी और यही कारण था कि रामानुजन ने अपने किसी भी गणितीय समीकरण को साबित करने के लिए बहुत कम प्रयास में हल निकल सकता था। उस समय भारत में कोई भी ऐसा व्यक्ति नहीं था जो रामानुजन को गणित पढ़ा सके और यह एकमात्र पुस्तक थी जिसे वे अपने सीमित संसाधनों के साथ प्राप्त कर सकते थे। यह इस तथ्य से रेखांकित होता है कि 1912 में रामानुजन ने यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन के गणित के प्रोफेसर हार्डी को लिखा, जिन्होंने काफी उत्साहजनक तरीके से उत्तर दिया लेकिन दिखाया कि वे डायवर्जेंट श्रृंखला पर रामानुजन के परिणामों को समझने में विफल रहे हैं। हार्डी ने बाद में कहा कि, मैं कभी भी उनके बराबर के व्यक्ति से नहीं मिला, और उनकी तुलना केवल मैथमेटिक्स वैज्ञानिक यूलर से कर सकता हूँ। मैकट्यूटर हिस्ट्री ऑफ द के अनुसार दोनों ही, इस पुस्तक ने रामानुजन की गणितीय शक्तियों को उजागर किया, और यहाँ एक व्यक्ति ने अनजाने में गणित की खोज में अपना जीवन दे दिया। अपने कॉलेज के पाठ्यक्रमों में उन्होंने गणित का गहन अध्ययन किया। हालाँकि वे गणित के क्षेत्र से बाहर के पाठ्यक्रमों में भाग लेते थे, लेकिन वे इन पाठ्यक्रमों पर ध्यान नहीं देते थे। इसके बजाय वे पूरी तरह से गणित में तल्लीन रहते थे और इन गणितीय ध्यानों के दौरान अपने आस-पास के बारे में भूल जाते थे। इनमें से कुछ 20 घंटे तक चलते थे। परिणामस्वरूप वे गणितीय समीकरणों और परिभाषाओं में पेपर करने में विफल रहे, यह उल्लेख करना उचित होगा कि दीर्घवृत्त जो जोमेट्री में पढ़ा जाता है सभी इसे दुनिया में कई स्थानों पर स्वाभाविक और अप्राकृतिक रूप किसी आकर में होगा है। उन्होंने बताया कि स्थिर कक्षा में कोई भी वस्तु एक दीर्घवृत्ताकार पथ का अनुसरण करती है। वास्तुकारों ने दो फोकस के ध्वनिक मूल्य के कारण सदियों से दीर्घवृत्त के गुणों का उपयोग किया है। ये दो फोकस चिकित्सा समुदाय को रोगी को काटे बिना मानव शरीर के अंदर ऑपरेशन करने की अनुमति भी देते हैं। एक फोकस से फायर की गई ध्वनि शॉक तरंगें उछलती हैं और दूसरे फोकस पर केंद्रित होती हैं, जो गुर्दे की पथरी को तोड़ती हैं या रक्त वाहिकाओं को चलाती हैं। इसके अतिरिक्त, दीर्घवृत्त वायुगतिकी के अध्ययन में उपयोगी हैं। दीर्घवृत्त शंकु वर्गों के रूप में ज्ञात वक्रों के परिवार में एक विशिष्ट प्रकार का वक्र है। एक शंकु खंड को दो शंकुओं को रखने के रूप में सोचा जा सकता है ताकि उनके आधार उनके शीर्षों के समानांतर हों और फिर इन शंकुओं को एक विमान से काट दिया जाए।

एक्टर के हर एक्ट पर सवाल करती सियासत

- राकेश अचल

सैफ अली खान एक अभिनेता हैं इसलिए उनकी हर गतिविधि क्या अभिनय होती है ? ये सवाल हमने-आपने नहीं बल्कि महाराष्ट्र के सियासतदानों ने उठाया है। सैफ पर हमला ही अब सियासी मुद्दा हो गया है। किसी को यकीन ही नहीं हो रहा कि जानलेवा हमले के बाद सैफ मात्र 3 दिन में तंदुरुस्त होकर अपने घर आ सकते हैं। क्योंकि आम आदमी तो कम से कम एक पखवाड़े तक पलंग नहीं छोड़ सकता। आम आदमी में किसी अभिनेता जितनी कूबत ही नहीं होती।

मैं अक्सर कहता हूँ कि हमारे मुल्क में सियासत मुद्दों पर नहीं होती,सियासत बेसिर -पैर की होती है। और जब होती है तो होती ही चली जाती है। सियासत का ये चरित्र बदलना आसान नहीं है। ये कलिकाल की नहीं मोदी युग की देन है और इसके लिए किसी एक को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। अभिनेता सैफ अली खान की अस्पताल से छुट्टी के बाद प्रदेश सरकार के एक मंत्री नितेश राणे ने सवाल उठाए हैं। उनका मानना है कि सैफ पर हमला संदिग्ध हो सकता है। राणे ने राजनीतिक नेताओं पर पक्षपात का आरोप लगाते हुए हिंदू कलाकारों की उपेक्षा की बात कही और बढ़ते बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुद्दे पर चिंता जताई। अब ये राणे कौन से नेता हैं ,ये बताने की जरूरत नहीं है।

सैफ के ऊपर सवाल खड़े करने वाले राणे अकेले नहीं है। शिवसेना नेता संजय निरुपम ने एक बड़ा सवाल खड़ा किया है. उन्होंने हमले की घटना का जिक्र करते हुए इतनी जल्दी ठीक होने पर कहा कि सैफ को 16 जनवरी की घटना के बारे में बताना चाहिए। निरुपम भले ही दलबदलू किन्तु अनुभवी नेता हैं इसलिए उन्होंने अपना सवाल बड़ी ही नजाकत के साथ किया है। निरुपम ने कहा कि 16 जनवरी को सैफ अली खान के साथ जो कुछ भी हुआ, वह बेहद चिंताजनक है. हम परिवार के साथ हैं. सैफ को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है और बाहर वह ऐसे दिखे हैं जैसे वह शूटिंग करने के लिए फिट हैं. यह देखना आश्चर्यजनक है. डॉक्टरों ने कहा था कि चाकू उनकी पीठ में 2.5 इंच तक घुस गया था, जिसके लिए छह घंटे का ऑपरेशन करना पड़ा. चिकित्सकीय रूप से इतनी जल्दी ठीक होना कैसे संभव है ?

भाजपा पहले ही सैफ पर हमले को अंतर्राष्ट्रीय मुद्दा बना चुकी है ,क्योंकि महाराष्ट्र की पुलिस ने सैफ पर हमले के आरोप में जिस आरोपी को पकड़ा है वो संयोग से बांग्लादेशी है। भाजपा के लिए बांग्लादेशी घुसपैठिये चुनावी मुद्दा रहे हैं ,ये बात और है कि केंद्र में भाजपा की सरकार ने बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को बाकायदा सरकारी मेहमान बनाकर शरण दी हुई है। बांग्लादेश के लोग भी इससे हैरत में हैं और भारतीय जनता पार्टी के लोग भी,लेकिन भाजपा का कोई नेता अपने पंत प्रधान से हसीना के बारे में सवाल करे कैसे ? भाजपा में तो सवाल करना ही राष्ट्रद्रोह माना जाता है ,बल्कि यूं कहिये कि घोषित गैरजमानती अपराध है।

नेशनल कांफ्रेंस के सदर और पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ फारुख अब्दुल्ला ने सैफ के जल्द ठीक होने पर तो कोई बात नहीं की लेकिन उन्होंने सैफ के कथित हमलावर के बहाने पूरे बांग्लादेशियों को अपराधी माने जाने की निंदा की है। उनका कहना है कि किसी एक व्यक्ति की गलती का ठीकरा पूरे देश पर नहीं फोड़ा जा सकता। लेकिन डॉ अब्दुल्ला की नसीहत भाजपा वाले या शिव सेना वाले क्यों मानने लगे ? भाजपा और शिव सेना के नेता और कार्यकर्ता खुद अपने दिल की ही नहीं मानते। इन पार्टियों के नेताओं को न सैफ पर भरोसा है और न चिकित्सा विज्ञान पर। ये देह की जीवनशक्ति के बारे में भी कुछ नहीं जानते। ये लोग केवल और केवल हिन्दू और मुसलमान जानते हैं। इन सभी का काम इसी अल्प जानकारी से चल जाता है।

सैफ अली के माता-पिता से इस देश की आधी से अधिक आबादी का जुड़ाव है ,और ये जुड़ाव स्वाभाविक है ,इस जुड़ाव की वजह हिन्दू-मुसलमान नहीं है। सैफ के पिता नबाब पटौदी एक बेहतरीन क्रिकेट खिलाड़ी थे और सैफ की माँ शर्मिला टैगौर एक बेहतरीन अदाकारा। इस जोड़ी की अपनी-अपनी उपलब्धियां हैं ,इसमें किसी राजनीतिक दल का कोई योगदान नहीं है। हम जिस पीढ़ी से आते हैं उस पीढ़ी के लिए नबाब पटौदी और शर्मिला टैगौर देश के लिए गर्व का विषय रहे है। इस जोड़ी ने यदि मोदियुग में शादी की होती तो मरहूम नबाब साहब के खिलाफ लव जिहाद का मामला चल रहा होता। पटौदी और टैगौर की सनातन सैफ अली और उनकी पत्नी भी देश की एक पीढ़ी में लोकप्रिय अभिनेता रहे हैं ,इसलिए कम से कम आम आदमी तो सैफ की रिकवरी को लेकर कोई सवाल नहीं करना चाहेगा ,लेकिन नेतागण नहीं मानने वाले। कहते हैं न - कुछ तो लोग कहेंगे,लोगों का काम है कहना

भाजपा और शिवसेना के लोग इस बात से भी खुश हैं की सैफ के दिन अच्छे नहीं चल रहे हैं। सैफ के लिए एक और बुरी खबर और आई है। सैफ अली खान के पटौदी परिवार की 15,000 करोड़ रुपये की संपत्ति सरकार शत्रु संपत्ति अधिनियम के तहत अपने नियंत्रण में ले सकती है। बता दें कि ये संपत्ति मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में स्थित है। दरअसल, मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने एक अहम फैसला देते हुए 2015 में इन संपत्तियों पर लगाए गए रोक को हटा दिया है। कोर्ट के इस फैसले के बाद शत्रु संपत्ति अधिनियम, 1968 के तहत इन संपत्तियों के अधिग्रहण का रास्ता खुल गया है। ध्यान रखिये की मप्र में भाजपा की सरकार है जो हिन्दू-मुसलमान करने में माहिर ह। जाहिर है की प्रदेश की भाजपा सरकार का दिल इस घटना से बल्लियों उछल रहा होगा। भाजपा का बस चले तो वो देश के तमाम मुसलमानों की सम्पत्ति को शत्रु सम्पत्ति घोषित कर जब्त कर ले। लेकिन खुदा गंजों को नाखून नहीं देता। हमारे नेताओं को भगवान सद्बुद्धि दे।

बहरहाल हम सियासत के लिए किसी के स्वास्थ्य को हथियार बनाये जाने के खिलाफ है। इस मामले में आप अपने मन से पूछिए ,शायद सही जबाब मिल जाये। क्योंकि सच्चाई से साक्षात्कार कोई सियासी दल,कोई धर्म नहीं करा सकत। दिल ही सच का अहसास करा सकता है। खुदा हाफिज।

नये भारत के लिये बालिकाओं की बंद खिड़कियां खुलें

-ललित गर्ग

जहां पांव में पायल, हाथ में कंगन, हो माथे पे बिंदिया, इट हैपन्स ओनली इन इंडिया- जब भी कानों में इस गीत के बोल पड़ते है, गर्व से सीना चौड़ा होता है। जब नवरात्र के दिनों में कन्याओं को पूजित होने के स्वर सुनते हैं तब भी शकुन मिलता है लेकिन जब उन्हीं कानों में यह पड़ता है कि इन पायल, कंगन और बिंदिया पहनने वाली बालिकाओं के साथ कैसे अत्याचार, यौन-शोषण इंडिया क्या करता है, तब सिर शर्म से झुकता है। भारतीय समाज में लड़कियों को अक्सर भेदभाव, यौन-शोषण और अन्याय का सामना करना पड़ता है। उन्हें अक्सर अपनी शिक्षा को आगे बढ़ाने के अवसर से वंचित रखा जाता है और उन्हें बहुत कम उम्र से ही घर के कामों में मदद करनी पड़ती है। इन्हीं विडम्बनाओं एवं विसंगतियों को नियंत्रित करने के लिये भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने 2008 में राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाने की शुरूआत की। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य भारतीय समाज में लड़कियों के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में जागरूकता फैलाना है। यह दिन समाज में लड़कियों के खिलाफ लैंगिक असमानता, रूढ़िवादिता, भेदभाव, यौन-शोषण और हिंसा की मौजूदा समस्याओं पर प्रकाश डालता है, बालिकाओं को सशक्त बनाता है और शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में लड़कियों को समान अवसर प्रदान करने के महत्व का संदेश देता है। बालिकाओं की बन्द खिड़कियां खुलें, तभी नया भारत-सशक्त भारत बन सकेगा। सरकार का उद्देश्य बालिका दिवस के माध्यम से बालिकाओं के साथ समान व्यवहार करने और उन्हें वे अवसर प्रदान करने की तत्काल आवश्यकता को व्यक्त करना है, जिनकी वे हकदार हैं। यह दिवस प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की शुरूआत की तिथि भी है। इसका लक्ष्य बालिका लिंग अनुपात में गिरावट के मुद्दे पर ध्यान केंद्रित करना भी है। राष्ट्रीय बालिका दिवस 2025 की थीम ह्यउज्ज्वल भविष्य के लिए लड़कियों को सशक्त बनानाह्न है। इसके लिये भारत में बालिकाओं के लिए कई सरकारी योजनाएं चल रही हैं। लेकिन कई प्रभावी सरकारी योजनाओं के बावजूद भारत में बालिकाओं की स्थिति चिन्ताजनक है। देश में हुई 2016 की जनगणना में लड़कों की तुलना में लड़कियों की घटती संख्या के आंकडे. चौंकाते ही नहीं बल्कि दुखी भी करते हैं। जिस तरह से लड़के-लड़कियों का अनुपात असंतुलित हो रहा है, उससे ऐसी चिन्ता भी जतायी जाने लगी है कि यही स्थिति बनी रही तो लड़कियां कहां से लाएंगे? हालत यह है कि आंध्र प्रदेश में 2016 में प्रति एक हजार लड़कों के मुकाबले महज आठ सौ छह लड़कियों का जन्म दर्ज किया गया। यह आंकड़ा सबसे निम्न स्तर पर मौजूद राजस्थान के बराबर है। तमिलनाडु, कर्नाटक जैसे राज्यों में भी तस्वीर बहुत बेहतर नहीं है। बालिकाओं की घटती संख्या एक गंभीर चिन्ता का विषय है। हालांकि, बहुत से लोगों का मानना है कि 21वीं सदी तक आते-आते बालिकाओं एवं महिलाओं की जिंदगी में बहुत बदलाव आए हैं लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि बालिकाओं एवं महिलाओं के लिए अब हालात पहले से ज्यादा खराब हो चुके हैं। कहने को भले ही लड़कियां हर मामले में लड़कों के कंधे से कंधा मिलाकर चल रही हो, हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा, क्षमता एवं कौशल का लोहा मनवा रही है ।

आज का राशिफल

मेष आज दिन लाभदायक रहेगा और आप जो भी काम मेहनत और लगन के साथ करेंगे।

तुला आज दिन लाभ और सम्मान लेकर आएगा और आपके लिए तरक्की के भी योग बने हैं।

वृषभ आज दिन सम्मान और आर्थिक लाभ से भरा रहेगा। आपको मान-सम्मान मिलेगा।

वृश्चिक आज ग्रहों की दशा अनुकूल है और आपको कारोबार के मामले में जबर्दस्त लाभ होगा।

मिथुन बड़ा फैसला लेने से पहले सोचविचार कर लें। अधिकारियों का सहयोग मिलेगा।

धनु आप जिन काम को पूरा करने के लिए काफी समय से सोच रहे थे वे पूरे हो जाएंगे।

कर्क करियर में भाग्य का साथ मिलेगा। आपका प्रमोशन अगर काफी समय से रुका था वह हो सकता है।

मकर आज दिन शुभ है। उत्साह में वृद्धि होगी। कुछ अनावश्यक खर्चे करने पड़ सकते हैं।

सिंह आज लाभ होगा और आज का दिन के लिए आज का दिन व्यापार में सफलता दिलाने वाला रहेगा।

कुंभ आज करियर में लाभ होगा। सभी काम पूरे होंगे। पैसों के मामले में सावधानी बरतें।

कन्या आज दिन लाभदायक रहेगा और आपके अधिकार व जिम्मेदारियां बढ़ेंगी।

मीन ऋण आसानी से मिल जाएगा। नई योजनाएं बनाएं और उन्हें सफल बनाने की कोशिश करें।

विशेष

भाजपा ने दिल्ली में सहयोगी दलों का ध्यान रखा

दिल्ली विधानसभा चुनाव में टिकटों का वितरण लगभग पूरा हो गया है। भाजपा ने बिहार के दो सहयोगी दलों को अपने साथ जोड़ कर रखा है। जनता दल यू और लोक जनशक्ति पार्टी के लिए एक-एक सीट यहां पर भाजपा ने सहयोगियों के लिए छोड़ दी है। दिल्ली विधानसभा चुनाव में बिहार के मतदाताओं की संख्या कम नहीं है। बिहार और उत्तर प्रदेश के मतदाताओं को लेकर जिस तरीके की राजनीति दिल्ली में हो रही है । भाजपा ने एक-एक सीट देखकर गठबंधन का धर्म निभा दिया है। शेष 68 सीटों पर भाजपा ने अपने प्रत्याशी घोषित कर दिए हैं। कांग्रेस ने सभी 70 सीटों पर अपने उम्मीदवार चुनाव मैदान में उतार दिए हैं। जिसके कारण दिल्ली विधानसभा का चुनाव बड़ा रोचक हो गया है।

मुख्यमंत्री आतिशी और संजय सिंह को अदालत का समन

दिल्ली के विधानसभा चुनाव में सत्ता पक्ष विपक्ष के बीच में जिस तरह से लड़ाई हो रही है ।उसने कौरव-पांडवों के बीच कुरुक्षेत्र में जो लड़ाई हुई थी। उसकी याद दिला दी है। दोनों पक्षों ने लड़ाई के दौरान युद्ध के सारे नियमों का उल्लंघन करते हुए लड़ाई लड़ी थी। वही लड़ाई दिल्ली के विधानसभा चुनाव में देखने को मिल रही है। पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के पुत्र संदीप दीक्षित ने सांसद संजय सिंह और दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिसी के खिलाफ मानहानि की शिकायत दर्ज कराई थी।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1879 : ब्रिटेन ने अफगानिस्तान पर हमला किया। 1919: गांधीजी की नवजीवन पत्रिका का प्रकाशन शुरू हुआ। 1949: पूर्वी जर्मनी में जनवादी गणराज्य की स्थापना हुई थी। 1950: मदर टेरेसा ने कोलकाता में मिशनरीज ऑफ चैरिटीज की स्थापना की। 1958: पाकिस्तान में राष्ट्रपति सिकंदर मिर्जा ने मार्शल लॉ लागू किया। 1967: यूनान की सैनिक सरकार ने निष्कासित प्रधानमंत्री और अन्यों पर लगे प्रतिबंध उठा लिए। 1970: संयुक्त अरब गणराज्य के उपराष्ट्रपति अनवर सादात ने राष्ट्रपति का कार्यभार संभाला। 1976 : सैनिक सरकार ने थाईलैंड में स्थिति सामान्य बनाने के लिए प्रतिबंधों में ढील देनी शुरू की। 1987 : मिस्त्र के उपराष्ट्रपति हुस्ती मुबारक राष्ट्रपति अनवर सादात के उत्तराधिकार मनोनीत किए गए। 1985: फलीस्तीनियों ने इटली के युद्धपोत आशिल लारे का भूमध्य सागर में अपहरण कर लिया।

दैनिक पंचांग

24 जनवरी 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

शुक्रवार 2025 वर्ष का 24 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास माघ (दक्षिण भारत में पौष)
पक्ष कृष्ण
तिथि दशमी 19.26 बजे को समाप्त।
नक्षत्र अनुराधा अहोरात्र।
योग वृद्धि 05.08 बजे प्रातः को समाप्त।
करण विष्टि 19.26 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 24.1 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 19° 12'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872234
जूलियन दिन 2460699.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना रज्जब
तारीख 23

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मकर में	कुंभ	07.55 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	मीन	09.28 बजे से
मंगल	मिथुन में	मेष	10.58 बजे से
बुध	धनु में	वृष	12.38 बजे से
गुरु	वृष में	मिथुन	14.36 बजे से
शुक्र	कुंभ में	कर्क	16.50 बजे से
शनि	कुंभ में	सिंह	19.06 बजे से
राहु	मीन में	कन्या	21.18 बजे से
केतु	कन्या में	तुला	23.29 बजे से
		वृश्चिक	01.43 ब.से
राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक		धनु	03.59 बजे से
		मकर	06.04 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक	रोग	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	काल	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	चर	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	रोग	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

सभी पोषक तत्वों की कमी पूरी करता है मल्टीग्रेन आटा

मल्टीग्रेन आटे का अर्थ है मिला जुला आटा या कई तरह के अनाज का मिक्स आटा। इस में गेहूं के साथ ही ज्वार, बाजरा, जौ, काला चना, रागी, जई, मक्का, क्विनोआ, सूजी, चावल, सिंघाड़े, राजगिरा आदि के आटे को मिलाकर आटा तैयार किया जाता है। इस आटे में विटामिन, प्रोटीन, डाइटरी फाइबर, कार्ब्स, आयरन, कैल्शियम, खनिज आदि कई तरह के पोषक तत्व होते हैं। मल्टीग्रेन आटा ज्यादातर ग्लूटेन फ्री होता है।

वजन होता है कम

इसके लिए आपको गेहूं के आटे में जई, मक्का, ज्वार और चना मिलाकर उसकी रोटी बनाकर खाना चाहिए। इसमें फाइबर अधिक होने से यह पाचन के लिए ठीक रहेगा और साथ ही यह वेट लॉस करेगा। यह कई सूक्ष्म पोषक तत्वों से भरपूर होने के साथ-साथ शरीर को संपूर्ण पोषण प्रदान करता है।

विटामिन की कमी को करता है दूर

इसमें कई तरह के विटामिन होते हैं जिसके चलते शरीर में विटामिन की कभी कमी नहीं होती है।

पाचन तंत्र को सुधारता

यह फाइबर से भरा होता है जो अच्छे आंत बैक्टीरिया का पोषण करता है, जिसके चलते पाचन तंत्र में सुधार होता है और मेटाबॉलिज्म में भी सुधार करता है।

शारीरिक दर्द और सूजन को कम करता है बाजरा

बाजरा में सूजन-रोधी गुण होते हैं। मल्टीग्रेन आटा में बाजरे का आटा मिला होने से यह जोड़ों के दर्द और सूजन में लाभदायक है।

मांसपेशियां होती है मजबूत

इससे मांसपेशियां मजबूत होती हैं। इस आटे में सोयाबीन, चना और जौ भी मिलाया जाए तो यह प्रोटीन का अच्छा सोर्स बन जाता है। बच्चों के शरीरिक विकास के लिए यह मददगार साबित हो सकता है।

सर्दियों में इन आदतों की वजह से बढ़ जाती है कब्ज की परेशानी

सर्दियों में अक्सर लोगों को कब्ज की परेशानी हो जाती है। इसका सबसे मुख्य कारण होता है ठंड के मौसम में शरीर के फंक्शन में बदलाव आना। डाइजेस्टिव सिस्टम स्लो हो जाता है, लेकिन हमारी कुछ आदतें भी हैं जो सर्दियों कब्ज को बढ़ा सकती हैं ।

सर्दियों में इन आदतों की वजह से बढ़ जाती है कब्ज की परेशानी

आपका पाचन तंत्र ठीक से काम करें इसके लिए जरूरी है कि आप ठीक प्रकार से हाइड्रेट रहें। वहीं सर्दियों में गर्मी के मुकाबले लोग पानी कम पीते हैं, क्योंकि प्यास ही कम लगती है। पानी की कमी से मल सूखा और कठोर हो जाता है, जिससे कब्ज की समस्या बढ़ जाती है। ठंड के मौसम में लोग ज्यादातर घर में ही बिताते हैं शारीरिक गतिविधियां कम हो जाती है और इस वजह से आंतों की गतिविधि धीमी हो जाती है जिससे कब्ज हो सकती है।

सर्दी का मौसम सुहावना होता है और इस मौसम में अक्सर लोग तला भुना, भारी खाना खाते हैं जो पाचन क्रिया को और भी धीमा कर देता है। सर्दियों में लोगों के आहार में फाइबर की कमी हो जाती है। लोग सलाद वगैरह कम खाने लगते हैं फाइबर की कमी से भी पाचन धीमा हो जाता है। जिससे कब्ज की समस्या पैदा हो सकती है ।ठंड में लोग चाय कॉफी- अधिक सेवन करते हैं और कैफीन अधिक सेवन करने से शरीर में पानी की कमी हो सकती है, जिससे मल सूखा और कठोर हो जाता है। वहीं सर्दियों के मौसम में लोगों को तनाव और उदासी बनी रहती है। इससे भी पाचन तंत्र प्रभावित होता है। आंतों की गति धीमी हो जाती है। इसके अलावा ठंडी हवा के कारण शरीर की मांसपेशियां संकुचित हो जाती है जिससे आंतों की गतिविधि में रुकावट आ सकती है।

सेहत और त्वचा दोनों के लिए लाभकारी है हल्दी पानी

हल्दी का उपयोग हर किसी के घर में किया जाता है। हल्दी में एंटीइंफ्लेमेटरी, एंटीऑक्सीडेंट गुण मौजूद होते हैं। हल्दी का प्रयोग लगभग सभी प्रकार के खाने में किया जाता है। यह व्यंजनों के स्वाद में तो इजाफा करती ही है साथ ही इसमें अनेक औषधीय गुण भी होते हैं। यह गर्म और रूखी होती है। त्वचा, पेट और शरीर की कई बीमारियों में हल्दी का प्रयोग किया जाता है। हल्दी का सेवन पानी के साथ किया जाए, तो फायदे बढ़ जाते हैं। हल्दी का पानी सेहत और त्वचा दोनों के लिए लाभकारी होता है। जिन लोगों को बार-बार सर्दी-जुकाम और संक्रमण हो जाता है उन्हें अपनी डाइट में हल्दी के पानी को जरूर शामिल करना चाहिए।

गुणकारी हल्दी के अलग-अलग लाभ उठाने के लिए आपको किसी वैद्य या विशेषज्ञ की शरण में जाने की जरूरत नहीं है। अपने घर पर ही छोटे-छोटे प्रयोग कर इसके अलग-अलग लाभ उठाए जा सकते हैं। आमतौर पर देखा गया है कि लोग उठते ही गर्म पानी या फिर निम्बू पानी का सेवन करते हैं जिससे कि उनका पेट साफ़ हो और खुल कर शरीर की गंदगी बाहर निकल जाए यह शरीर के लिए फायदेमंद है, यदि इसमें थोड़ी सी हल्दी मिक्स कर दी जाए तो इसके गुणों में भारी इजाफा हो जाता है।

शरीर को शक्तिशाली बनाना

लगभग 500 ग्राम की मात्रा में हल्दी की गांठे और एक किलो बुझा हुआ चूना लेकर इसको एक मिट्टी के बर्तन में डालकर इसमें ऊपर से 2 लीटर पानी डालें। पानी डालते ही चूना पकने लगता है और जब यह ठण्डा हो जाए तो बर्तन को ढककर रख दें। इसके बाद 2 महीने बाद हल्दी की गांठों को निकालकर पीसकर चूर्ण बना लें। हल्दी की गांठों के चूर्ण को 3 ग्राम की मात्रा में लेकर 10 ग्राम शहद के साथ मिलाकर लगातार 4 महीने तक रोजाना खाने से शरीर का खून साफ हो जाता है और इससे शरीर में भरपूर ताकत आती है।

वजन कम होता है

अगर आप अपना वजन कम करना चाहते हैं, तो ऐसे में अपनी डाइट में हल्दी का पानी शामिल कर सकते हैं। हल्दी में करक्यूमिन पाया जाता है। फैट बढ़ाने वाले टिशूज को बनने से रोकने के लिए हल्दी का पानी पीना फायदेमंद होता है।

आंखों के रोग

हल्दी को अरहर की दाल में पकायें और छाया में सुखा लें उसे पानी में घिसकर, शाम होने से पहले ही दिन में दो बार जरूर लगायें इससे झामर रोग, सफेद फूली और आंखों की लालिमा में लाभ होता है।

नहीं होंगी त्वचा और बालों से जुड़ी समस्याएं

हल्दी का पानी खून साफ करता है। साथ ही इस पानी को पीने से शरीर में विषाक्त तत्वों को बाहर निकालने में मदद मिलती है। इससे एजिंग साइन्स जैसे झुर्रियां या मुरझाई त्वचा की समस्या दूर होगी। त्वचा की सूजन कम करने में हल्दी फायदेमंद मानी जाती है। इसका इस्तेमाल करने से त्वचा में निखार बढ़ता है।

पेट से जुड़ी समस्याएं दूर होंगी

हल्दी के पानी का सेवन करेंगे, तो पेट से जुड़ी समस्याएं जैसे डायरिया, अपच, कब्ज, पेट में दर्द, पेट में ऐंठन आदि समस्याएं दूर होंगी। हल्दी का पानी पीने से शरीर में पित्त ठीक से बनता है और पाचन तंत्र मजबूत बनता है। हल्दी में एंटीबैक्टीरियल और एंटीवायरल गुण भी होते हैं। हल्दी के पानी का सेवन करने से इम्यूनिटी मजबूत होती है। हल्दी में मौजूद लिपो पॉलिसैकेराइड की मदद से शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले सेल्स बढ़ते हैं। एक गिलास गुनगुने पानी में एक नीम्बू निचोड़कर उसमें एक चुटकी हल्दी मिला लें और इसे सुबह खाली पेट पीएं। ऐसा करने से पेट में गैस बनने की समस्या दूर होती है और एसिडिटी, बदहजमी, फूड पॉइजनिंग, कब्ज आदि बीमारी से भी छुटकारा मिलता है जिससे सुबह पेट पानी की तरह साफ़ होगा।

हार्ट की बीमारियों से होगा बचाव

हल्दी का पानी शरीर से कोलेस्ट्रॉल का स्तर को नियंत्रण रखने में मदद करता है। हल्दी का पानी पीने से खून के थक्के बनने से रोकने में मदद मिलेगी। इससे आपको हार्ट से जुड़ी बीमारियों का खतरा नहीं होगा।

कम होती है सूजन

शरीर में सूजन कितनी भी क्यों न हो हल्दी सूजन को कम करने में सहायक है इसमें करक्यूमिन नामक एक रसायन पाया जाता है जो दवा के रूप में काम करता है इसीलिए आपने देखा होगा किसी को भी चोट लग जाती है तो हमारे बुजुर्ग हल्दी दूध में डालकर पिलाते थे।

ब्लाकेज से बचाती है हल्दी

जिन लोगो की खून की धमनियों में ब्लाकेज की शिकायत है उनको तो अवश्य ही हल्दी वाला पानी सेवन करना लाभदायक है क्योंकि हल्दी खून को जमने से रोकती है अदरक भी खून को पतला रखती है और ब्लाकेज से बचाती है।

हड्डी के टूटने पर

हड्डी के टूटने पर रोज हल्दी का सेवन करने से लाभ मिलता है। एक प्याज को पीसकर एक चम्मच हल्दी मिलाकर कपड़े में बांध लें। इसे तिल के तेल में रखकर गर्म करें और इससे फिर सेंक करें। कुछ देर सेंकने के बाद पोटली खोलकर दर्द वाले स्थान पर बांध दें।

नहीं पनपने देती बैक्टीरिया

यदि किसी कारण से शरीर के बाहरी या अंदरूनी हिस्से में चोट लग जाए-तो हल्दी वाला दूध उसे जल्द से जल्द ठीक करने में बेहद लाभदायक है क्योंकि यह अपने एंटी बैक्टीरियल और एंटीसेप्टिक गुणों के कारण बैक्टीरिया को पनपने नहीं देता है।

त्वचा के रोग

हल्दी को पीसकर तिल के तेल में मिलाकर मालिश करें इससे चर्म रोग खत्म हो जाएगा। या अगर शरीर में खुश्की (चमड़ी सूख) गई हो तो सरसों के तेल में हल्दी को मिलाकर शरीर पर उसकी मालिश करने से लाभ होता है।

मसूढ़ों का रोग

हल्दी को मोटा-मोटा कूटकर आग पर भून लें। इसे बारीक पीसकर कपड़े से छानकर प्रतिदिन सुबह-शाम मसूढ़ों पर मलें। इससे मसूढ़ों के रोग ठीक हो जाते हैं।

क्या आपका भी मिट्टी खाने का मन करता है पाइका के हो सकते हैं लक्षण

अक्सर आपने बच्चों एवं महिलाओं को बत्ती, चौक या मिट्टी खाते हुए देखा होगा। कई लोगों को मिट्टी खाने की बहुत क्रेविंग होती है। साथ ही कई लोग इस आदत से परेशान भी होते हैं क्योंकि मिट्टी या चुना आपकी सेहत के लिए हानिकारक होता है। यह एक तरह की बीमारी होती है जिसे जियोफेजिया के नाम से जाना जाता है। वैसे मामूली स्थिति में मिट्टी खाने की क्रेविंग कैल्शियम की कमी के कारण होती है लेकिन इसके साथ यह एक बीमारी का भी लक्षण है।

क्या है पाइका

दरअसल मिट्टी खाने का सीधा संबंध पाइका नाम की बीमारी से है। इस बीमारी में इंसान मिट्टी खाने से खुद को रोक नहीं पाता है। ऐसी स्थिति ज्यादातर प्रेग्नेंट महिलाओं में देखी जाती है। इस बीमारी में मिट्टी खाने की लत किसी चीज़ के नशे के सामान होती है। एक्सपर्ट के अनुसार पाइका एक ऐसी बीमारी होती है जिसमें व्यक्ति को उन पदार्थों को खाने की इक्छा होती है जो खाने लायक नहीं है। इस बीमारी का नाम एक पक्षी के नाम पर रखा गया है। पाइका एक ऐसे पक्षी का नाम है जो कुछ भी खा लेते हैं इसलिए इस बीमारी को पाइका कहा जाता है।

इनकी कमी से होती है मिट्टी खाने की क्रेविंग

इसके साथ ही कई बार मिट्टी खाने का संबंध कैल्शियम की कमी से किया जाता है लेकिन यह एकमात्र ऐसा कारण नहीं है। आयरन की कमी के कारण भी मिट्टी या मिट्टी जैसे पदार्थों को खाने की इच्छा करती है। इस बीमारी में महिलाओं को मिट्टी खाने की बहुत क्रेविंग होती है। ऐसे में जब आप बार बार मिट्टी खाते हैं तो आपके पेट में बहुत सी समस्याएं हो सकती हैं।

किडनी स्टोन की हो सकती हैं समस्या

बार बार मिट्टी खाने से आंतों में रुकावट होती है। साथ ही आपके लीवर पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। आपको बता दें कि मिट्टी खाने वाले बच्चों और बड़ों के शरीर में सूजन की परेशानी होने लगती है। मिट्टी खाने की वजह से आपका डाइजेशन भी खराब होता है जिससे खाना ठीक से पच नहीं पाता है।

नीमिया की समस्या भी हो सकती है जैसा कि बताया कि आयरन की कमी के कारण भी आपको मिट्टी खाने की समस्या होती है। मिट्टी खाने से इंसान एनीमिया का भी शिकार हो जाता है क्योंकि शरीर में हीमोग्लोबिन हो जाता है। हीमोग्लोबिन कम होने से खून में ऑक्सीजन नहीं जा पाता इस वजह से एनीमिया हो जाता है।

शरीर के लिए लाभप्रद है खट्टी-मीठी कीवी

फलों और सब्जियों के सेवन से स्वास्थ्य को जरूरी पोषक तत्व और विटामिन की पूर्ति होती है। ऐसा ही एक स्वादिष्ट फल हैं कीवी जिसे स्वास्थ्य के लिए भी बहुत फायदेमंद माना जाता हैं। कीवी में एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-इंफ्लेमेटरी, विटामिन सी, विटामिन बी, कैल्शियम, फाइबर, कार्बोहाइड्रेट, फॉस्फरोरस, कॉपर, जिंक, नियासिन, पोटैशियम, राइबोफ्लेविन, बीटा कैरोटीन आदि पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसका सेवन करने से कई गंभीर बीमारियों से रिकवरी करने में बहुत फायदा मिलता है।

गर्भवती महिलाओं के लिए कीवी बहुत फायदेमंद फल है। कीवी में फोलेट की पर्याप्त मात्रा होती है, जो गर्भ में पल रहे शिशु के दिमागी विकास के लिए बहुत फायदेमंद मानी जाती है। गर्भावस्था के दौरान कीवी खाने से बच्चों में न्यूरल डिफेक्ट का खतरा कम होता है। इसके अलावा, गर्भवती महिलाओं को डिलीवरी के बाद भी कीवी का सेवन जरूर करना चाहिए। ऐसा करने से उनमें डिलीवरी के बाद कमजोरी और खून की कमी दूर करने में मदद मिलती है।

डायबिटीज में फायदेमंद

डायबिटीज के मरीजों के लिए कीवी का सेवन बहुत फायदेमंद होता है। कीवी में मौजूद गुण डायबिटीज के मरीजों में ब्लड शुगर को कंट्रोल करने में फायदेमंद माने जाते हैं। डायबिटीज के मरीज डॉक्टर की सलाह लेकर रोजाना कीवी का सेवन कर सकते हैं। इससे उनका पाचन तंत्र भी दुरुस्त रहता है।

ब्लड क्लॉटिंग को रोके

कीवी के सेवन से शरीर में खून का थक्का जमने की दिक्कत भी नहीं होती है। इसमें एंटीथ्रोम्बोटिक यानी खून का थक्का न जमने देने का गुण मौजूद होता है, जिसकी वजह से स्ट्रोक, किडनी और हार्ट अटैक संबंधी दिक्कत का खतरा भी कम रहता है।

हड्डियों का रखता है ख्याल

कीवी में विटामिन के भी मौजूद होता है, जो ओस्टियोट्रोपिक एक्टिविटी या नए बोन सेल्स के डेवलपमेंट में योगदान कर सकता है। इसमें मौजूद विटामिन ई, मैग्नीशियम और फोलेट सभी तत्व स्वास्थ्य को कई लाभ प्रदान करते हैं।

कब्ज को दूर करे

कीवी फल, कब्ज को दूर करने में काफी मदद करता है। इसके सेवन से पुरानी से पुरानी कब्ज भी ठीक होने लगती है। यह गैस, ब्लोटिंग, एसिडिटी, अपच जैसी पेट की दिक्कतों को भी ये दूर करता है। अगर आप भी लगातार कब्ज की बीमारी से परेशान हैं तो कीवी का फल आपके लिए बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है। यह पेट साफ करने में भी मददगार है।

हाई बीपी रहता है कंट्रोल में

कीवी में पोटेशियम और फाइबर प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। इसके सेवन से हृदय स्वस्थ रहता है। साथ ही उच्च रक्तचाप कंट्रोल में रहता है। वहीं, फाइबर बढ़ते कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने में मददगार साबित होता है। एक शोध में उच्च रक्तचाप के मरीजों को एक हफ्ते में 8 किवी खाने की सलाह दी गई है। इसके लिए रोजाना कीवी का सेवन जरूर करें।

संक्षिप्त समाचार

रिकॉर्ड पर पहुंचने के बाद फिसला सोना

नईदिल्ली, एजेंसी। सोने की कीमत में आज शुरुआती कारोबार में गिरावट देखी जा रही है। एमसीएक्स पर फरवरी डिलीवरी वाला गोल्ड सुबह 10.30 बजे 118 रुपये की गिरावट के साथ 79,446 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। कल यह 79,564 रुपये पर बंद हुआ था और आज 79,419 रुपये पर खुला। शुरुआती कारोबार में यह 79,500 रुपये तक ऊपर और 79,393 रुपये तक नीचे गया। इसी तरह चांदी भी 399 रुपये की गिरावट के साथ 91,545 रुपये प्रति किलो पर ट्रेड कर रही है। कल यह 91,944 रुपये पर बंद हुई थी और आज 91,423 रुपये पर खुली।

इस बीच सोने में हाल में आई तेजी से इसका मार्केट कैप 18.5 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गया है जो ग्लोबल जीडीपी का 16.7 फीसदी है। पिछले दस साल में यह रेश्यो दोगुना और 2001 से चार गुना बढ़ा है। गोल्ड ने 2000 से सालाना औसतन 9.5 फीसदी का रिटर्न दिया है। यह इस संेचुरी में सबसे बेहतर रिटर्न देने वाली एसेट है। साल 2024 की शुरुआत से यह 41 बार ऑल टाइम हाई पर पहुंच चुका है और इसमें 33 फीसदी तेजी आई है।

सर्राफा कीमत

मजबूत वैश्विक रुझानों के बीच आभूषण एवं फुटकर विक्रेताओं की लगातार लिवाली के बाद दिल्ली के सर्राफा बाजार में बुधवार को सोने की कीमत 630 रुपये बढ़कर 82,700 रुपये पहुंच गई थी जो इसका अब तक का उच्चतम स्तर है। लगातार छठे सत्र में तेजी के साथ 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 630 रुपये बढ़कर 82,330 रुपये प्रति 10 ग्राम के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। जानकारों के मुताबिक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की व्यापार नीति को लेकर अनिश्चितता से सोने में निवेश बढ़ा है। चांदी भी 1,000 रुपये बढ़कर 94,000 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई।

एचडीएफसी बैंक का मुनाफा मामूली रूप से बढ़कर 16736 करोड़ रुपये हुआ, आंकड़े जारी

नईदिल्ली, एजेंसी। निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक एचडीएफसी बैंक ने बुधवार को बताया कि दिसंबर 2024 को समाप्त तीसरी तिमाही में उसका एकल शुद्ध लाभ मामूली दो प्रतिशत बढ़कर 16,736 करोड़ रुपये हो गया। पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में बैंक ने 16,373 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया था।

एचडीएफसी बैंक ने एक नियामक फाइलिंग में कहा कि वित्त वर्ष 25 की तीसरी तिमाही में स्टैंडअलोन आधार पर कुल आय बढ़कर 87,460 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 81,720 करोड़ रुपये थी। समेकित आधार पर बैंक का लाभ भी मामूली सुधार के साथ 17,258 करोड़ रुपये से बढ़कर 17,657 करोड़ रुपये हो गया।

सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी और सबसे ज्यादा सीमेंट प्रोडक्शन...

नाइजीरिया के अलीको डेंगोटे हैं अफ्रीका के सबसे बड़े रईस

● 27.3 अरब की नेटवर्थ के साथ दुनिया में 74वें नंबर पर ● उनका बिजनस रिफाइनरी और सीमेंट सहित कई क्षेत्रों में है

नईदिल्ली, एजेंसी। एलन मस्क दुनिया और अमेरिका के सबसे बड़े रईस हैं। यूरोप में रईसी में फ्रांस के बर्नार्ड अरनॉल्ट की तूती बोलती है जबकि एशिया के सरताज मुकेश अंबानी हैं। साउथ अमेरिका में ब्राजील के एडुआर्डो सेवरिन सबसे बड़े रईस हैं जबकि ओशिनिया में ऑस्ट्रेलिया की गीना राइनहार्ट का राज है। क्या आप जानते हैं कि अफ्रीका का सबसे बड़ा रईस कौन है इसका जवाब है अलीको डेंगोटे। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक नाइजीरिया के अरबपति डेंगोटे की नेटवर्थ 27.3 अरब डॉलर है। वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 74वें नंबर पर हैं। इंग्लैंड के फुटबॉल क्लब आर्सेनल के जबरा फैन डेंगोटे की कंपनी डांगोटे इंडस्ट्रीज सब-सहारा में सबसे बड़ी सीमेंट उत्पादक है। साथ ही उसके पास अफ्रीका की सबसे बड़ी ऑयल रिफाइनरी भी है।

डांगोटे इंडस्ट्रीज का मुख्यालय लागोस में है। इसका बिजनस सीमेंट और रिफाइनरी के अलावा चीनी, नमक, तेल, फर्टिलाइजर और पैकेज्ड फूड में भी फैला है। डेंगोटे का सबसे बड़ा एसेट डांगोटे तेल रिफाइनरी है जो अफ्रीका की सबसे बड़ी रिफाइनर है। इसने पिछले साल की शुरुआत में काम करना शुरू किया था। इसकी वैल्यू 20 अरब डॉलर के करीब है और डेंगोटे की इसमें 92.3 प्रतिशत हिस्सेदारी है। उसका एक फर्टिलाइजर प्लांट भी है जिससे सालाना 28 लाख टन यूरिया का उत्पादन होता है। 1957 में कानो में पैदा हुए डेंगोटे के परदादा ने कोला और मूंगफली की ट्रेडिंग से काफी पैसा बनाया था। डेंगोटे ने आठ साल की उम्र में अपने पिता को खो दिया था। मिस्र की अल-अजहर यूनिवर्सिटी से बिजनस की डिग्री लेने के बाद उन्होंने नाइजीरिया लौटकर सीमेंट बिजनस में हाथ आजमाया। 1980 और 1990 के दशक में उन्होंने कई क्षेत्रों में अपने बिजनस को फैलाया। साल 1996 में मैन्यूफैक्चरिंग को स्टडी करने के लिए वह ब्राजील गए और फिर कंपनी का फोकस ट्रेडिंग से मैन्यूफैक्चरिंग पर शिफ्ट हो गया। 1999 में उन्होंने शुगर रिफाइनरीज, आटा मिल और पास्ता फैक्ट्री बनाना शुरू किया।

मेटा की पूर्व सीओओ पर ईमेल डिलीट करने पर रोक, कैंब्रिज एनालिटिका से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली, एजेंसी। सोशल मीडिया की दिग्गज कंपनी मेटा की पूर्व मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) शेरिल सैंडबर्ग को कैंब्रिज एनालिटिका गोपनीयता मामले से जुड़े ईमेल डिलीट करने के लिए अदालत द्वारा दंडित किया गया है। गौरतलब है कि शेरिल सैंडबर्ग को उन ईमेल्स को सुरक्षित रखने के लिए कहा गया था। डेलावेयर की अदालत के जज वाइस चांसलर ट्रैविस लास्टर ने कहा कि सबूतों से पता चलता है कि सैंडबर्ग ने फर्जी नाम से एक व्यक्तिगत ईमेल खाता बनाया और उनमें से कुछ ईमेल्स को पहले ही हटा दिया, जो संभवतः मामले के हितधारकों से जुड़े थे।

प्रतिबंध के चलते शेरिल सैंडबर्ग की बढ़ी परेशानी

प्रतिबंध के चलते अब शेरिल सैंडबर्ग के सामने अपना पक्ष रखना और अप्रैल में होने वाले आठ दिवसीय, गैर–जूरी परीक्षण में देयता से बचना मुश्किल हो जाएगा। जज ने शेरिल को शेयरधारकों द्वारा किए गए प्रतिबंध प्रस्ताव से संबंधित खर्चों का भुगतान करने का भी आदेश दिया। हालांकि सैंडबर्ग ने अपने जीमेल खाते से कुछ ईमेल्स पहले ही हटा दिए हैं, इसलिए आशंका है कि मामले से जुड़ी अहम और संवेदनशील जानकारी पहले ही खत्म हो चुकी है। अदालत द्वारा शेरिल पर प्रतिबंध लगाने पर अभी तक मेटा या सैंडबर्ग की तरफ से कोई टिप्पणी नहीं की गई है। यह मामला साल 2018 का है, जब फेसबुक पर लाखों उपयोगकर्ताओं के डेटा को कैंब्रिज एनालिटिका द्वारा एक्सेस करने की अनुमति देने का आरोप लगा था। कैंब्रिज एनालिटिका एक राजनीतिक परामर्श फर्म है, जिसने साल 2016 में अमेरिकी राष्ट्रपति पद के लिए डोनाल्ड ट्रम्प के प्रचार अभियान का काम किया था। कंपनी के निदेशकों और अधिकारियों पर उपयोगकर्ताओं के इस्तेमाल और संघीय व्यापार आयोग के साथ साल 2012 के सहमति आदेश का उल्लंघन करके निवेशकों को नुकसान पहुंचाने के आरोप लगे थे। हितधारकों ने यह भी आरोप लगाया कि कंपनी के बोर्ड ने साल 2019 में संघीय व्यापार आयोग को 5 अरब डॉलर का बड़ा जुर्माना देने के लिए सौदेबाजी की ताकि मेटा संस्थापक मार्क जुकरबर्ग की व्यक्तिगत जवाबदेही न हो। कोर्ट के रिकॉर्ड के अनुसार, मुकदमे की शुरुआत से पहले जुकरबर्ग के दूसरी बार पेश होने की उम्मीद है। हितधारकों ने जज लॉस्टर से जेफरी जिएंट्स को दंडित करने के लिए भी कहा, जो पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के चीफ ऑफ स्टाफ थे और जिन्होंने मेटा के बोर्ड में रहते हुए व्यक्तिगत ईमेल का इस्तेमाल किया और उन्हें डिलीट भी किया। हालांकि जज ने कहा कि जिएंट्स कैम्ब्रिज एनालिटिका मामले के बाद मेटा बोर्ड में शामिल हुए थे और कंपनी के अधिकारी नहीं थे।

नौकरी छोड़ शुरू किया मिलेट्स के कुकीज बनाना

आज करोड़ों में कर रहे कमाई, विदेश में भी मांग

नईदिल्ली, एजेंसी। मशहूर वैज्ञानिक थॉमस अल्वा एडिसन बल्ब बनाने में एक हजार बार फेल हुए थे। कहा जाता है कि जब उसने एक शख्स ने कहा कि तुम बल्ब के बारे में सोचना छोड़ दो क्योंकि इसमें एक हजार बार फेल हो चुके हो। तब एडिसन ने कहा था, मैं एक हजार बार फेल नहीं हुआ बल्कि एक हजार बार कुछ नया सीखा है। कुछ ऐसी ही कहानी है जोधपुर के अमित सोनी की। अमित वैज्ञानिक तो नहीं है लेकिन अपने कारोबार को बुलंदियों तक ले जाने में उन्हें भी कई ट्रायल से गुजरना पड़ा। और हर ट्रायल पर कुछ नया सीखा। अमित सोनी आरडीजेड 1983 नाम से बेकरी ब्रांड चलाते हैं। वह इस ब्रांड के अंतर्गत मिलेट्स (मोटा अनाज जैसे बाजरा, ज्वार, रागी आदि) से बने कुकीज बनाते और बेचते हैं। उनके प्रोडक्ट ऑनलाइन के साथ रिटेल मार्केट और 100 से ज्यादा होटल में बिकते हैं। उनका सालाना टर्नओवर 1.50 करोड़ रुपये है।

बेकरी में किया काम

अमित ने साल 2009 में एमबीए की पढ़ाई पूरी कर ली थी। इसके बाद वह एक बेकरी में फैक्ट्री मैनेजर के तौर जॉब करने लगे। यह फैक्ट्री कुछ पुराने तरीके की थी। फैक्ट्री के मालिक इसे नया रूप देना चाहते थे। फैक्ट्री के मालिक ने अमित से कहा कि वह ब्रिटानिया, पारले–जी, यूनीबिक आदि ब्रांड की फैक्ट्रियों का दौरा करें। इससे उन्हें बेकरी बिजनेस को समझने में मदद मिली।

खुद के कारोबार पर नजर

बेकरी फैक्ट्री में काम करने के दौरान अमित ने अपना खुद का बेकरी बिजनेस करने के बारे में सोचा। उन्होंने साल 2016 तक पैकेजिंग और मार्केटिंग समेत कई सेगमेंट में काम किया। अंत में अमित ने जॉब छोड़ दी। जॉब छोड़ने के बाद उन्होंने करीब एक साल बेकिंग और कुकिंग की बारीकियां सीखीं। इसके लिए अमित ने साल 2017 से 2018 तक बेकरी से संबंधित कई छोटे–छोटे कोर्स किए। इन कोर्स से अमित को काफी मदद मिली। अमित ने साल नवंबर 2018 को आरडीजेड 1983 बेकरी की स्थापना की। यहां ऋउनके पिता रमेश का पहला अक्षर और ष्ठ उनकी मां दुर्गा के नाम का पहला अक्षर है। उनके माता–पिता की शादी साल 1983 में हुई थी। इसलिए बेकरी का नाम आरडीजेड 1983 रखा। वह अपने इस ब्रांड के तहत मिलेट्स के कुकीज के अलावा मिलेट्स की दूसरी चीजें भी बेचते हैं। उनका कारोबार ई–कॉमर्स वेबसाइट और रिटेल से चलता है। साथ ही देशभर में 100 से ज्यादा होटल को भी सप्लाई देते हैं। इसके अलावा वह बहरीन और दुबई में कुकीज भेजते हैं।

पीएम किसान की रकम बढ़ेगी!

नईदिल्ली, एजेंसी। पिछले बजट की 9 प्राथमिकताओं में कृषि को सबसे ऊपर रखा गया था। स्स्क्क की कानूनी गारंटी के लिए किसानों के आंदोलन के बीच पहली फरवरी को पेश किए जाने वाले आम बजट में भी खेती-बाड़ी पर ज्यादा जोर रह सकता है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण फसल बीमा योजना का दायरा बढ़ाने के साथ प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की रकम बढ़ा सकती हैं। अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के उपयोग को बढ़ावा देने के कदम भी उठाए जा सकते हैं। साथ ही, किसान क्रेडिट कार्ड से कर्ज की सीमा 3 लाख रुपये से बढ़ाई जा सकती है।

डेलॉयट की इकनॉमिस्ट डॉ रुमकी मजूमदार ने कहा, 'एग्रीकल्चरल वैल्यू चेन मजबूत करने के लिए लंबी अवधि के उपायों पर फोकस रह सकता है। शॉर्ट टर्म में सरकार डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर और फूड कूपंस का सहारा ले सकती है, जिससे रूरल कंजम्पशन बढ़े क्योंकि ग्रामीण इलाकों में महंगाई ज्यादा है और रूरल डिमांड पर असर पड़ रहा है।' उद्योग संगठन पीएचडीसीसीआई के मुताबिक, उत्पादकता और आमदनी बढ़ाने के लिए लंबी अवधि के कर्ज आसानी से मिलने की व्यवस्था करनी चाहिए। वेयरहाउसेज और स्टोरेज सुविधाओं को बेहतर बनाकर उपज की बर्बादी घटाने की भी जरूरत है।

किसान सम्मान निधि

सूत्रों के मुताबिक, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत दी जाने वाली सालाना रकम 6000 रुपये से बढ़ाकर 8000 रुपये की जा सकती है। कृषि, पशुपालन और खाद्य प्रसंस्करण पर संसद की स्थायी समिति ने 17 दिसंबर को लोकसभा को सौंपी गई रिपोर्ट में इसे 12000 रुपये करने की सिफारिश की थी।

फसल बीमा योजना

कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हाल के दिनों में इस योजना के फायदे जिस तरह गिनाए हैं, उसे देखते हुए इसका दायरा भी बढ़ सकता है। संसद की स्थायी समिति ने भी इसकी सिफारिश की थी। उसने रिपोर्ट में कहा कि 2 हेक्टेयर तक कृषि भूमि वाले किसानों को भी यूनिवर्सल क्रॉप इंश्योरेंस स्कीम की सुविधा मिलनी चाहिए।

विशेषज्ञों की राय

सेफेक्स केमिकल्स के चेयरमैन एस के चौधरी ने कहा, 'कृषि अनुसंधान एवं विकास के लिए आवंटन एग्रीकल्चरल जीडीपी के कम से कम 1 प्रतिशत तक करना चाहिए, जो अभी 0.5 प्रतिशत है। इससे मौसम की मार सह सकने वाली किस्में तैयार करने में मदद मिलेगी।

फल-सब्जियों की जो कीमत उपभोक्ता चुकाते हैं, उसका करीब एक तिहाई ही किसान पाते हैं। सहकारी और प्राइवेट डेयरीज के चलते वे दूध के मामले में करीब 80 प्रतिशत हिस्सा पाते हैं। इसे देखते हुए सरकार को कृषि उपज के लिए नैशनल डेयरी डिवेलपमेंट बोर्ड की तर्ज पर एक बोर्ड बनाना चाहिए।'

डिजिटल एग्रीकल्चर पर फोकस

डेलॉयट के पार्टनर आनंद रामनाथन ने कहा, 'चुने हुए क्रॉप क्लस्टर्स के लिए फसलों पर आधारित कार्यक्रम शुरू किए जा सकते हैं। ढ्ढष्ट्रक्रऔर दूसरे शोध संस्थानों के जरिए नई किस्मों के बीजों का लॉन्च और डिस्ट्रिब्यूशन बढ़ाना चाहिए। डिजिटल एग्रीकल्चर और टेक्नॉलजी सॉल्यूशंस को देश में मौजूद मशीनरी से जोड़ने की जरूरत है, जिससे इस पर किसानों का भरोसा बढ़े। फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गनाइजेशंस का कर्ज देने वाले संस्थानों से बेहतर लिंक बनाने से सदस्यों को कर्ज पाने में आसानी होगी।'

देश में सबसे ज्यादा टेलीफोन कनेक्शन दिल्ली में

टेली-डेंसिटी के मामले में बिहार सबसे पिछड़ा राज्य है

वैसे देश भर में टेली-डेंसिटी घट रही है

नईदिल्ली, एजेंसी। आपको पता है कि भारत के किस राज्य में सबसे ज्यादा लोगों के पास टेलीफोन या मोबाइल फोन है आपकी जानकारी के लिए हम बता दे रहे हैं कि पूरे देश में टेलीफोन का घनत्व टेली-डेंसिट 84.32 फीसदी है। आपको नहीं पता तो बता दें कि भारत में सबसे ज्यादा टेली डेंसिटी दिल्ली का है जबकि सबसे कम बिहार का।

क्या होती है टेली-डेंसिटी

टेलीफोन घनत्व या टेली-डेंसिटी किसी क्षेत्र में रहने वाले हर सौ व्यक्तियों के लिए टेलीफोन कनेक्शनों की संख्या है। यह राष्ट्रों में और देश के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच व्यापक रूप से भिन्न होता है। टेलीफोन घनत्व का क्षेत्र के प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के साथ महत्वपूर्ण संबंध है। मतलब जहां ज्यादा टेली-डेंसिटी, वहां ज्यादा खुशहाली या अमीरी।

सबसे ज्यादा और सबसे कम किस राज्य में

भारत में टेलीफोन क्षेत्र के नियामक टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने कल ही टेलीकॉम सब्सक्रिप्शन डेटा के हाईलाइट्स जारी किए हैं, जो कि 30 नवंबर 2024 की स्थिति को दर्शाता है। इसके मुताबिक इस समय देश में सबसे ज्यादा टेली-डेंसिटी दिल्ली राज्य की है। यहां इस समय 278.07 फीसदी की टेली-डेंसिटी है। मतलब कि हर व्यक्ति के ऊपर करीब तीन फोन कनेक्शन। वहीं देश में सबसे कम टेली-डेंसिटी बिहार राज्य की है। वहां टेली-डेंसिटी 56.27 फीसदी है।

उत्तर प्रदेश का कहां है स्थान– देश की सबसे बड़ी आबादी वाला राज्य उत्तर प्रदेश। इससे राज्य से सबसे ज्यादा सांसद भी चुक कर संसद में पहुंचते हैं। लेकिन यदि टेली-डेंसिटी की बात करें तो इस मामले में यह राज्य नीचे से दूसरा स्थान रखता है। इस मामले में यूपी सिर्फ बिहार से ही ऊपर है। इस समय यूपी की टेली-डेंसिटी 65.96 फीसदी है।

किन राज्यों में 100 से ज्यादा– टेली-डेंसिटी के मामले में दिल्ली के बाद हिमाचल प्रदेश का स्थान है। वहां अभी यह 119.50 फीसदी है। इसके बाद केरल 118.99 प्रतिशत, पंजाब 110.84 प्रतिशत, कर्नाटक 103.95 प्रतिशत, तमिलनाडु 102.09 प्रतिशत और महाराष्ट्र 100.31 प्रतिशत पर है।

घट रहा है राष्ट्रीय औसत–टेली-डेंसिटी के मामले में राष्ट्रीय औसत घट रहा है। पिछले साल मार्च में टेली-डेंसिटी का राष्ट्रीय औसत 85.69 फीसदी था। साल 2023 के मार्च में यह 84.51 फीसदी था। यह नवंबर 2024 घट कर 84.32 फीसदी रह गया है।

10 हिस्सों में बंटेगा 27 का यह शेयर, कंपनी ने किया ऐलान, सालभर में 52 प्रतिशत टूट चुका है भाव

नईदिल्ली, एजेंसी। कंटेंट निर्माण और प्रोडक्शन कंपनी इंस्पायर फिल्म्स लिमिटेड ने 1=10 के रेशियो में स्टॉक स्प्लिट का ऐलान किया है। इंस्पायर फिल्म्स स्टॉक स्प्लिट को कंपनी के बोर्ड मेंबर ने 21 जनवरी को मंजूरी दे दी थी। बता दें कि इंस्पायर फिल्म्स का शेयर गुरुवार को कम कारोबार कर रहा था। साथ ही कंपनी ने अपने बढ़ते व्यवसाय के कारण बढ़ती फंड आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अपनी अधिकृत पूंजी को 15 करोड़ से दोगुना करके 30 करोड़ करने का भी निर्णय लिया है। एनएसई पर एसएमई स्टॉक आज गुरुवार को 5.43 प्रतिशत गिरकर 27 प्रति शेयर पर आ गया। इंस्पायर फिल्म्स के शेयर तीन महीनों में 12 प्रतिशत से अधिक और एक साल में 52 प्रतिशत से अधिक गिर गए हैं।

इंस्पायर फिल्म्स स्टॉक स्प्लिट– इंस्पायर फिल्म्स के बोर्ड ने कंपनी के मौजूदा इक्विटी शेयर के उप-विभाजन या विभाजन को 1 (एक) इक्विटी शेयर से प्रत्येक 10 के फे वैल्यू वाले पूरी तरह से भुगतान किए गए 10 (दस) इक्विटी शेयरों में विभाजित करने को मंजूरी दे दी है। इनका फेस वैल्यू 1 है। प्रत्येक पूर्ण भुगतान कंपनी के शेयरधारकों के अप्रूवल के अधीन है।

कंपनी ने कहा कि इंस्पायर फिल्म्स स्टॉक स्प्लिट के पीछे वजह शेयर बाजार में कंपनी के इक्विटी शेयरों की लिक्विडिटी में सुधार और छोटे रिटेल शेयरधारकों के लिए किफायती बनाना है।

अडानी ग्रुप के लिए आई खुशखबरी, मिला 25,000 करोड़ का बड़ा ऑर्डर

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के प्रमुख उद्योगपतियों में से एक गौतम अडानी मंगलवार को महाकुंभ में पहुंचे, जहां पर उन्होंने लोगों को खुद अपने हाथों से बनाकर खाना परोसा। इसी दिन अडानी ग्रुप के लिए एक खुशखबरी आई। अडानी समूह की कंपनी अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड (एईएसएल) को 25,000 करोड़ रुपए मूल्य की भादला-फतेहपुर एचवीडीसी परियोजना मिल गई है। यह कंपनी को मिला अब तक का सबसे बड़ा ऑर्डर है। एईएसएल ने मंगलवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि वह इस परियोजना के जरिए राजस्थान से छह गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा को उत्तरी भारत के विभिन्न केंद्रों तक पहुंचाने का काम करेगी। कंपनी ने कहा कि राजस्थान के भादला और उत्तर प्रदेश के फतेहपुर के बीच प्रस्तावित यह परियोजना मिलने के साथ उसकी ऑर्डरबुक बढ़कर 54,761 करोड़ रुपए हो गई है। अडानी ग्रुप की कंपनी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड ने कहा कि यह अब तक का सबसे बड़ा ऑर्डर है। कंपनी ने इस परियोजना को साढ़े चार वर्षों में पूरा करने का लक्ष्य रखा है। एईएसएल ने यह परियोजना शुल्क-आधारित प्रतिस्पर्धी बोली (टीबीसीबी) के तहत हासिल की। हालांकि कंपनी यह डील 20 जनवरी 2025 को ही कंपनी को मिल गई थी लेकिन कंपनी ने आज इसके बारे में शेयर मार्केट में जानकारी दी।

बोले भाबी जी घर पर हैं के सक्सेना जी

मैंने जीरो से शुरुआत की कई-कई किलोमीटर पैदल चला हूं

एक्टर सानंद वर्मा को इंडस्ट्री में 15 साल पूरे हो गए हैं। उन्हें शो भाबी जी घर पर हैं के जरिए खूब लोकप्रियता मिली है, जिसमें उन्होंने सक्सेना जी का रोल किया है। हाल ही में सानंद अपने करियर में आई मुश्किलों पर बात करते दिखे। उन्होंने कहा कि उन्हें अपनी करियर यात्रा में कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा। बोले कि उन्होंने जीरो से शुरुआत की और फिर यहां तक पहुंचे।

एक्टर ने कहा, मैंने जीरो से शुरुआत की। अभिनय की दुनिया में आने से पहले मैं जो जॉब करता था तो उससे जो पैसे मिले मैंने अपने बंगले का लोन भरने के लिए सारा पैसा वहां डाल दिया। मेरे पास फिर पैसे नहीं बचे और पैसे सेव करने की आदत रही नहीं। मैं आज में जीता हूं और पैसे सेव नहीं करता। नौकरी के सारे पैसे बंगले में खप गए। ऐसे में शुरुआत में बहुत संघर्ष हुआ। मैं लोकल ट्रेन में धक्के खा नहीं पाया तो मैं 50-50 किलोमीटर तक पैदल चलने लगा। हालांकि, यह सिलसिला शुरुआत के छह महीने तक चला फिर मुझे विज्ञापन फिल्में मिलने लगीं। सानंद ने आगे कहा, मैंने टीवी शो किए तो कैमियो करता था। मैं अपना ऑरिजनल चेहरा एक्सपोज नहीं करना चाहता था, क्योंकि मैं फिल्म स्टार बनना चाहता था। इसलिए टीवी पर बहुत एक्सपोज नहीं होना चाहता था। लेकिन, जब सुशांत सिंह राजपूत को मैंने देखा कि वे पवित्र रिश्ता के मेन लीड थे और फिर काय पो छे में नजर आए। मैंने सोचा कि जब इनका हो सकता है तो मेरा क्यों नहीं? उसी वक्त मुझे भाबी जी में ऑफर मिला तो मैंने स्वीकार कर लिया। तभी मुझे मर्दानी में भी ऑफर मिला तो फिल्मों में भी काम शुरू हो गया। मैं 25-30 से ज्यादा फिल्में अब तक के करियर में कर चुका हूं।

12 की उम्र में किया 70 वर्ष के बुजुर्ग का किरदार

सानंद के मुताबिक उन्हें बचपन से ही अभिनय में दिलचस्पी रही है। उन्होंने बताया, मैं नेचुरल एक्टर रहा हूं। बचपन से मेरा रुझान इधर रहा है। मैंने बचपन में थिएटर भी किया तब भी लोगों ने खूब तारीफ की। मैंने 12 साल की उम्र में 70 साल के बुजुर्ग का रोल किया था। मुझे बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड मिला था। सानंद ने बताया कि वे फिल्म आंखों की गुस्ताखियां में नजर आएंगे।

एक्टर ने फिल्म और टीवी में अंतर पर बात करते हुए कहा कि काफी अंतर है। टीवी में आप एक किरदार में बंधे रहते हैं। तैयारी की वक्त नहीं मिलता। आपको पांच मिनट पहले स्क्रिप्ट मिलती है और वह आपको परफॉर्म करनी होती है। फिल्मों में स्क्रिप्ट थोड़ी पहले मिलती है तो उसकी तैयारी पहले हो सकती है। उसमें जल्दबाजी में नहीं करते।

माता-पिता को भगवान का दर्जा देते हैं अभिषेक बच्चन

बोले- ईश्वर से पहले उनके पास जाता हूं

अभिनेता अभिषेक बच्चन अपने माता-पिता को भगवान का दर्जा देते हैं। हाल ही में उन्होंने परिवार और उसके महत्व पर बात करते हुए कहा कि वे बहुत ज्यादा पारिवारिक हैं।

साहित्य से लेकर सिनेमा तक बच्चन परिवार का अलग रुतबा है। अभिषेक बच्चन के दादा व कवि हरिवंश राय बच्चन ने साहित्य जगत में नई लकीर खींचीं तो पिता अभिताभ बच्चन ने अभिनय की दुनिया में इतिहास रचा है। हाल ही में जूनियर बच्चन ने परिवार से मिली रचनात्मक विरासत पर बात की।

इस दौरान उन्होंने जिंदगी में परिवार के महत्व पर बात करते हुए कहा कि वे बहुत ज्यादा पारिवारिक हैं और उनके लिए माता-पिता ईश्वर से पहले आते हैं।

कहा- माता-पिता भगवान के बराबर हैं: अभिषेक बच्चन ने इंटरव्यू में कहा कि उनके लिए माता-पिता भगवान के बराबर हैं। एक्टर से जब पूछा गया कि क्या वे धार्मिक हैं? इस पर उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता कि मैं बहुत धार्मिक हूं या नहीं। भगवान के साथ मेरा रिश्ता है, लेकिन भगवान के पास जाने से पहले मैं अपने माता-पिता के पास जाता हूं। मुझे लगता है कि माता-पिता ही ऐसे पहले होने चाहिए, जिन पर आपको भरोसा करना चाहिए। मेरे लिए, वे भगवान के बराबर हैं। मैं जो कुछ भी हूं, अपने परिवार की वजह से हूं। मैं बहुत ज्यादा पारिवारिक इंसान हूं। मैं जो कुछ भी करता हूं वह अपने परिवार के लिए करता हूं और वे मेरे सबसे करीबी लोग हैं।

परिवार की राय सबसे ऊपर : अभिषेक बच्चन का कहना है कि परिवार के विचार उनके लिए सबसे पहले मायने रखते हैं। एक्टर ने कहा, जब तक आप एक प्यार करने वाले, हमेशा साथ खड़े रहने वाले, स्वस्थ और खुशहाल परिवार के पास घर लौट सकते हैं, मेरे ख्याल से आप ठीक हैं।

मेरे लिए परिवार की राय सबसे ऊपर है। अभिषेक ने अपनी विरासत और अपने सरनेम पर बात करते हुए कहा, मुझे अपने दादाजी से मिले सरनेम पर गर्व है। उन्होंने जो काम किया, उसकी वजह से हमें मिलने वाले प्यार और सम्मान की निरंतरा सुनिश्चित करने के लिए मैं काम करूंगा। मुझे पूरी उम्मीद है कि मेरी बेटी और आगे आने वाली पीढ़ियां भी इस विरासत का सम्मान करेंगी।

मैंने सिंडिकेट के साथ सिनेमा से जुड़े पापों को धोने की खाई है कसम: राम गोपाल वर्मा

निर्देशक राम गोपाल वर्मा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा करते हुए अपनी अगली अपकमिंग फिल्म सिंडिकेट की घोषणा की है। इसके साथ ही वर्मा ने फिल्म के कॉन्सेप्ट को भी समझाया।

एक्स हैंडल पर एक पोस्ट साझा कर राम गोपाल वर्मा ने अपकमिंग फिल्म की घोषणा करते हुए कहा कि उन्होंने पिछले कुछ सालों में किए गए सिनेमा से जुड़े अपने सभी पापों को सिंडिकेट नाम की इस फिल्म के साथ धोने की कसम खाई है। उन्होंने बताया कि इस फिल्म के कलाकारों और अन्य डिटेल्स के बारे में जल्द ही घोषणा करेंगे। उन्होंने लिखा, सत्या फिल्म पर अपने कबूलनामे के क्रम में, मैंने अब तक की सबसे बड़ी फिल्म बनाने का फैसला किया है। इस फिल्म का नाम सिंडिकेट है। यह एक संगठन के बारे में है, जो भारत के अस्तित्व को ही खतरे में डालता है।

राम गोपाल वर्मा ने अपनी अपकमिंग फिल्म के कॉन्सेप्ट को समझाते हुए बताया, सत्तर के दशक तक पनपने वाले स्ट्रीट गैंग तब खत्म हो गए जब वे कट्टरपंथी राजनीतिक दलों में शामिल हो गए और बाद में जब इलेक्ट्रॉनिक सामान, सोना आदि की मांग के कारण तस्करों का उदय हुआ। आर्थिक सुधारों के कारण वे भी खत्म हो गए और फिर डी कंपनी जैसे घातक कॉरपोरेट गिरोह आए।

उन्होंने आगे बताया, भारत में पिछले 10 से 15 वर्षों से कोई उल्लेखनीय आपराधिक संगठन नहीं रहा है, लेकिन अभी देश में कई समूहों के बीच ध्रुवीकरण एक नए तरह के आपराधिक संगठन के उभरने के लिए उपयुक्त समय है। लेकिन अतीत के संगठनों के विपरीत, यह नया संगठन पुलिस एजेंसियों, राजनेताओं, अमीर व्यापारियों और सेना सहित विभिन्न समूहों से मिलकर बना है, जिससे यह एक सिंडिकेट बन गया है। उन्होंने लिखा, 'सिंडिकेट' एक भविष्य की कहानी है, जो भविष्य में नहीं बल्कि कल या अगले सप्ताह भी हो सकने वाली घटनाओं पर आधारित है। उदाहरण के लिए पूरी दुनिया 11 सितंबर 2001 को अलकायदा के बारे में जानती थी, लेकिन 10 सितंबर को उसके अस्तित्व के बारे में नहीं जानती थी। सिंडिकेट की शुरुआत 'केवल मनुष्य ही सबसे भयानक जानवर हो सकता है।'

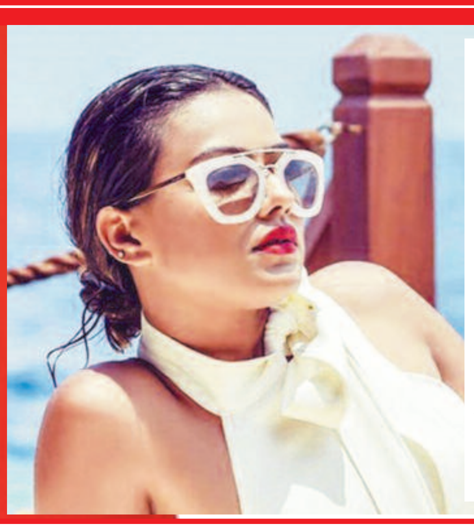

निया ने थाईलैंड में किए फायर स्टंट

जानी मानी टीवी एक्ट्रेस निया शर्मा थाईलैंड में छुट्टियां मना रही हैं। वह लगातार थाईलैंड से अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कर रही थीं। अब उन्होंने अब थाईलैंड से बहुत खतरनाक स्टंट करते हुए वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में निया कुछ खतरनाक आग के स्टंट करती नजर आ रही हैं। एक क्लिप में, वह बीच में कूदती हुई दिखाई दे रही हैं, जबकि एक आदमी रस्सी को गोलाकार गति में घुमा रहा है। मोटी रस्सी में आग लगा दी गई थी। दूसरे वीडियो में, वह खतरनाक तरीके से जलती हुई छड़ को पार करती हुई दिखाई दे रही हैं। इस स्टंट में निया को काफी चोट भी लग गई। उन्होंने स्टंट को करने से निया को काफी चोट लग गई। वे थाईलैंड में काफी मस्ती कर रही हैं। फायर स्टेंट के साथ निया डांस करती भी नजर आ रही हैं। थाईलैंड में निया बेबी पिंक शॉर्ट स्कर्ट और व्हाइट शॉर्ट टॉप पहने हुए हैं। निया के इस वीडियो को फैंस ने भी बहुत पसंद किया है। उन्होंने कमेंट्स में निया की तारीफ की है।

150 से अधिक फिल्में करने वाले अक्षय कुमार को सच्ची कहानियों पर गढ़े किरदार पसंद

बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार, अपनी आगामी फिल्म स्काई फोर्स को लेकर सुर्खियों में हैं। बेसब्री से इसकी रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने अपने दिल की बात सोशल मीडिया पर जाहिर की। बोले, उन्हें हमेशा ऐसी फिल्में आकर्षित करती हैं जो सच्ची कहानी पर आधारित होती हैं। गुरुवार को, अभिनेता ने अपने इंस्टाग्राम पर 'स्काई फोर्स' में अपने किरदार में खुद की एक तस्वीर साझा की, जो एक सच्ची कहानी पर आधारित है। तस्वीर में वह वायु सेना के अधिकारी के गेटअप में दिख रहे हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, म 150 से अधिक फिल्मों का हिस्सा रहा हूं, लेकिन सच कहूं तो ये शब्द कि 'एक सच्ची कहानी पर आधारित' कहानी है, मुझे हमेशा आकर्षित करता है। सबसे बढ़कर, एक वायु सेना अधिकारी (नई फिल्म का किरदार) की वर्दी में कदम रखना अविश्वसनीय से कम नहीं है।

उन्होंने आगे लिखा, 'स्काई फोर्स' सम्मान, साहस और देशभक्ति की एक अनकही कहानी है जो साझा करने लायक है। इसे कल से सिनेमाघरों में देखें। इससे पहले, अक्षय अपने समकालीन सलमान खान के समर्थन में सामने आए थे, जब अक्षय के 'बिग बॉस 18' के सेट से बिना शूटिंग के चले जाने की खबरें आई क्योंकि सलमान कथित तौर पर समय पर शूटिंग के लिए नहीं पहुंचे थे। अभिनेता ने मामले पर स्पष्टीकरण जारी किया था। उन्होंने यह कहते हुए अपनी स्थिति स्पष्ट की कि उनके पास पहले से ही कुछ प्रतिबद्धताएं थीं जिन्हें उन्हें पूरा करना था, जिसके कारण उन्हें सेट छोड़ना पड़ा।

अक्षय ने यह भी बताया कि उन्होंने शो छोड़ने से पहले सलमान से बात की थी, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उनके बीच सब कुछ ठीक है।

विश्व आर्थिक मंच की बैठक में शामिल होने के बाद विवेक ओबेरॉय का अनुभव

बॉलीवुड एक्टर विवेक ओबेरॉय ने स्विट्जरलैंड के दावोस में आयोजित वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम 2025 में शिरकत की। उन्होंने सोशल मीडिया पर तस्वीरें साझा करते हुए अनुभव बताया है।

अभिनेता विवेक ओबेरॉय विश्व आर्थिक मंच 2025 की बैठक में शामिल हुए। एक्टर ने हाल ही में सोशल मीडिया पर झलकियां साझा की हैं। साथ ही अपना अनुभव भी बताया। वे विश्व आर्थिक मंच की बैठक में शामिल होने के बाद गदगद हैं। एक्टर ने कहा कि इस मंच पर उन्हें कई मुख्यंत्रियों और राष्ट्रीय मंत्रियों से व्यवसायों के बारे में बातचीत करने का अनुभव मिला। विवेक ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की तस्वीरें भी शेयर की हैं।

बोले- हर जगह भारत ही भारत छाया है

बातचीत में विवेक ओबेरॉय ने कहा, यहां आकर बहुत अच्छा लग रहा है... मुझे बहुत गर्व महसूस हो रहा है, क्योंकि भारत हर जगह है और मुझे खुशी है कि मैं यहां कई मुख्यमंत्रियों और राष्ट्रीय मंत्रियों से भारत में उनके द्वारा किए जा रहे सभी व्यवसायों के बारे में बातचीत कर रहा हूं। हर जगह भारत ही भारत छाया हुआ है। कई फाउंडेशन का प्रतिनिधित्व करना गर्व की बात है।

इस ट्रिक को फॉलो कर बुरे वक्त से कैसे निकलीं सामंथा

साउथ अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु ने अपनी कुछ टिप्स शेयर की हैं, जिन्होंने उन्हें जीवन की परेशानियों से निपटने में मदद की। सामंथा अपने तलाक और फिर बीमारी को लेकर काफी चर्चा में रही हैं। हाल ही में सामंथा को सिटाडेल हनी बनी पें देखा गया। इस टिप को करती हैं फॉलो

सामंथा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपनी कुछ तस्वीरें साझा की हैं। इसमें उन्होंने बताया कि पिछले दो साल से एक छोटा सा रिचुअल या ट्रिक जरूर फॉलो करती हैं, जिसने उन्हें कुछ सबसे मुश्किल पलों से बाहर निकाला है।

सामंथा ने दी फैंस को सलाह

सामंथा ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा कि अगर आपको लिखना आता है और आपको लिखना पसंद है, तो हमेशा उन तीन चीजों के बारे में लिखें, जिसने आपको उस दिन खास बने रहने में मदद की। बस आपको ईमानदारी से काम करना चाहिए।

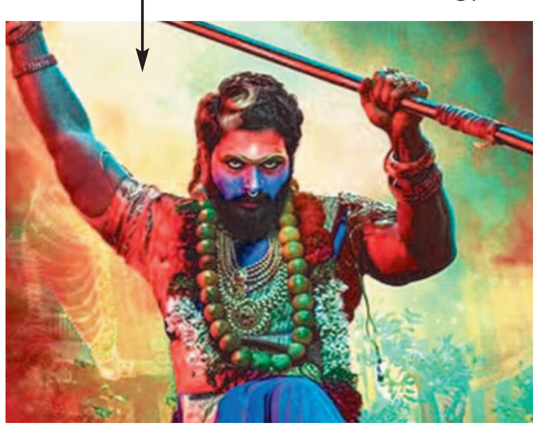

अल्लू अर्जुन के फैंस के लिए खुशखबरी, पुष्पा 2 के 50 दिन पूरे होने पर थिएटर में होगा खास शो

अल्लु अर्जुन और रश्मिका मंदाना की फिल्म पुष्पा 2 की रिलीज को अब पूरे 50 साल हो गए हैं। इस खास मौके पर फिल्म निर्माताओं ने अल्लु के प्रशंसकों के लिए एक खास शो का आयोजन किया है, जो एक प्रतिष्ठित थिएटर में रखा जाएगा।

अल्लू अर्जुन अभिनीत और सुकुमार द्वारा निर्देशित फिल्म पुष्पा 2: द रूल ने 5 दिसंबर, 2024 को अपनी रिलीज के बाद से लगातार प्रशंसकों का दिल जीता है। शानदार समीक्षाओं और बॉक्स ऑफिस पर अच्छे प्रदर्शन के साथ पुष्पा 2 द रूल अभी भी सिनेमाघरों में टिकी हुई है। फिल्म पुष्पा 2 द रूल ने सिनेमाघरों में 50 शानदार दिन पूरे कर लिए हैं। इस उपलब्धि का जश्न मनाने के लिए, हैदराबाद के प्रतिष्ठित संध्या 70 मिमी थिएटर में शाम के शो के दौरान प्रशंसकों के लिए एक खास स्क्रीनिंग का आयोजन किया जा रहा है। प्रशंसक उत्सुकता से इस बात का इंतजार कर रहे हैं कि कोई कलाकार या क्रू सदस्य उत्सव में शामिल होगें या नहीं। रश्मिका मंदाना, फहद फासिल, सुनील, अनसूया, राव रमेश और जगपति बाबू के शानदार अभिनय के साथ, यह फिल्म मैथरी मूवी मेकर्स द्वारा निर्मित है। देवी श्री प्रसाद का संगीत, सैम सीएस द्वारा पूरक, इस सनसनीखेज फिल्म में प्रतिभा की एक और परत जोड़ता है।

कैप्टन अमेरिका :

चीन में भी रिलीज होगी कैप्टन अमेरिका ब्रेव न्यू वर्ल्ड फिल्म का प्रचार अभियान जारी

कैप्टन अमेरिका ब्रेव न्यू वर्ल्ड अपनी चीन रिलीज के लिए भी तैयार है। इस फिल्म का लक्ष्य ऐसे बाजार में महत्वपूर्ण प्रभाव डालना है, जहां हॉलीवुड फिल्मों की कमाई अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है- जैसे की चीन।

कैप्टन अमेरिका की पिछली किस्तों के प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए कथित तौर पर द विंटर सोल्जर ने 115.6 मिलियन डॉलर यानी 9930 करोड़ रुपय की कमाई की और सिविल वॉर ने 180.8 मिलियन डॉलर यानी 15520 करोड़ रुपए की कमाई की। ब्रेव न्यू वर्ल्ड, जिसे कैप्टन अमेरिका 4 कहा जा रहा है। इससे प्रशंसकों को बेहद उम्मीदें हैं।

मीडिया रिपोर्पट्स के अनुसार, साल 2011 में आई पहली कैप्टन अमेरिका को उस समय चीन और अमेरिका के बीच तनावपूर्ण राजनीतिक और कूटनीतिक संबंधों की वजह से चीन में दिखाने की कानूनी रूप से अनुमति नहीं दी गई थी। लेकिन ब्रेव न्यू वर्ल्ड को अब चीन में दिखाने की स्वीकृति दे दी गई है।

आधिकारिक तौर पर इसे 14 फरवरी को वेलेंटाइन के दिन रिलीज करने की योजना बनाई जा रही है। साथ ही अमेरिका में भी इसकी पहली रिलीज होगी। कैप्टन अमेरिका 4 की रिलीज से पहले इसका प्रचार जारी है। वहीं, चीन के दर्शकों के लिए एक नया खास पोस्टर जारी किया है। फिल्म की प्री-सेल अगले महीने शुरू होने की उम्मीद है, जब चीनी स्प्रिंग फेस्टिवल समाप्त हो जाएगा।

जूलियस ओना द्वारा निर्देशित और सैम विल्सन-कैप्टन अमेरिका के रूप में एंथनी मैकी द्वारा अभिनीत, ब्रेव न्यू वर्ल्ड क्रिस इवांस के स्टीव रोजर्स से मिले पद के बाद विल्सन की सफर की कहानी को आगे बढ़ाती है। फिल्म में डैनी रामिरेज, शिरा हास, कार्ल लुंबली, जोशा रोक्मोर, जियानकार्लो एस्पोसिटो, टिम ब्लेक नेल्सन और हैरिसन फोर्ड भी अहम भूमिका में नजर आएंगे।

ताहा शाह और तुलसी कुमार ने पहले म्यूजिक कोलैबोरेशन की घोषणा की, पोस्टर जारी

ताहा शाह जो संगीत वीडियो और फिल्मों में अपने गतिशील प्रदर्शन के लिए जाने जाते हैं, अब अपनी पहली म्यूजिक कोलैबोरेशन के लिए मेलोडियस तुलसी कुमार के साथ मिलकर काम करने के लिए तैयार हैं। दोनों ने आज एक मनमोहक पोस्टर के साथ इसकी घोषणा की, जिससे फैंस इस आगामी गाने के लिए उत्सुक हो गए हैं। पोस्टर में रोमांस की झलक देखने को मिलती है, जो एक प्रेम कहानी की ओर इशारा करता है, जो सोलफुल संगीत के साथ प्रस्तुत की जाएगी। ताहा और तुलसी की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री पोस्टर में स्पष्ट दिखाई दे रही है.

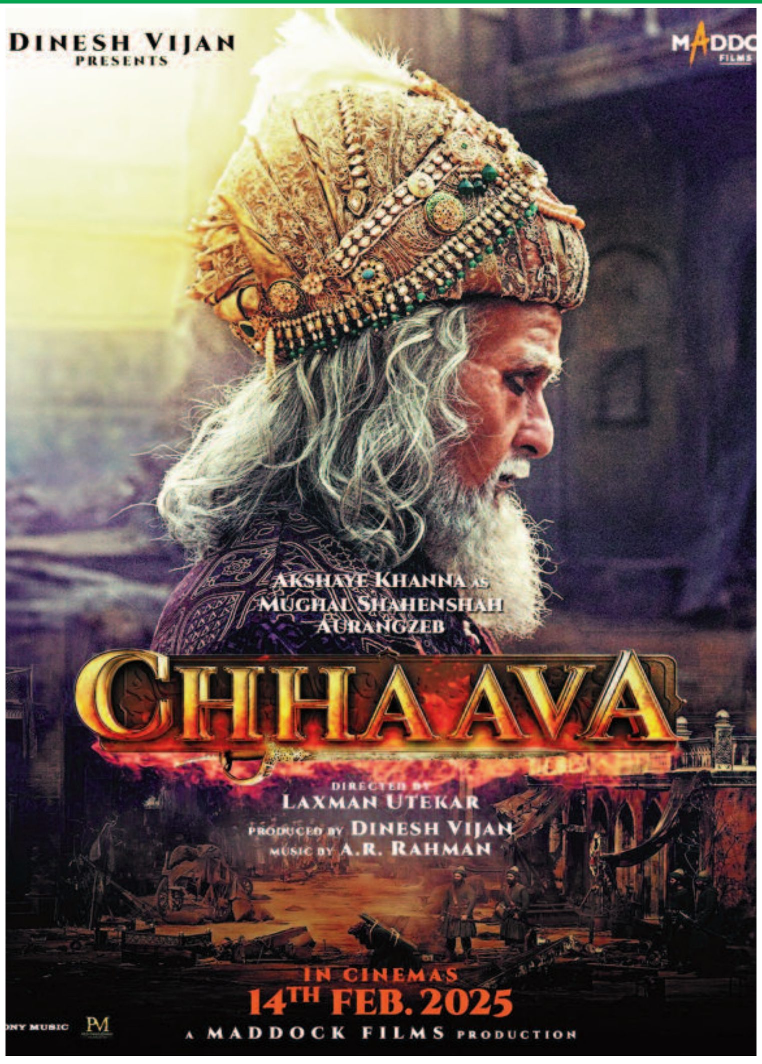

छावा में औरंगजेब का किरदार निभाएंगे अक्षय खन्ना

फिल्म छावा की रिलीज डेट जैसे-जैसे नजदीक आ रही है। फिल्म के किरदारों के लुक मेकर्स साझा करते जा रहे हैं। अब औरंगजेब का किरदार निभा रहे अक्षय खन्ना का लुक मेकर्स ने शेयर किया है। विक्की कौशल और रश्मिका मंदाना की फिल्म छावा बॉक्स ऑफिस पर 14 फरवरी को रिलीज होने वाली है। फिल्म में रश्मिका मंदाना के बाद अब अक्षय खन्ना का लुक सामने आया है।

सामने आया अक्षय खन्ना का लुक: मेकर्स ने मुगल शहंशाह औरंगजेब की भूमिका निभा रहे अक्षय खन्ना का लुक शेयर किया है। फिल्म में अक्षय खन्ना मुगल शहंशाह औरंगजेब की भूमिका निभाने जा रहे हैं। फिल्म में उनका लुक फैंस को बहुत भा रहा है। मेकर्स ने बताया है कि फिल्म 14 फरवरी को बॉक्स ऑफिस रिलीज किया है।

रश्मिका मंदाना का भी लुक आया सामने: मैडॉक फिल्म्स ने फिल्म छावा से रश्मिका के महारानी यशुबाई के किरदार में दो पोस्टर जारी किए हैं। एक पोस्टर में रश्मिका मंदाना मुस्कुराती नजर आ रही हैं। इस नए लुक में रश्मिका हैवी ज्वैलरी के साथ किसी को निहारती दिख रही हैं। वहीं एक और तस्वीर भी है, जिसमें रश्मिका बेहद सीरियस नजर आ रही हैं।

बाबिल खान के साथ फिल्म में नजर आ सकते हैं यशवर्धन

बॉलीवुड स्टार किड्स का फिल्मों में आना कोई नई बात नहीं है। हाल ही में रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी और अजय देवगन के भतीजे अमन देवगन ने फिल्म आजाद के जरिए अपना बॉलीवुड डेब्यू किया। हालांकि बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई, लेकिन फिल्म में राशा का डांस और अभिनय प्रशंसकों को बेहद पसंद आया। वहीं अब गोविंदा के बेटे यशवर्धन भी बॉलीवुड फिल्मों में अपनी किस्मत आजमाने जा रहे हैं। गोविंदा के बेटे यशवर्धन आहूजा और बाबिल एक फिल्म में साथ काम सकते हैं। कथित तौर पर यशवर्धन आहूजा, साई राजेश द्वारा निर्देशित आगामी अनाम रोमांटिक ड्रामा में नजर आ सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म में एक और स्टार किड भी महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आ सकता है। दिवंगत अभिनेता इरफान खान के बेटे बाबिल खान हैं।

फिल्म में मुख्य अभिनेत्री की तलाश जारी है, जिसके लिए कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा देशभर में एक्ट्रेस की तलाश कर रहे हैं और उन्हें इस फिल्म के लिए पहले ही 14,000 से ज्यादा ऑडिशन वीडियो मिल चुके हैं। बाबिल और यशवर्धन के अपोजिट मुख्य फीमेल लीड को जल्द ही फाइनल कर लिया जाएगा, क्योंकि यह प्रोजेक्ट 2025 की गर्मियों तक फ्लोर पर आ सकता है। हालांकि, फिल्म की आधिकारिक घोषणा अभी बाकी है। 1 मार्च 1997 को जन्मे यशवर्धन आहूजा बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता गोविंदा और सुनीता आहूजा के बेटे हैं। उनकी एक बड़ी बहन टीना आहूजा भी हैं, जिन्होंने भी अभिनय में कदम रखा लेकिन उनका करियर कुछ खास नहीं रहा। बाबिल की बात करें तो उन्होंने 2022 की मनोवैज्ञानिक ड्रामा फिल्म काला से अपने अभिनय की शुरुआत की। अन्विता दत्त द्वारा निर्देशित इस फिल्म में तृप्ति डिमरी और स्वस्तिका मुखर्जी भी मुख्य भूमिकाओं में थीं। इसे ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज किया गया था।

टीना दत्ता ने बताया, कैसे अनुशासित जीवनशैली ने फिल्म पर्सनल ट्रेनर में की मदद

अभिनेत्री टीना दत्ता अपनी आगामी क्राइम थ्रिलर सीरीज 'पर्सनल ट्रेनर' सीरीज की रिलीज को लेकर उत्साहित है। अभिनेत्री ने कहा कि उनकी अनुशासित लाइफस्टाइल ने सीरीज में 'नेहा' का किरदार निभाने में मदद की। टीना दत्ता ने कहा, एक सीन है, जिसमें मैं शीर्षासन करती हूं और मुझे इसे करने पर गर्व है। स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती के प्रति मेरे जुनून ने मुझे सीरीज में 'नेहा' के किरदार में प्रामाणिकता लाने में मदद की।

ऐसा हमेशा नहीं होता कि आपको अपनी रुचियों को किरदार के साथ जोड़ने का मौका मिले। शो में काम करने के अनुभव और किरदार के बारे में टीना ने कहा, नेहा एक ग्रे किरदार है और मेरे लिए किसी ऐसे व्यक्ति का किरदार निभाना रोमांचक था, जिसमें खूबियां और खामियां दोनों हैं। एक होनहार किरदार को जीवंत करने के अलावा, इतने प्रतिभाशाली कलाकारों के साथ काम करना शानदार था। उन्होंने आगे बताया, उनमें से हर एक ने कुछ ना कुछ खास पेश किया, जिसने मुझे एक अभिनेता के रूप में अपनी सीमाओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

हम सबके बीच सेट पर बेहतरीन बॉन्ड था और हर सीन में दोस्ती साफ झलकती थी। मैं इस रोमांचक ड्रामा को लेकर उत्साहित हूं। सीरीज मुंबई के जिम कल्चर के बैकग्राउंड पर बनी है। मनोरंजक कहानी महत्वाकांक्षा, प्यार और शारीरिक पूर्णता, खतरनाक खोज को पेश करती है। कहानी के केंद्र में नेहा धर्मराजन हैं, जो एक विवाहित महिला है, जिसका किरदार टीना ने निभाया है, जिसका अपने पर्सनल ट्रेनर अनीश (गुलशन नैन) के साथ अवैध संबंध रहता है और सीरीज में घटनाओं की एक खौफनाक कहानी को दिखाता है, जिसमें एक हत्या भी शामिल है।

बॉलीवुड फिल्मों के न चल पाने पर बोले अक्षय कुमार

लोग सोचते हैं ओटीटी पर देखेंगे

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार ने इंडस्ट्री और फिल्में न चल पाने के बारे में बता की है। अक्षय कुमार अपनी आगामी फिल्म स्काई फोर्स में नजर आने वाले हैं। उन्होंने बताया कि भारतीय सिनेमा को मुश्किल समय का सामना क्यों करना पड़ रहा है क्योंकि बन रही फिल्मों और सफल हो रही फिल्मों के बीच सफलता का अनुपात घट रहा है। बातचीत में अक्षय कुमार ने बताया कि ओटीटी का असर इंडस्ट्री पर भी पड़ रहा है। उन्होंने कहा, मैं बहुत से लोगों से मिलता हूं और वे अक्सर कहते हैं कि हम इसे ओटीटी पर देखेंगे, इसलिए यह सबसे बड़ा कारण है। यही पूरी बात है।

ओटीटी को लेकर बोले अभिनेता

अक्षय कुमार ने ओटीटी को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा, चलिए इधर-उधर की बातें न करें। उसके बाद चीजें बदल गई हैं... कोविड के बाद लोगों को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर जाकर चीजें देखने की आदत हो गई है। यह एक आदत है जो चली गई है।

फिल्म कंटेंट को लेकर हो गए हैं सजग

अक्षय कुमार ने फोर्ब्स इंडिया के साथ बातचीत में कहा, कोरोना का प्रभाव इंडस्ट्री पर पड़ रहा है। बड़े पर्दे पर फिल्म दिखाने के लिए कुछ बहुत मनोरंजक और इंट्रेस्टिंग फिल्में बनाने की जरूरत है। मैं किसी भी कंटेंट को लेकर बहुत माइंडफुल हो गया हूं। ऐसे विषयों पर फिल्म बना।

द राजा साब में फाईट करती नजर आएंगी मालविका

संक्रांति और पोंगल के अवसर पर आगामी फिल्म द राजा साब का नया पोस्टर जारी किया गया। वहीं अब फिल्म के सेट से मालविका मोहनन का एक फाइटिंग सीन वीडियो सोशल मीडिया पर लीक हो गया है, जिसे देखने के बाद प्रशंसक उत्साहित हो गए हैं। प्रभास स्टारर फिल्म द राजा साब के पोस्टर पहले ही प्रशंसकों को उत्साहित कर चुके हैं। वहीं अब फिल्म के सेट से मालविका मोहनन का फाइटिंग सीन लीक होने पर प्रशंसकों का उत्साह फिल्म को लेकर और अधिक बढ़ गया है। इस ऑनलाइन लीक हुए वीडियो में मालविका जमकर एक्शन करती नजर आ रही हैं, जो द राजा साब के प्रशंसकों को बेहद रास आ रहा है। मारुति द्वारा निर्देशित यह फिल्म 10 अप्रैल, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है। इसी बीच, मालविका मोहनन का एक फाइटिंग सीन सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वह गुंडो की पिटाई करती नजर आ रही हैं।

सुरक्षा चूक के बाद होटल में घुसे फैंस

दुआ लीपा हुई परेशान

लॉस एंजिल्स। गायिका-गीतकार दुआ लीपा को एक डरावने पल का सामना करना पड़ा। होटल में सुरक्षा चूक होने की वजह से प्रशंसक उनके होटल में घुस आए और उनके बेडरूम के बाहर इंतजार करने लगे। दुआ लीपा ने हाल में ही भारत में परफॉर्मेंस की थी। रिपोर्ट के अनुसार 29 वर्षीय 'न्यू रूल्स' गायिका चिली के सैंटियागो में एक होटल में ठहरी हुई थीं, जब प्रशंसक उनके निजी क्वार्टर में घुसने में सफल रहे। ब्रिटिश गायिका एक विज्ञापन की शूटिंग के लिए शहर में थीं। हालांकि, घटना के बाद दुआ को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है, लेकिन बताया गया है कि वह इस घटना से घबरा गई हैं और उनकी सुरक्षा को टीम फिर से कड़ी कर रही है। जानकारी के अनुसार दुआ से मिलने के लिए उत्साहित प्रशंसक उस होटल में घुसने में सफल रहे, जिसमें वह ठहरी हुई थीं और उनके कमरे में घुस गए। वे स्टार के साथ तस्वीरें लेने के लिए उनका बाहर इंतजार कर रहे थे। सुरक्षाकर्मियों ने साउथ अमेरिकी शहर में स्थित फाइव स्टार रिट्ज-कार्लटन होटल की तलाशी ली, जिसमें लीपा ठहरी थीं। एक सूत्र बताया, जब वह नीचे उतरीं तो वहां बहुत सारे प्रशंसक थे जो उन्हें देखने के लिए बेताब थे। प्रशंसकों ने न केवल उनके होटल के फ्लोर में प्रवेश किया, बल्कि कुछ उनके कमरे के बाहर भी खड़े नजर आए। इंतजार कर रहे प्रशंसकों से घबराई दुआ ने कहा कि वह अपने होटल के अंदर तस्वीरें नहीं लेंगी। दुआ के साथ इससे पहले भी ऐसी घटना हो चुकी है। ग्लैस्टनबरी म्यूजिक इवेंट में परफॉर्म करने को तैयार स्टार स्लॉट से पहले बर्मिंघम में रिहर्सल कर रही थीं। जानकारी के अनुसार एक प्रशंसक रिहर्सल स्टूडियो में घुस गया था।

अब टीवी-फिल्म एक्टर रोनित रॉय करेंगे सैफ अली खान की सुरक्षा

16 जनवरी को बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान पर एक व्यक्ति ने उनके घर में घुसकर चाकू से हमला किया, यह व्यक्ति चोरी के इरादे से एक्टर के घर में आया था। हमले में सैफ अली खान को कई चोटें आईं। लीलावती हॉस्पिटल में उनकी सर्जरी हुई। हमले के पांच दिन बाद यानी मंगलवार को सैफ को हॉस्पिटल से छुट्टी मिल गई है। सैफ अली खान पर हमला करने वाले व्यक्ति को भी पुलिस ने पकड़ लिया है। लेकिन अब सैफ अली खान की सुरक्षा की जिम्मेदारी एक्टर रोनित रॉय पर है।